डालटनगंज (मेदिनीनगर), सोमवार । 10 अगस्त 2026 । वर्ष-32, अंक-295, पृष्ठ-12
श्रावण कृष्ण पक्ष 12, संवत 2083 । डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: 61316/94
मूल्य 2 रु.
ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
www.rastriyanaveenmail.com
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

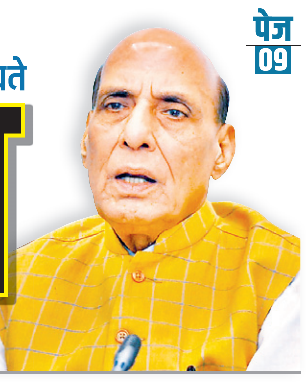

मेदिनीनगर	गढ़वा
अधिक. 34.0°	अधिक. 30.9°
न्यून. 26.0°	न्यून. 24.2°

प्रतियोगी परीक्षा विवाद : सीएम ने आंदोलनरत युवाओं को दिया कार्रवाई का भरोसा, कहा

हमलोगों ने चोरी पकड़ ली है, अब करेंगे सख्त कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विवाद और छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को आंदोलनरत युवाओं को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके अधिकारों और भविष्य को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय मिलेगा और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। रांची के मोरहाबादी मैदान में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 में सीएम हेमंत सोरेन ने छात्र आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं की बात सुन रही है और उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से संयम बनाए रखने और सरकार पर विश्वास करने की अपील की।

युवाओं से कहा-संयम बरतें और सरकार पर भरोसा रखें

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति है। पढ़े-लिखे युवाओं से लेकर महिलाओं, पुरुषों, बच्चों और वंचित तबकों तक सभी के हित सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा उठाए जा रहे अधिकारों और मांगों से जुड़े मामलों को सरकार संवेदनशीलता के साथ देख रही है। परीक्षाओं से जुड़े विवाद की ओर इशारा करते हुए सोरेन ने कहा, 'हमलोगों ने चोरी पकड़ ली है। अब उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई भी शुरू हो गई है।' उन्होंने आंदोलनरत छात्रों को आश्वस्त किया कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने दोहराया, सरकार मामले की गंभीरता को समझ रही है और युवाओं के भविष्य से जुड़े इस विषय में दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। सीएम सोरेन ने छात्र आंदोलन में राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर विपक्ष को भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को किसी राजनीतिक संरक्षण की आवश्यकता नहीं है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने का पूरा अधिकार है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल अपने हितों के लिए युवाओं को भ्रमित करने या आंदोलन को राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में राजनीतिक दल युवाओं को अपने प्रभाव में लेने की कोशिश करते हैं। ऐसे में छात्रों को किसी के बहकावे में आने के बजाय अपने मुद्दों पर केंद्रित रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार उनकी बात सुनने और अधिकारों से जुड़े मामलों के समाधान के लिए तैयार है।

सीएम पर भरोसा रखें छात्र, वे कर रहे हैं समस्या का समाधान : राज्यपाल

कहा-बातचीत के जरिए छात्रों की समस्या का समाधान निकालने की कोशिश जारी

रांची (नवीन मेल)। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन के बीच राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को छात्रों से कहा कि वे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भरोसा रखें। वह एक-एक मुद्दे का समाधान निकालने को तत्पर हैं। रांची में आदिवासी महोत्सव के मंच से राज्यपाल ने कहा कि बातचीत के जरिए छात्रों की समस्या का समाधान निकालने की कोशिश जारी है। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों के भविष्य को लेकर गंभीर है और इस मामले का समाधान संवाद के माध्यम से निकाला जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि इस समय छात्र जिस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, उसके बारे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहले ही विस्तार से अपनी बात रख चुके हैं। उन्होंने छात्रों से मुख्यमंत्री की ओर से कही गई बातों पर भरोसा रखने की अपील की। उन्होंने कहा, मेरी सभी से अपील है कि मुख्यमंत्री ने जो कुछ भी कहा है, उस पर भरोसा रखें। हम अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करना चाहते। बातचीत के जरिए इसका समाधान निकालें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी इस मामले को लेकर काफी चिंतित हैं और छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार चर्चा कर रहे हैं। राज्यपाल ने भरोसा जताया कि बातचीत के बाद इस मुद्दे पर किसी समाधान तक पहुंचा जा सकेगा।

दृष्टिपात

जेपीएससी के तीन सदस्यों ने दिया इस्तीफा, आज से सीआईडी पूछताछ

रांची (नवीन मेल)। जेपीएससी की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ जारी आंदोलन के बीच रविवार को बड़ा प्रशासनिक घटनाक्रम सामने आया। आयोग के तीन सदस्यों डॉ अजीता भट्टाचार्य, डॉ अनिमा हांसदा और डॉ जमाल अहमद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। तीनों ने अपना त्यागपत्र राज्यपाल को भेजा था, जिसे उन्होंने राज्य सरकार की अनुशंसा के आलोक में स्वीकार कर लिया। जेपीएससी की हालिया प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर आयोग पहले से विवादों में है। अभ्यर्थी परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसी बीच तीन सदस्यों के एक साथ इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इधर, कथित परीक्षा अनियमितताओं की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की टीम आयोग के तीनों पूर्व सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ करेगी। जानकारी के अनुसार, सोमवार को डॉ अजीता भट्टाचार्य, मंगलवार को डॉ अनिमा हांसदा और बुधवार को डॉ जमाल अहमद से पूछताछ होगी। जरूरत पड़ने पर तीनों को दोबारा भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इससे पहले सीआईडी जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव एल खियांग्ते से चार दौर में पूछताछ कर चुकी है। उनसे परीक्षा प्रक्रिया और आयोग स्तर पर लिए गए फैसलों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली गई थी। 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच के दौरान सीआईडी की कार्रवाई लगातार जारी है। शनिवार को मुख्य सचिव कार्यालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेंद्र कुमार और परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी टीडीपीएल के अकाउंटेंट रक्षक सिंह से भी पूछताछ की गई।

आज कल

विश्व आदिवासी दिवस पर रांची के मोरहाबादी मैदान में सजा सांस्कृतिक मंच

गूंजा हक, पहचान और न्याय का संदेश

1. राज्यपाल-सीएम ने किया झारखंड आदिवासी महोत्सव का शुभारंभ
2. सीएम बोले- युवाओं की चिंता हमारी भी चिंता, संवाद से होगा समाधान
3. 600 से अधिक कलाकारों की प्रस्तुतियों से दिखेगी जनजातीय संस्कृति की विविधता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस पर राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का रविवार को शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री तथा अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने प्रदर्शनी शिविर, वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव, इमर्सिव जोन एवं चित्रकला शिविर का उद्घाटन किया। झारखंड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन समारोह में पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज, नगाड़ा फॉर्मेशन की विशेष प्रस्तुति, लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां एवं पारंपरिक वेशभूषा ने झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। महोत्सव में आदिवासी कला एवं शिल्प, पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प, जनजातीय जीवन-पद्धति, लोक संगीत एवं नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रस्तुति लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

हर समस्या का संवाद से होगा समाधान : हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर देश-दुनिया में आदिवासी समाज अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली को यादगार तरीके से प्रस्तुत कर रहा है। झारखंड में भी विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए आदिवासी विरासत को सामने लाया जा रहा है। मोरहाबादी मैदान में देश के विभिन्न राज्यों से आए आदिवासी समुदाय अपनी कला, संस्कृति, परंपरा, जीवनशैली और आजीविका के साधनों का प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन आदिवासी समाज की विविधता और पारंपरिक पहचान को संजोते हुए विकास की ओर बढ़ने की तस्वीर पेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ युवा और छात्र अपनी मांगों व अधिकारों को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार उनकी बातें खुले मन से सुन रही है। हर समस्या का समाधान संवाद से संभव है।

झारखंड आदिवासी महोत्सव 2026 के उद्घाटन समारोह में रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी राज्यवासियों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए जोहार से अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को हम सभी जानते हैं। पूरे आदिवासी समाज को आज के इस दिवस को यादगार बनाने के का इंतजार रहता है। धरती पर आदिवासी समाज की अलग पहचान है। **शेष पेज 11 पर**

जनजातीय समुदाय ने सदियों से दिया है प्रकृति संरक्षण का संदेश : राज्यपाल

राज्यपाल ने मोरहाबादी मैदान, रांची में आयोजित 'झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि समृद्ध संस्कृति, परंपराएं, जीवन-मूल्य एवं प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की चेतना जनजातीय समाज की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास तथा आर्थिक सशक्तीकरण के क्षेत्रों में निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड का जनजातीय समाज सदियों से प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश देता रहा है। आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब जनजातीय जीवन दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि विकास की गति को बनाए रखते हुए पर्यावरण एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने विगत दो वर्षों के दौरान झारखंड के सभी जिलों के सुदूरवर्ती ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों का भ्रमण किया है तथा वहां के लोगों से संवाद करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज अत्यंत परिश्रमी, ईमानदार, स्वाभिमानी तथा प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान की भावना रखने वाला समाज है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की अनेक सामाजिक विशेषताएं पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। राज्यपाल संतोष गंगवार ने जनजातीय समाज के लोगों से शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा साधन मानने का आह्वान किया। उन्होंने भारत की राष्ट्रपति एवं झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के जीवन को शिक्षा की शक्ति का प्रेरक उदाहरण बताते हुए कहा कि सीमित संसाधनों एवं कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा संबल बनाया और देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन हैं। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

तीसरे दौर की वार्ता भी बेनतीजा, आंदोलन जारी रखने का ऐलान

सीजीएल रद्द करने पर अड़े छात्र, नहीं बनी बात

- सरकार बोली- छात्रों की ज्यादातर मांगें मानीं, आंदोलन वापस लें
- छात्र बोले- सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत विधानसभा घेराव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ आंदोलित छात्रों और राज्य सरकार के बीच रविवार को तीसरे दौर की वार्ता भी विफल हो गई। सरकार ने दावा किया कि छात्रों की ज्यादातर मांगें मान ली गई हैं। उन्हें आंदोलन वापस ले लेना चाहिए। दूसरी ओर, छात्र जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा 2024 को रद्द करने और सभी विवादित परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराने की मांग पर अड़े रहे। मांगें पूरी न होने पर छात्रों ने आंदोलन जारी रखने और सोमवार (10 अगस्त) को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया है।

वार्ता विफल होने के बाद चार मंत्रियों के समूह ने रविवार की रात सूचना भवन में प्रेस कांफ्रेंस कर छात्रों के रुख पर अफसोस जताया। मंत्रियों के समूह का नेतृत्व कर रहे सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार ने छात्रों की अधिसंख्य प्रमुख मांगें मान ली हैं। इसके बावजूद छात्रों का आंदोलन जारी रखना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। **शेष पेज 11 पर**

पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल पहुंचे बड़गांव

प्रशासनिक कार्रवाई पर जताई नाराजगी, पक्षपात का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर टंडवा के बड़गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए स्थानीय थाना की कार्यशैली पर सवाल उठाए। मरांडी ने कहा कि नाबालिग के अपहरण की सूचना परिजनों ने 3 अगस्त को थाना में दी थी, लेकिन पुलिस ने समय पर तत्परता नहीं दिखाई। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले का आरोपी इमरोज, जो पूर्व में पॉक्सो समेत अन्य मामलों में अभियुक्त रहा है, नाबालिग को घर के सामने से ही ले गया और 48 घंटे तक दुष्कर्म किया। **शेष पेज 11 पर**

गुमला पुलिस की कार्रवाई, एसपी ने दी जानकारी

अंतरराज्यीय 'कोरई गैंग' के सात सदस्य गिरफ्तार

हथियार के साथ 69.9 ग्राम सोना, 1.34 किलो चांदी व 1.70 लाख नकद बरामद

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस ने अंतरराज्यीय अपराधी गिरोह 'कोरई गैंग' के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टे, 11 गोलियां, 69.9 ग्राम सोना, 1.340 किलो चांदी, 1.70 लाख रुपये नकद, सात मोबाइल फोन और वाहनों के ताले खोलने वाली दो मास्टर की बरामद की गई हैं। रविवार को पुलिस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसपी हरीश बिन जमा ने कार्रवाई की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि 8 अगस्त को सूचना मिली थी कि पालकोट थाना क्षेत्र के बिलिंगबिरा रोड स्थित सुमित केसरी के ईंट भट्ठे के सामने पहाड़ पर छह-सात संदिग्ध किसी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए एसडीपीओ बसिया के नेतृत्व में एसआईटी गठित की गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्धों को घेरकर तलाशी ली और सातों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, पालकोट क्षेत्र में करीब 12 लाख रुपये के आभूषण लूट मामले में दो आरोपियों की भूमिका मिली है। वहीं, घाघरा थाना क्षेत्र के मामले में भी दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी ओडिशा के जाजपुर जिले के कोरई क्षेत्र से जुड़े अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य हैं। **शेष पेज 11 पर**

संदेश | परीक्षा सुधार के लिए सीएम ने युवाओं से की आगे आने की अपील

सरकार ने खोला पोर्टल, मांगा सुझाव

- छात्रों की समस्याओं और सुझावों पर विशेषज्ञ करेंगे विचार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में परीक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष, विश्वसनीय और समयबद्ध बनाने के लिए छात्रों की भागीदारी जरूरी है। सीएम हेमंत सोरेन ने 'छात्रों की बात-छात्रों के साथ' अभियान का जिक्र करते हुए झारखंड के प्रत्येक जिले, प्रखंड, कॉलेज, विश्वविद्यालय, कोचिंग संस्थान और छात्र-छात्राओं से परीक्षा प्रणाली से जुड़ी समस्याओं और सुधार के सुझाव साझा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि झारखंड के लाखों युवाओं के सपनों के साथ उनके परिवारों की उम्मीदें जुड़ी होती हैं। ऐसे में परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आयोग और रोजगार जैसे क्षेत्रों को अपेक्षित मजबूती नहीं मिल सकी। सरकार ने समस्याओं से मुंह मोड़ने के बजाय उन्हें स्वीकार किया और सुधार की दिशा में कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में दावा किया कि राज्य गठन के बाद पहली बार सरकार ने जेपीएससी और अन्य भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए नई नियमावली तैयार की है। प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सख्त कानूनी प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों को लेकर आलोचनाएं भी हुईं, लेकिन सरकार का मानना है कि ईमानदारी से परीक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। **शेष पेज 11 पर**

परीक्षा व्यवस्था में सुधार जरूरी : सीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि देश के कई राज्यों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को लेकर चुनौतियां सामने आ रही हैं। झारखंड का प्रयास केवल समस्याओं पर चर्चा करना नहीं, बल्कि उनके समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना है। उन्होंने रोजगार और नियुक्ति प्रक्रियाओं में सुधार पर जोर देते हुए कहा कि सरकार झारखंडी युवाओं के हितों की रक्षा और उनके लिए अवसरों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

घर के विवाद में मारपीट, अधेड़ की हत्या पत्नी और दो बेटों पर भी जानलेवा हमला

● परिजनों ने कई लोगों पर लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के पथरा गांव के पिपरडीह टोला में रविवार को घरेलू संपत्ति और घर के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। मारपीट में एक अधेड़ की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और दो बेटे घायल हो गए। मृतक की पहचान पथरा गांव निवासी अशोक पासवान, पिता स्व. रामदेव राम, के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक के 18 वर्षीय पुत्र आयुष कुमार ने हुसैनाबाद थाना में लिखित आवेदन देकर नामजद प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

थाना में दिए आवेदन के अनुसार, 9 अगस्त को अशोक पासवान अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान घर के बंटवारे को लेकर परिजनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आयुष कुमार ने आरोप लगाया है कि उसके चाचा संतोष पासवान, उनके पुत्र सुमित पासवान, सोनू पासवान और सौरभ पासवान तथा संतोष की पत्नी रीता देवी ने एकजुट होकर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। मारपीट में अशोक पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए। आवेदन के अनुसार, बीच-बचाव करने पहुंचे मृतक के पुत्र आयुष कुमार, दूसरे पुत्र ऋषभ कुमार और पत्नी निर्मला देवी के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। आयुष कुमार ने आरोप लगाया है कि उनके चाचा धनंजय पासवान ने मोबाइल फोन से संपर्क कर विवाद को भड़काया था। इसके अलावा गांव के विनोद पासवान, 45 वर्ष, पिता स्व. बिक्रमा राम और विजय पासवान, 50 वर्ष, पिता कोमल राम पर भी मिलीभगत कर साजिश के तहत हत्या कराने का आरोप लगाया गया है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलने के बाद हुसैनाबाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई। परिजनों ने थाना में आवेदन देकर नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को क जे में लेकर हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पांच साल बाद भी अधूरा पड़ा मध्य विद्यालय सरईडीह का भवन

नवीन मेल संवाददाता

नौडीहा। प्रखंड के मध्य विद्यालय सरईडीह में वर्ष 2018-19 में साक्षरता विभाग की ओर से करीब 48 लाख रुपये की लागत से दो मंजिला विद्यालय भवन का निर्माण शुरू कराया गया था। निर्माण कार्य शुरू होने के करीब पांच वर्ष बाद भी भवन अधूरा पड़ा है। इससे विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और विद्यालय से जुड़े लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य अधूरा रहने के कारण भवन का उपयोग नहीं हो पा रहा है। आरोप है कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण निर्माण कार्य लंबे समय से बंद है। बताया जाता है कि निर्माण मद में करीब 32 लाख रुपये की निकासी भी की जा चुकी है, इसके बावजूद भवन का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। विद्यालय के शिक्षकों की ओर से भवन निर्माण कार्य पूरा कराने को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को सूचना और शिकायत दी गई है। इसके बावजूद अब तक मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने की बात कही जा रही है। विद्यालय भवन का निर्माण अधूरा रहने से विद्यार्थियों को उपलब्ध संसाधनों में ही पढ़ाई करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से मामले की जांच कराने, निर्माण कार्य में हुई प्रगति और राशि की उपयोगिता की जांच करने तथा भवन का निर्माण जल्द पूरा कराने की मांग की है।

अचानक बिगड़ी तबीयत, रांची ले जाने के दौरान रास्ते में मौत

हुसैनाबाद। नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत पुरंदर बिगहा निवासी गोविंद सिंह यादव उर्फ सिद्धि यादव (59 वर्ष) का अचानक निधन हो गया। बताया गया कि उन्हें दस्त और उल्टी की शिकायत हुई थी। तबीयत बिगड़ने पर परिजन बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। सिद्धि यादव ने हार्वे हाई स्कूल से वर्ष 1983 में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। अचानक हुई मौत से परिजनों और शुभचिंतकों में शोक की लहर है। परिजनों ने मित्रों एवं शुभचिंतकों से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना करने की अपील की है। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की कामना की।

विकास कार्य को मिली रफ्तार, मुखिया ने रखी नाली निर्माण की आधारशिला

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर-पीतांबरपुर। प्रखंड अंतर्गत कुराईनपतरा पंचायत के सोंस गांव स्थित निमियां टोला में रविवार को विकास कार्य की नई शुरुआत हुई। पंचायत की मुखिया पूनम देवी ने संजय राम के घर से बैजंति कुंवर के घर तक नाली निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। निर्माण कार्य शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी देखी गई। इस अवसर पर मुखिया पूनम देवी ने कहा कि पंचायतों का विकास केंद्र और राज्य सरकार से उपलब्ध होने वाली विकास राशि से होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान पंचायती राज कार्यकाल में पंचायतों को केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाया है। विशेष रूप से राज्य वित्त आयोग मद से पंचायतों को राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण विकास कार्यों को गति देने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी के बावजूद पंचायत प्रतिनिधियों को जनता की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कराने पड़ रहे हैं। सरकार से उपलब्ध राशि से पंचायत के सभी गांवों में प्राथमिकता के आधार पर विकास योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पंचायत के विकास कार्यों में ग्रामीणों का पूरा सहयोग मिल रहा है और इसी सहयोग से पंचायत को विकास की दिशा में आगे ले जाने का प्रयास जारी है। मुखिया ने कहा कि नाली निर्माण से स्थानीय लोगों को जलजमाव और गंदे पानी की समस्या से राहत मिलेगी। पंचायत में जरूरत के अनुसार सड़क, नाली सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। शिलान्यास कार्यक्रम में वीरेंद्र कुमार, पंकज कुमार, देवराज साव, सुरेश कश्यप, धनंजय राम, नागेंद्र कुमार, सकेंद्र राम, संजय राम, प्रमोद राम, विशुन राम, विजय राम, सुधीर कुमार, संतोष कुमार, सुरेंद्र मेहता, चंदन, बैजंति कुंवर, पूनम देवी, शीला कुंवर, रूबी देवी, उषा देवी, सुनैना देवी, कौशल्या देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

स्टेडियम निर्माण का प्रस्ताव पांच साल बाद भी नहीं उतरा धरातल पर

शंभू चौरसिया

मोहम्मदगंज। सिंचाई विभाग के मैदान में प्रस्तावित स्टेडियम निर्माण का कार्य पांच साल बाद भी धरातल पर नहीं उतर सका है। बताया जाता है कि 5 मार्च 2022 को स्टेडियम निर्माण के संबंध में सरकार के संयुक्त सचिव, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग को प्रस्ताव भेजा गया था। इसमें स्टेडियम निर्माण के लिए भूमि का विवरण देते हुए खाता संख्या 520 और प्लॉट संख्या 1286 में कुल 2.63 एकड़ भूमि उपलब्ध होने की जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद अब तक स्टेडियम निर्माण की उम्मीद पूरी नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खेल गतिविधियों के लिहाज से इस मैदान की जिले में अलग पहचान है। यहां विशेष रूप से फुटबॉल के अंतरराज्यीय स्तर के टूर्नामेंट आयोजित होते रहे हैं। कई युवाओं ने इसी मैदान पर दौड़ और शारीरिक अभ्यास कर सेना एवं पुलिस की नौकरी हासिल की है। आज भी क्षेत्र के युवा यहां नियमित रूप से दौड़ और शारीरिक अभ्यास करते नजर आते हैं। पिछले एक दशक से इस मैदान पर सद्भावना कप फुटबॉल टूर्नामेंट भी आयोजित होता आ रहा है। मैदान के एक तरफ थाना और दूसरी तरफ प्रखंड कार्यालय स्थित होने के कारण सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिहाज से भी इसे सुरक्षित माना जाता है। स्थानीय लोगों ने मैदान पर स्टेडियम निर्माण के प्रस्ताव को जल्द धरातल पर उतारने की मांग की है, ताकि सुरक्षित वातावरण में क्षेत्र के छात्र और युवाओं को खेल प्रतिभा तथा शारीरिक क्षमता निखारने के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत, प्राथमिकी दर्ज

इलाज के दौरान वाराणसी में बिगड़ी तबीयत

● हुसैनाबाद लाने पर चिकित्सक ने किया मृत घोषित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बरवाडीह गांव के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में दंगवार निवासी मृतक के भाई जितेंद्र कुमार सोनी ने हुसैनाबाद थाना में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि उनके बड़े भाई महावीर सोनी (करीब 37 वर्ष) 28 जुलाई 2026 की शाम करीब 7.30 बजे जपला से मोटरसाइकिल से अपने गांव दंगवार लौट रहे थे। बरवाडीह पहुंचने के बाद मोटरसाइकिल में तेल खत्म हो गया। इसके बाद उन्होंने बाइक खड़ी कर तेल लेने के लिए पैदल दंगवार की ओर जाना शुरू किया। इसी दौरान पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महावीर सोनी सड़क किनारे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीर के माध्यम से घटना की सूचना परिजनों को मिली। परिजन तत्काल उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया। इसके बाद महावीर का इलाज वाराणसी स्थित एक निजी अस्पताल में कराया जा रहा था। प्राथमिकी के अनुसार, 2 अगस्त को उनकी स्थिति बिगड़ने पर अस्पताल ने उन्हें रेफर कर दिया। आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण परिजन उन्हें वापस हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर अज्ञात वाहन एवं उसके चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। 8 अगस्त 2026 को अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पांच साल बाद भी अधूरा पड़ा विद्यालय भवन

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड। पलामू जिले के ऊंटारी रोड प्रखंड अंतर्गत जोगा पंचायत में प्रस्तावित खनन एवं क्रेशर मशीन लगाए जाने के विरोध में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में पंचायत के विभिन्न गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने एकजुट होकर क्षेत्र में खनन और क्रेशर मशीन के संचालन से होने वाले संभावित नुकसान पर चिंता जताई। ग्रामीणों का कहना है कि खनन और क्रेशर मशीन के संचालन से खेती-किसानी, पर्यावरण, जलस्रोत, सड़क और आम लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। धूल और प्रदूषण से आसपास रहने वाले लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी होने की आशंका है। साथ ही भारी वाहनों के आवागमन से ग्रामीण सड़कों के क्षतिग्रस्त होने और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ सकता है। बैठक में ग्रामीणों ने कहा कि विकास के नाम पर ऐसा कोई कार्य स्वीकार नहीं किया जाएगा, जिससे आम जनता, किसानों और आने वाली पीढ़ियों को नुकसान पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा सभी आवश्यक वैधानिक अनुमतियों और पर्यावरणीय मानकों की जांच के बाद ही किसी गतिविधि को संचालित करने की मांग की। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पंचायत के ग्रामीण शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाते रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर जनहित में उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी। बैठक में रामकृष्ण पाल, अरविंद कुमार रवि, विक्रम चौधरी, बबलू चौधरी, सुनील कुमार, आनंद कुमार, विवेक पाल, मुकेश चौधरी, राकेश पाल, सुशील पाल, शंभू पाल, राजेश पाल, दुर्गेश कुमार रवि, सुरेश राम, बैजनाथ राम, हरिकृष्ण साव, अनिल चौधरी, राजा चौधरी, राजू पाल, लल्लू चौधरी, बिनोद पाल, सोमनाथ पाल, मानदेव साव, नंदू चौधरी, सतीश कुमार पाल, सुधीर चौधरी, शैलेश कुमार, रौशन पाल, रणवीर पाल, रंजीत पाल, परवीन पाल और मनोज चौधरी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

बालिका आवासीय विद्यालय की सड़क बनी दलदल, पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

● बरसात में छात्राओं और अभिभावकों की बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

तरहसी/पलामू। पलामू जिले के तरहसी प्रखंड अंतर्गत उदयपुरा गांव स्थित झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय तक पहुंचने वाली सड़क की बदहाल स्थिति से छात्राओं, अभिभावकों और ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। बारिश के बाद सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो गई है। स्थिति यह है कि दोपहिया और चारपहिया वाहन लेकर गुजरना तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। बताया गया कि यह सड़क तरहसी-किशनपुर मुख्य मार्ग से उदयपुर गांव होते हुए बालिका आवासीय विद्यालय तक जाती है। बरसात के दिनों में सड़क पर जलजमाव और कीचड़ के कारण आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश शुरू होते ही सड़क की स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि यह रास्ता सड़क कम और नाली अधिक नजर आता है। कई बार लोग कीचड़ में फिसलकर गिर भी चुके हैं। सबसे अधिक परेशानी विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं, उनके अभिभावकों और विद्यालय कर्मियों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि रोजमर्रा के आवागमन के लिए इसी सड़क का इस्तेमाल करना पड़ता है, लेकिन इसकी बदहाल स्थिति वर्षों से चिंता का विषय बनी हुई है। मौके पर मौजूद सांसद प्रतिनिधि अनिल सिंह ने सड़क की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि ग्रामीणों और आवासीय विद्यालय की छात्राओं को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। उन्होंने पलामू उपायुक्त से मामले का संज्ञान लेते हुए सड़क की तत्काल मरम्मत अथवा निर्माण कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो इस समस्या को लेकर सांसद और विधायक से भी मुलाकात कर सड़क का स्थायी समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। अनिल सिंह ने कहा कि विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग पहुंचते हैं, लेकिन विद्यालय तक पहुंचने वाली सड़क की ऐसी स्थिति गंभीर सवाल खड़ा करती है। वहीं ग्रामीणों ने कहा कि बरसात के मौसम में छात्राओं और अभिभावकों को इसी कीचड़ भरे रास्ते से होकर विद्यालय पहुंचना पड़ता है। सड़क की स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से बरसात को देखते हुए तत्काल सड़क को आवागमन योग्य बनाने तथा भविष्य में जलजमाव और कीचड़ की समस्या से स्थायी निजात दिलाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

मेले के आयोजन से इलाके में आती है समृद्धि : अरविंद गुप्ता

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। नगर पंचायत छतरपुर के फुलवारी मैदान में डिज्नीलैंड मेले का शनिवार को भव्य शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने फीता काटकर किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने कहा कि मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि सामाजिक मेल-जोल बढ़ाने, सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने का भी जरिया है। मेले में आने से लोगों में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार होता है। मनोरंजन मानसिक तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि छतरपुर में इस तरह के आयोजन से शहर में चहल-पहल बढ़ती है और स्थानीय व्यापार एवं रोजगार को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने लोगों से परिवार के साथ मेले का आनंद लेने तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाने में नगर पंचायत का सहयोग करने की अपील की। उद्घाटन समारोह में मनोज कुमार गुप्ता, अशोक कुमार सोनी, सुधीर सिन्हा, जितेंद्र कुमार गुप्ता, वार्ड पार्षद दीपक कुमार, पार्षद प्रतिनिधि रामसेवक यादव, मनोज कुमार, शिवकुमार, प्रवेश साव, सूर्यमुखी यादव, अजय राम, सुहैल हक, रामचंद्र राम, अनूप चौधरी, हेमंत राम, अजय प्रजापति, रविंद्र पासवान सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

आदिवासी समाज की संस्कृति और अधिकारों की रक्षा पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के छात्रावास मैदान में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, अधिकार तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी ने कहा कि आदिवासी समाज जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के लिए हमेशा संकल्पित रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा की ओर से 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। उन्होंने समाज की संस्कृति और परंपराओं को अक्षुण्ण रखने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि माता रमाबाई अस्पताल, मेदिनीनगर के डॉ. कुमार वीरेंद्र ने कहा कि अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षा के माध्यम से ही सामाजिक और आर्थिक बदलाव संभव है। प्रखंड प्रमुख रीमा देवी ने कहा कि आदिवासी समाज की अलग पहचान और समृद्ध परंपरा रही है। इसे आने वाली पीढ़ी के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है। सुनील उरांव ने कहा कि आदिवासियों की समृद्ध परंपरा, संस्कृति और धरोहर को समाप्त करने के प्रयासों पर समाज को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। इस अवसर पर माता रमाबाई अस्पताल की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। डॉ. कुमार वीरेंद्र ने मरीजों की जांच की और उन्हें निःशुल्क दवाएं भी दीं। मौके पर मुखिया रिंकी यादव, निरोत्तमा कुमारी, संतोष उरांव, पुष्पा देवी, शंभू उरांव, जिला पाहन बिंदेश्वर उरांव, पांकी विधायक प्रतिनिधि अजय उरांव, सामाजिक कार्यकर्ता आशीष कुमार सिन्हा, आदि कुड़ुख सरना समाज के प्रखंड अध्यक्ष विष्णु देव उरांव, सुनीता उरांव, पंचायत समिति सदस्य प्रेमचंद उरांव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

चार साल से ओवरब्रिज की मांग, सांसद-विधायक के संज्ञान में मामला फिर भी नहीं निकला समाधान

रेल फाटक पर जाम बना मुसीबत, 30 मिनट धूप में बेहाल रहे लोग

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू जिले के बीडी रेलखंड अंतर्गत हैदरनगर स्थित रेलवे फाटक संख्या 50 बी/टी रविवार को एक बार फिर लोगों के लिए परेशानी का कारण बना। लगातार दो मालगाड़ियों, एक अप मेमू और वंदे भारत एक्सप्रेस के गुजरने के कारण फाटक करीब 30 मिनट तक बंद रहा। इस दौरान सैकड़ों राहगीर, स्कूली बच्चे, गर्भवती महिलाएं और मरीज तपती धूप में फंसे रहे। फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। एक एंबुलेंस भी करीब 20 मिनट तक जाम में फंसी रही। करीब आधे घंटे बाद फाटक खुलने पर लोगों ने राहत की सांस ली। समाजसेवी प्रेमतोष सिंह, नावाजिश खान और पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि प्रखंड की 12 पंचायतों के लोगों का आवागमन इस रेल फाटक से होता है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में वरीय अधिकारियों को करीब 10 बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम और क्षेत्रीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव को भी इस समस्या की जानकारी है। इसके बावजूद अब तक ठोस पहल नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मालगाड़ियों की संख्या बढ़ने से यह फाटक अब दिन-रात में 50 से अधिक बार बंद हो रहा है। ओवरब्रिज या अंडरपास बनाने की मांग पिछले चार वर्षों से लंबित है। कई बार आंदोलन और ज्ञापन दिए जाने के बावजूद रेल प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से ठोस पहल नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि एक महीने के भीतर ओवरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई तो हैदरनगर की जनता रेल चक्का जाम करने को बाध्य होगी। लोगों का स्पष्ट कहना है कि विकास के नाम पर केवल आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर काम चाहिए।

अस्पताल जाने में हुई परेशानी

फाटक पर फंसी सुनीता देवी ने बताया कि रेल फाटक के दूसरी ओर अस्पताल है। उनकी बेटी की तबीयत खराब थी, लेकिन फाटक बंद होने के कारण समय पर अस्पताल पहुंचना मुश्किल हो गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सक ने कहा कि यदि 10 मिनट और देर हो जाती तो स्थिति गंभीर हो सकती थी।

रोज स्कूल पहुंचने में होती है देर

स्थानीय छात्र मो. इरफान, जानी और कनिष्क ने कहा कि फाटक के असमय बंद रहने के कारण उन्हें रोज स्कूल पहुंचने में देर होती है और शिक्षकों की डांट सुननी पड़ती है। छात्रों ने कहा कि पिछले चार वर्षों से ओवरब्रिज बनने की बात सुन रहे हैं, लेकिन अब तक धरातल पर कोई काम नहीं हुआ। गर्मी में फाटक पर खड़े रहना किसी सजा से कम नहीं है।

रेल फाटक संख्या : 50 बी/टी, हैदरनगर

- जाम की अवधि : करीब 30 मिनट
- फाटक बंद होने का कारण : दो मालगाड़ी, एक अप मेमू और एक वंदे भारत एक्सप्रेस का गुजरना
- प्रभावित क्षेत्र : 12 पंचायतें
- प्रभावित आबादी : करीब एक लाख
- ओवरब्रिज की मांग : चार वर्षों से लंबित

आमरण अनशन पर बैठे छात्र राहुल क्रांति से मिलीं भाजपा नेत्री स्मिता आनंद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री स्मिता आनंद ने रविवार को रांची सदर अस्पताल पहुंचकर आमरण अनशन पर बैठे पलामू के छात्र राहुल क्रांति से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। राहुल क्रांति जेएसएससी एवं जेपीएससी से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर आमरण अनशन पर हैं।

स्मिता आनंद ने सदर अस्पताल के चिकित्सकों से राहुल क्रांति के स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली। चिकित्सकों के अनुसार, तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लंबे समय से आमरण अनशन पर रहने के कारण उनकी स्वास्थ्य स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

मुलाकात के दौरान स्मिता आनंद ने राहुल क्रांति की मांगों के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना छात्रों के हित में आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्रों की ओर से उठाई जा रही शिकायतों और मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने चिकित्सकों से राहुल क्रांति को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। साथ ही उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

स्मिता आनंद ने कहा कि युवाओं और छात्रों की ओर से लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से उठाई जा रही आवाज को सरकार को संवेदनशीलता के साथ सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और विश्वास बनाए रखना जरूरी है।

विश्व आदिवासी दिवस पर टाउन हॉल में दिखी आदिवासी संस्कृति की रंगारंग झलक

- उपायुक्त बोले- प्रकृति से सामंजस्य और सामुदायिक जीवन की परंपरा से समाज बहुत कुछ सीख सकता है, खेल, शिक्षा और कला में उत्कृष्ट नौ आदिवासी बच्चे सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पलामू जिला प्रशासन की ओर से रविवार को मेदिनीनगर स्थित टाउन हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति, परंपरा, कला और जीवनशैली की रंगारंग झलक देखने को मिली। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों और कलाकारों ने गीत, नृत्य, नाटक और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत को जीवंत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत समेत अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का भ्रमण किया। स्टॉलों पर आदिवासी कला-संस्कृति, पारंपरिक उत्पादों, जनजातीय जीवनशैली और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सामग्री प्रदर्शित की गई थी।

उपायुक्त ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली हमारी समृद्ध विरासत का अभिन्न हिस्सा है। प्रकृति के साथ सामंजस्य, जल-जंगल-जमीन के प्रति संवेदनशीलता, सामुदायिक सहयोग और अपनी परंपराओं के संरक्षण की भावना आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान है। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति और जीवनशैली से समाज बहुत कुछ सीख सकता है।

उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संघर्ष, कला-संस्कृति और देश के विकास में उनके योगदान को जानने और समझने का अवसर देता है। नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना सभी की जिम्मेदारी है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों और युवाओं को अपनी संस्कृति, इतिहास और परंपराओं को करीब से समझने का अवसर देते हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने धरती के मूल निवासी, देश की शान आदिवासी गीत प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। वहीं नीलांबर-पीतांबर के जीवन और संघर्ष पर आधारित नाटक के माध्यम से झारखंड के वीर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा आदिवासी लोकनृत्य, नागपुरी नृत्य और अन्य पारंपरिक प्रस्तुतियों ने भी दर्शकों का मन मोह लिया। आदिवासी संस्कृति और परंपराओं से संबंधित ऑडियो-वीडियो प्रस्तुतियों का प्रदर्शन भी किया गया।

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, वन प्रमंडल पदाधिकारी सत्यम कुमार, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मी, शिक्षक, विद्यार्थी, कलाकार और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

खेल, शिक्षा और कला में उत्कृष्ट नौ बच्चे सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान खेल, शिक्षा, कला और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नौ आदिवासी बच्चों को सम्मानित किया गया। उपायुक्त ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां दूसरे बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने बच्चों से निरंतर मेहनत और लगन के साथ अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम में मनातू के एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने आधुनिक दौर में आदिवासी बच्चों के जीवन में आए बदलावों पर आधारित प्रस्तुति दी। इसमें परंपरागत जीवनशैली और बदलते समय के प्रभाव को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया।

कांग्रेस ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया विश्व आदिवासी दिवस

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से रविवार को शाहपुर स्थित बिरसा नगर में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष बिमला कुमारी ने किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आदिवासी समाज के अधिकारों, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बिमला कुमारी ने कहा कि प्रकृति के सच्चे सेवक आदिवासी समाज की समृद्ध विरासत, अदम्य साहस, गौरवशाली संस्कृति और प्रकृति के साथ उसका अटूट रिश्ता सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। आदिवासी समाज ने सदियों से जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और समावेशी विकास के माध्यम से उन्हें सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

बिमला कुमारी ने कहा कि आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास और उनके संघर्षों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है। इसके लिए समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना चाहिए। मौके पर रामदेव यादव, विनोद तिवारी, सत्यानंद दुबे, नसीम खान, सतेंद्र सिंह, रिजवान खान, गोपाल शर्मा, जितेंद्र कमलापुरी, मोहम्मद गुलाम नबी, रविंद्र कुमार, अनिल सिंह, शंभू चौरसिया, शिवम कुमार, सज्जाद अली सहित कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर जिला प्रशासन ने निकाली प्रभात फेरी

- बिरसा मुंडा, नीलांबर-पीतांबर, राजा मेदिनी राय और शिबू सोरेन की वेशभूषा में विद्यार्थियों ने खींचा लोगों का ध्यान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पलामू जिला प्रशासन की ओर से रविवार को शहर में प्रभात फेरी निकाली गई। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया। इसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और संघर्ष की झलक प्रस्तुत की। उपायुक्त ने कहा कि प्रभात फेरी के माध्यम से आमजनों तक विश्व आदिवासी दिवस के महत्व और आदिवासी समाज की समृद्ध कला, संस्कृति, परंपरा एवं गौरवशाली इतिहास का संदेश पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि झारखंड के विभिन्न हिस्सों में विश्व आदिवासी दिवस उत्साह के साथ मनाया जा रहा है और पलामू भी इसमें सक्रिय सहभागिता निभा रहा है। उपायुक्त ने प्रभात फेरी में शामिल विद्यार्थियों की झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अवलोकन कर उनकी सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह और रचनात्मकता की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान देने वालों को शुभकामनाएं दीं।

महापुरुषों की वेशभूषा में नजर आए विद्यार्थी

प्रभात फेरी में संत मरियम स्कूल और ग्रीन वैली स्कूल के विद्यार्थियों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ग्रीन वैली स्कूल के विद्यार्थियों ने झारखंड के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सपूतों की वेशभूषा धारण कर उनके योगदान को प्रदर्शित किया। संत मरियम स्कूल के विद्यार्थियों ने राजा मेदिनी राय, बिरसा मुंडा, नीलांबर-पीतांबर और शिबू सोरेन की भूमिकाएं निभाईं। विशेष रूप से बिरसा मुंडा और शिबू सोरेन की वेशभूषा में विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने लोगों का ध्यान खींचा। विद्यार्थियों ने अभिनय के माध्यम से झारखंड के इतिहास और आदिवासी समाज के संघर्ष एवं योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रभात फेरी रवाना होने से पूर्व नृत्य निर्देशक सुजीत कुमार के निर्देशन में संत मरियम स्कूल की छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संत मरियम स्कूल के कला निर्देशक कामरूप सिन्हा, राज प्रतीक पाल तथा ग्रीन वैली स्कूल के कला शिक्षक संजीत प्रजापति का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप कुमार, डीसीएलआर प्यारे लाल, एपीआरओ अजित कुमार, शिक्षाविद अविनाश देव, पंडित प्रदीप नारायण, यातायात प्रभारी रुद्रानंद सरस, कार्यक्रम संयोजक सैकत चट्टोपाध्याय सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

एसआईआर जागरूकता अभियान के लिए पांकी सीओ मारवाड़ी साहू तिरंगा सम्मान से सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतदाताओं के बीच जागरूकता फैलाने के लिए अनूठे तरीके से अभियान चलाने वाले पांकी अंचल अधिकारी मारवाड़ी साहू को तिरंगा सम्मान से नवाजा गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर तिरंगा सम्मान समारोह के आयोजक सह सामाजिक सेवा से जुड़े शौकत खान ने पांकी पहुंचकर सीओ को अंगवस्त्र एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भेंट कर सम्मानित किया। शौकत खान ने कहा कि सीओ मारवाड़ी साहू ने नागपुरी गीतों के माध्यम से एसआईआर के महत्व को आम मतदाताओं तक पहुंचाने का अनूठा प्रयास किया है। उनके गीतों के जरिए लोगों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया, उसके महत्व और मतदाताओं की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाषा की सहजता और गीत-संगीत के माध्यम से चलाए जा रहे इस अभियान से बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं।

सम्मान प्राप्त करने के बाद सीओ मारवाड़ी साहू ने कहा कि पलामू और गढ़वा क्षेत्र में नागपुरी भाषा व्यापक रूप से प्रचलित नहीं होने के बावजूद लोगों ने उनके गीतों को पसंद किया और उन्हें भरपूर स्नेह एवं आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा सम्मान उनके लिए गौरव का विषय है। शौकत खान से मिलने और राष्ट्रीय ध्वज के माध्यम से सम्मानित होने पर वे अभिभूत हैं।

शौकत खान लंबे समय से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राष्ट्रीय ध्वज के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ सामाजिक सेवा गतिविधियों में भी सक्रिय हैं। उनके अनुसार, अब तक बड़ी संख्या में लोगों को तिरंगा भेंट किया जा चुका है। इसके अलावा गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए कपड़ा बैंक, चावल बैंक, सत्तू बैंक और पुस्तक बैंक जैसी पहल संचालित की जा रही है। मौके पर कपड़ा बैंक के संचालक साजिद खान सहित प्रखंड कार्यालय के कई कर्मी मौजूद थे।

गांव की बदहाली देख बोले लक्ष्मी नारायण तिवारी- सड़क सिंचाई और सुरक्षा के सवाल पर कब जागेगा प्रशासन

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। कांग्रेस के चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत कांग्रेस नेता लक्ष्मी नारायण तिवारी ने शनिवार को चैनपुर प्रखंड के कंकारी, बसरिया, रंगैनिया पिडहे, चांदो एवं सोकरा गांव का भ्रमण किया। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, सिंचाई और पहाड़ ब्लास्टिंग से उत्पन्न सुरक्षा संबंधी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। कंकारी पंचायत भवन से कमरुद्दीन अंसारी के घर तक करीब एक हजार फीट लंबी सड़क में महज डेढ़ सौ फीट हिस्से में पीसीसी सड़क का निर्माण कर वर्षों पहले काम छोड़ दिए जाने की शिकायत ग्रामीणों ने की। शेष रास्ता कीचड़ से भरा है और सड़क काफी संकरी है। ग्रामीणों ने कहा कि आजादी के बाद से अब तक गांव के लोगों को आवागमन की समस्या से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद लक्ष्मी नारायण तिवारी ने कहा कि सड़क की स्थिति से उपायुक्त को अवगत कराकर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा। मीणों ने बताया कि सैकड़ों एकड़ खेतों में पानी के अभाव में बिचड़े सूखने लगे हैं। आहर भी सूख चुका है। किसान बारिश की आस में खेतों की ओर देख रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि झारखंड गठन के 26 वर्ष बीत जाने के बावजूद किसानों के खेतों तक नियमित सिंचाई की व्यवस्था नहीं पहुंच सकी है। इससे खेती पर निर्भर परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

आदिवासी समाज के संजय सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनके घरों और देवस्थल के समीप पहाड़ को ब्लास्ट कर खनन का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि ब्लास्टिंग से उन्हें जान-माल की सुरक्षा को लेकर भय बना हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि तत्काल पहाड़ काटने और ब्लास्टिंग का कार्य बंद नहीं कराया गया तो वे सपरिवार अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने को मजबूर होंगे। लक्ष्मी नारायण तिवारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मामले को उपायुक्त के संज्ञान में लाकर उचित समाधान का प्रयास किया जाएगा। गांव भ्रमण के दौरान पूर्व कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अमरेश कुमार पांडेय सहित संजय सिंह, छोटू शर्मा, मानदेव सिंह, जय सिंह, महेंद्र प्रसाद, नवल किशोर प्रसाद, उमेश प्रसाद, दिलीप सिंह, राजेंद्र सिंह, खुर्शीद अहमद, आलम अंसारी, श्याम सुंदर शर्मा, आवास अंसारी, गोल्डेन खान, महबूब अंसारी, भूपेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह, मुन्ना सिंह, कामदेव सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत, गांव में पसरा मातम

छतरपुर। प्रखंड क्षेत्र के बगैया पंचायत अंतर्गत चोड़ाड़ गांव में रविवार को तालाब से दो सगे भाइयों के शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान उमाशंकर राम के पुत्र आयुष (14) और पीयूष (12) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों बच्चे बगैया पंचायत भवन के पूरब स्थित तालाब (अहरा) में डूब गए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। ग्रामीणों ने शवों को तालाब से बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को क जे में लेकर मामले की छानबीन शुरू कर दी। प्रारंभिक तौर पर दोनों बच्चों की मौत तालाब में डूबने से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस की जांच के बाद ही हो सकेगी। दोनों सगे भाइयों की एक साथ मौत की खबर से चोड़ाड़ गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पलामू टाइगर रिजर्व में विश्व आदिवासी दिवस पर जन-वन भागीदारी पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू टाइगर रिजर्व में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मनिका विधायक रामचंद्र सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत झारखंड की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और विरासत को दर्शाने वाले पारंपरिक लोकनृत्य से हुई। इसके बाद पलामू टाइगर रिजर्व के उप निदेशक प्रजेश जेना ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जन-वन भागीदारी की अवधारणा के तहत जनजातीय विकास, आजीविका संवर्धन और प्रकृति संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में हुनर से रोजगार उन्नत कौशल विकास कार्यक्रम की उपलब्धियों को प्रमुखता से बताया गया। इस पहल के तहत अब तक 600 से अधिक जनजातीय युवाओं को प्रकृति मार्गदर्शक, कंप्यूटर, वाहन चलाने, बिजली मिस्त्री, सिलाई समेत विभिन्न रोजगारपरक कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में ही कौशल एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर आत्मनिर्भर बनाना तथा रोजगार के लिए होने वाले पलायन को कम करना है। मिशन अविरल धारा के तहत वैज्ञानिक रिज-टू-वैली पद्धति के माध्यम से स्थानीय नदियों और जलधाराओं के पुनर्जीवन का कार्य किया जा रहा है। इस पहल से जल संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के साथ स्थानीय स्तर पर हरित रोजगार के अवसर सृजित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं महुआ मित्र पहल के माध्यम से खाद्य-ग्रेड महुआ का संग्रहण कर बेहतर मूल्य दिलाने और स्थानीय समुदायों एवं किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। ऑपरेशन ब्लैक गोल्ड के तहत वन क्षेत्र से प्राप्त पत्ती-कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले जैविक खाद में परिवर्तित किया जा रहा है। इससे वन प्रबंधन की चुनौती को आजीविका और आर्थिक अवसर में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय एवं वन आधारित उत्पादों को आजीविका से जोड़ने के लिए हेनार हनी, कोयल कोल्ड प्रेस्ड सरसों तेल, जूही धूप और वनम हस्तनिर्मित हर्बल साबुन जैसे उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मामूली कहासुनी में दुकानदार की पिटाई, वीडियो वायरल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बाजार क्षेत्र में मामूली बात को लेकर हुई कहासुनी के बाद एक दुकान के मालिक की चप्पलों से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जाता है कि किसी बात को लेकर दुकान पर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। इसके बाद एक महिला ने दुकान के मालिक के साथ मारपीट की और चप्पलों से उसकी पिटाई कर दी।

घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि, मारपीट के वास्तविक कारण और इसमें शामिल लोगों के संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। घटना से संबंधित वीडियो भी सामने आया है। मामले में पुलिस शिकायत या कार्रवाई हुई है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

बैरिया चौक की बदहाली पर फूटा युवाओं का गुस्सा, सड़क के गड्ढों में रोपा धान

- आशीष भारद्वाज बोले- सड़क नहीं सुधरी तो कल इसी जगह धरना देकर बैठेंगे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के महत्वपूर्ण बैरिया चौक के समीप बाइपास सड़क की बदहाल स्थिति से नाराज युवाओं ने रविवार को अनोखे और तीखे अंदाज में विरोध जताया। बारिश के पानी से लबालब सड़क के बड़े-बड़े गड्ढों में युवाओं ने धान की रोपाई कर नगर निगम और प्रशासन को सड़क की बदहाली का आईना दिखाया। युवाओं ने कहा कि जिस सड़क पर वाहनों का आवागमन होना चाहिए, वह बारिश में धान के खेत में तब्दील हो गई है। युवा समाजसेवी आशीष भारद्वाज के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने सड़क के गड्ढों में उतरकर धान रोपा। आशीष भारद्वाज ने कहा कि बैरिया चौक नगर निगम क्षेत्र का प्रमुख मार्ग है। यह सड़क बिहार, उत्तर प्रदेश सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को शहर से जोड़ती है। इसके बावजूद सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। गड्ढों में पानी भरने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। इससे आए दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है और कई लोग दुर्घटनाओं का शिकार होकर अस्पताल तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि सड़क की बदहाल स्थिति की जानकारी पहले भी नगर निगम को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। भारी वाहनों के लगातार आवागमन से सड़क के गड्ढे और गहरे होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि मुख्य चौराहे की ही ऐसी स्थिति है तो शहर के अंदर की अन्य सड़कों का अंदाजा लगाया जा सकता है। आशीष भारद्वाज ने कहा कि नगर निगम का काम सिर्फ होल्डिंग टैक्स वसूलना नहीं है। आम लोगों को बेहतर सड़क, जल निकासी और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना भी उसकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं ने आज सांकेतिक रूप से सड़क पर धान रोपकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया है। यदि सड़क की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो कल इसी स्थान पर धरना देकर बैठेंगे। युवाओं ने बैरिया चौक समेत नगर निगम क्षेत्र की सभी जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने और जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की। युवाओं ने बताया कि समस्या को लेकर नगर आयुक्त और उपायुक्त को लिखित आवेदन भी सौंपा जाएगा। विरोध प्रदर्शन में विकास दुबे, दीपक प्रसाद, अंकित आरंभ, आकाश विश्वकर्मा, दिलीप गिरी, मनीष तिवारी, सुजीत कुमार, सूरज सिंह, रिशु दुबे, बोनल सहित कई युवा मौजूद थे।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारू पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णतः गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक

hr.rnmail@gmail.com

विश्व आदिवासी दिवस पर विधायक ने दिया मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन

- आदिवासियों की जमीन, जंगल और जल पर उनके अधिकारों की रक्षा करना जरूरी

नवीन मेल संवाददाता

रमना। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को प्रखंड क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान गायन, वादन और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक अनंत प्रताप देव ने

फीता काटकर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अनंत प्रताप देव ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा, उनकी संस्कृति, भाषा और पहचान को बनाए रखने के उद्देश्य से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1994 में इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। विधायक ने कहा कि आदिवासियों की जमीन, जंगल और जल पर उनके अधिकारों की रक्षा करना जरूरी है। साथ ही जनजातीय संस्कृति, बोलियों और परंपराओं को संरक्षित रखना भी समाज की जिम्मेदारी है। मौके पर नागिन सिंह, जितन ठाकुर, प्रताप सिंह, विधायक प्रतिनिधि रोहित वर्मा, राकेश सिंह और मुक्तेश्वर पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद थे।

लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास : विधायक

विधायक ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपरा को संरक्षित रखते हुए युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

धुरकी पुलिस की कार्रवाई, फरार आरोपी के घर चिपकाया इश्तेहार

नवीन मेल संवाददाता

धुरकी। पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छत्तीसगढ़ पहुंचकर उसके घर पर न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तहार चस्पा किया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि आरोपी निर्धारित प्रक्रिया के तहत थाना या न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो उसके घर और संपत्ति की कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। धुरकी पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई थाना कांड संख्या 55/25, दिनांक 9 मई 2026, धारा 137(2)/96 बीएनएस के तहत दर्ज मामले के आरोपी के विरुद्ध की गई है। आरोपी की पहचान श्रवण साव उर्फ दिनेश, पिता लक्ष्मी शाह, निवासी वार्ड नंबर 11, कदरी, थाना चांदो, जिला बलरामपुर, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई है। धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन राऊत ने बताया कि आरोपी

करीब एक वर्ष से फरार चल रहा है। आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से इश्तहार निर्गत होने के बाद एएसआई शेखर कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल छत्तीसगढ़ पहुंचा और आरोपी के घर पर न्यायालय के आदेश की प्रति चस्पा की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि इश्तहार चस्पा किए जाने के बावजूद यदि आरोपी थाना या न्यायालय में आत्मसमर्पण नहीं करता है तो अगली कार्रवाई के तहत आरोपी के घर और संपत्ति की कुर्की की जाएगी। उन्होंने कहा कि फरार आरोपियों के खिलाफ धुरकी पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मुखिया मूंगा साह ने दिवंगत भीम साह के परिजनों को दी आर्थिक मदद

केतार। प्रखंड के मुकुंदपुर गांव निवासी स्व. राम जनम साह के 30 वर्षीय पुत्र भीम साह के आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना की जानकारी मिलने के बाद मुखिया मूंगा साह शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। मुखिया ने दिवंगत के परिजनों को दाह संस्कार सहित आवश्यक कार्यों के लिए अपनी ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा भी दिया। मुखिया की इस मानवीय पहल की ग्रामीणों ने सराहना की। बिल में वेंडर मौजूद, जमीन पर दुकान का पता नहीं!

दृष्टिपात

विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी अधिकारों को लेकर विचार गोष्ठी

श्री बंशीधर नगर। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के तत्वावधान में रविवार को जंगीपुर गांव स्थित अखरा में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी का शुभारंभ अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड केडी सिंह ने कार्यक्रम की

अध्यक्षता कर रहे कामरेड सुनील कुमार एवं कामरेड मानमती देवी के चरण धोकर तथा मिठाई खिलाकर किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कामरेड केडी सिंह ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य और अपने हक-अधिकार के लिए संघर्ष करना जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने और बदलाव के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने सिद्धो-कान्हू, फूलो-झानो, नीलांबर-पीतांबर और भगवान बिरसा मुंडा के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा बच्चों की शिक्षा के लिए संघर्ष तेज करना होगा। उन्होंने लोगों से आगामी एक सितंबर को दिल्ली चलने की अपील की। भाकपा के पलामू जिला परिषद सदस्य प्रभु साव ने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने तथा अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। भाकपा के जिला सचिव रामेश्वर प्रसाद अकेला ने आदिवासी समुदाय के लोगों से एकजुट होकर जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा अपने हक-अधिकार के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया। कार्यक्रम को भाकपा राज्य परिषद के सदस्य विनोद ठाकुर, अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के सदस्य सुनील कुमार, रामनाथ उरांव सहित अन्य ने संबोधित किया। मौके पर जिला कमेटी सदस्य राजकुमार राम, विद्या पासवान, मुन्ना राम, बसु उरांव, सुनील उरांव, मूर्ति कुंवर, राम विजय सिंह, राजकुमार भुइयां, खलील खान, अवधेश उरांव, राजेंद्र उरांव, अरुण उरांव, रविंद्र उरांव, नगीना उरांव, रूपदेव उरांव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

गोठानी मिशन स्कूल में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस

बड़गड़। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा बड़गड़ के तत्वावधान में रविवार को गोठानी मिशन स्कूल परिसर में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। विभिन्न गांवों से पहुंची सांस्कृतिक टोलियों ने

पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुमन तिर्की ने कहा कि आदिवासी इस देश के मूल निवासी हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज का जल, जंगल, जमीन और प्राकृतिक संसाधनों से गहरा संबंध रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज आदिवासी समाज को उसके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए संगठित होकर संघर्ष करने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के अध्यक्ष पृथ्वी टोप्पो के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद विभिन्न गांवों की सांस्कृतिक टोलियों ने पारंपरिक आदिवासी लोक नृत्य प्रस्तुत किए। इस मौके पर बड़गड़ प्रखंड के 15 गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। कार्यक्रम में अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के केंद्रीय सचिव फिलिप कुजूर, सदस्य ज्योति लकड़ा, सुनील मिंज, लजरूस मिंज, द्रौपदी मिंज, अजय मिंज, ताग्रेन केरकेट्टा, संदीप मिंज, मिलियनस केरकेट्टा, विजय तिर्की और अगस्टिन कुजूर सहित अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन बुधलाल केरकेट्टा और संजय कुजूर ने संयुक्त रूप से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन ग्राम कला खजूरी के ग्राम प्रधान विश्राम बाखला ने किया।

आदिवासी समाज को शिक्षित होने की जरूरत : रघुराई राम

मेराल। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को प्रखंड क्षेत्र के संगवरिया गांव में अमर शहीद नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद सामाजिक परिवर्तन केंद्र

के तत्वावधान में मध्य विद्यालय बनुआ में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति कर्मचारी संघ, गढ़वा के अध्यक्ष रघुराई राम ने कहा कि आदिवासी समाज शिक्षा के माध्यम से ही जागरूक और सशक्त बन सकता है। उन्होंने कहा कि समाज से अशिक्षा, अंधविश्वास और नशाखोरी को दूर कर जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। शिक्षा के माध्यम से ही समाज अपने अधिकारों को समझकर विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेश्वर सिंह ने की। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह, धर्मदेव सिंह, राजेंद्र सिंह, रमेश सिंह, पिंटू सिंह, नरेश सिंह, विनोद सिंह, उमा सिंह, धर्मेंद्र सिंह, प्रभु भुइयां, मेघनाथ सिंह, महेंद्र सिंह, मेवा सिंह, श्रवण सिंह, शंकर सिंह, कामेश्वर सिंह, रामचंद्र सिंह, सीताराम सिंह, प्रमोद सिंह, प्रदीप सिंह, सुदेश्वर सिंह, मानदेव सिंह, सुदेशी सिंह, सरजदेव सिंह, विक्रम सिंह, शिवकुमार सिंह, अखिलेश सिंह, परीखा सिंह, राजेश्वर सिंह, मुंद्रिका सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

यूपीएससी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल परीक्षा में सोनू को 83वां स्थान

हरिहरगंज। शहर के झंडा चौक निवासी पप्पू गुप्ता के पुत्र सोनू कुमार ने संघ लोक सेवा आयोग की केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल परीक्षा उत्तीर्ण कर हरिहरगंज का नाम रोशन किया है। 7 अगस्त को घोषित परीक्षा परिणाम में सोनू ने अन्य पिछड़ा वर्ग में 83वां स्थान प्राप्त कर सहायक कमांडेंट का पद हासिल किया है। शनिवार को आयोजित समारोह में शहर के गणमान्य लोगों ने सोनू कुमार को उनकी सफलता पर बधाई दी। सोनू ने अपनी सफलता का श्रेय माता पूनम देवी, पिता पप्पू गुप्ता, दादा अवध गुप्ता सहित परिवार के अन्य सदस्यों को दिया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना है। परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने ऑनलाइन माध्यम और स्वाध्याय पर विशेष ध्यान दिया।

15 अगस्त तक गैस उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

नवीन मेल संवाददाता

केतार। सरकार के निर्देश के अनुसार गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराना जरूरी किया गया है। भारत बाग्लामुखी गैस एजेंसी, केतार के प्रोपराइटर अंगद कुमार ने प्रखंड क्षेत्र के सभी गैस उपभोक्ताओं से 15 अगस्त तक ई-केवाईसी पूरा कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि निर्धारित समय सीमा तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं को भविष्य में गैस सिलेंडर की बुकिंग में परेशानी हो सकती है। उपभोक्ता नजदीकी बाग्लामुखी भारत गैस एजेंसी पहुंचकर ई-केवाईसी करा सकते हैं। इसके अलावा अधिकृत वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से भी यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। ई-केवाईसी कराने के लिए उपभोक्ताओं को आधार कार्ड और मोबाइल नंबर साथ रखना होगा। एजेंसी संचालक ने कहा कि अंतिम समय में होने वाली भीड़ और असुविधा से बचने के लिए उपभोक्ता समय रहते ई-केवाईसी करा लें।

गांव-गांव पहुंच रही एजेंसी की टीम

ग्रामीण उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए एजेंसी की ओर से गांवों में शिविर लगाने के साथ डोर-टू-डोर ई-केवाईसी की व्यवस्था भी की जा रही है। अंगद कुमार ने बताया कि बड़ी संख्या में ग्रामीणों को एजेंसी तक पहुंचने में परेशानी होती है। इसी को देखते हुए गांव स्तर पर सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने सभी गैस उपभोक्ताओं से अपील की कि 15 अगस्त की समय सीमा का इंतजार न करें और जल्द से जल्द ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कर लें।

आइसेक्ट मेगा स्किल सेंटर में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस

आदिवासी संस्कृति और युवाओं के कौशल विकास पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। प्रखंड क्षेत्र के बाना गांव स्थित हारादाग मोड़ के समीप आइसेक्ट मेगा स्किल सेंटर में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्र के पदाधिकारियों ने आदिवासी समाज के महानायक और जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ने वाले भगवान बिरसा मुंडा के चित्र के समक्ष संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर की। कार्यक्रम में रणजीत वर्मा ने आदिवासी समाज के समृद्ध इतिहास, गौरवशाली संस्कृति और जल, जंगल, जमीन के संरक्षण में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस

का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा करना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। आइसेक्ट मेगा स्किल सेंटर के प्रबंधकों ने आदिवासी युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा के साथ रोजगारपरक कौशल विकास को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र में युवाओं को आधुनिक तकनीक और विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर देश और राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। कार्यक्रम में केंद्र के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन काजल कुमारी ने किया। मौके पर दीपशिखा कुमारी, इशरत खातून, रवि कुमार, नवीन कुमार, खुशबू कुमारी, पायल कुमारी और रोशनी कुमारी सहित अन्य मौजूद रहे।

पीएचसी तक पहुंचने वाली 300 मीटर सड़क बदहाल, बारिश में कीचड़ से बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड के पाचाडुमर गांव स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) तक पहुंचने वाली करीब 300 मीटर सड़क बदहाल होने के कारण बरसात के दिनों में मरीजों, स्वास्थ्यकर्मियों और ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। मुख्य पथ से स्वास्थ्य केंद्र तक जाने वाली सड़क बारिश होते ही कीचड़ और जलजमाव की चपेट में आ जाती है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों

के अनुसार, स्वास्थ्य केंद्र जैसी आवश्यक सेवा से जुड़े संस्थान तक पहुंचने के लिए भी बेहतर सड़क की सुविधा उपलब्ध नहीं है। बारिश के दौरान सड़क की स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि पैदल आवागमन भी मुश्किल हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी गंभीर मरीजों, बुजुर्गों और उनके परिजनों को होती है। वहीं स्वास्थ्यकर्मियों को भी केंद्र तक पहुंचने में परेशानी झेलनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन अब तक ठोस पहल नहीं हुई है। उनका कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाली सड़क का पक्कीकरण होने से मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को काफी राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुख्य पथ से पीएचसी तक करीब 300 मीटर सड़क का शीघ्र पक्कीकरण कराने की मांग की है, ताकि बरसात के दिनों में स्वास्थ्य केंद्र तक आवागमन सुगम हो सके।

खरौंधी में लंगूरों का आतंक बाजार से गांव तक दहशत

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों लंगूरों के झुंड की बढ़ती गतिविधियों से लोगों में दहशत का माहौल है। जंगल से निकलकर करीब दर्जनभर से अधिक लंगूर आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं। आए दिन लंगूरों को घरों की छतों और आसपास के पेड़ों पर उछल-कूद करते देखा जा रहा है। जिस पंचायत या बस्ती में इनका झुंड पहुंचता है, वहां कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन जाती है। सबसे अधिक परेशानी खरौंधी बाजार परिसर में देखने को मिल रही है। दर्जनभर से अधिक लंगूरों का झुंड अक्सर बाजार परिसर में पहुंच जाता है, जिससे दुकानदारों, ग्राहकों और खरीदारी के लिए आए ग्रामीणों में भय बना रहता है। शनिवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार के दौरान भी कई बार लंगूरों का झुंड पहुंच जाता है। हालांकि राहत की बात है कि अब तक लंगूरों के हमले में किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। शुक्रवार को लंगूरों के झुंड ने राजी बस्ती में काफी देर तक उत्पात मचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लंगूर घरों की छतों और आसपास के पेड़ों पर लगातार उछल-कूद करते रहे। इस दौरान कई मकानों की एस्बेस्टस और खपड़े की छतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

20 लाख की लागत से विष्णु मंदिर छठ घाट का होगा सौंदर्यीकरण

नवीन मेल संवाददाता

विशुनपुरा (गढ़वा)। पोखरा चौक स्थित विष्णु मंदिर परिसर में करीब 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले छठ घाट सौंदर्यीकरण योजना का शिलान्यास रविवार को क्षेत्रीय विधायक अनंत प्रताप देव ने नारियल फोड़कर किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि वर्ष 2009 में जब वे विधायक थे, तब विशुनपुरा को विकास के नक्शे पर लाने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि उस समय विशुनपुरा को उपेक्षित क्षेत्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन लगातार प्रयास कर क्षेत्र को झारखंड में अलग पहचान दिलाने का काम किया गया। विशुनपुरा को रमना, नगर ऊंटारी और मझिआंव से पक्की सड़कों के माध्यम से जोड़कर आवागमन और विकास को नई दिशा देने का कार्य किया गया। विधायक ने कहा कि राजनीति में लोग अक्सर वोट लेने के लिए राजनीति करते हैं, लेकिन वे क्षेत्र की जनता को अपने परिवार का हिस्सा मानकर दिल जीतने की राजनीति करते हैं। जनता की मांग और जरूरत के अनुसार विकास योजनाओं को धरातल पर उतारना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि घटवरिया घाट के चौड़ीकरण और मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य भी जल्द कराया जाएगा। इसके अलावा हरिजन टोला की करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क का निर्माण कराने का भरोसा ग्रामीणों को दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जरूरी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।

आदिवासी अधिकारों और संस्कृति की रक्षा का लिया संकल्प, चिनियां में निकली भव्य रैली

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा की चिनियां प्रखंड इकाई के तत्वावधान में रविवार को कर्मस्थल चिरका में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अजय सिंह खरवार ने की। इस दौरान आदिवासी अधिकार, संस्कृति, भाषा और परंपराओं के संरक्षण को लेकर लोगों ने आवाज बुलंद की। कार्यक्रम के तहत कर्मस्थल से मांदर और नगाड़े के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस रंका मोड़, बस स्टैंड, महावीर मंदिर, थाना चौक और चपकली मोड़ होते हुए प्रखंड कार्यालय परिसर पहुंचा। इसके बाद जुलूस

वापस कर्मस्थल चिरका पहुंचा, जहां सभा में तब्दील हो गया। सभा को संबोधित करते हुए महासभा के जिला अध्यक्ष चैतू सिंह खरवार ने कहा कि महासभा स्थापना काल से ही प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को गढ़वा जिले के विभिन्न प्रखंडों में विश्व आदिवासी दिवस मनाती आ रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को संविधान और कानून से मिले अधिकारों की जानकारी दिलाना और उनका वास्तविक लाभ पहुंचाना महासभा का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से आदिवासी समाज के अधिकारों को लेकर कई घोषणाएं की गई हैं, लेकिन धरातल पर अभी भी कई अधिकारों का पूर्ण क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। महासभा की मांग है कि रंका अनुमंडल के सभी प्रखंडों को अधिसूचित क्षेत्र घोषित करने के साथ अलग विधानसभा क्षेत्र बनाया जाए और उसे आदिवासियों के लिए आरक्षित किया जाए। केंद्रीय सदस्य कविता सिंह खरवार और सचिव खिरस्तफर कुमार ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल गीत-संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि यह अधिकारों, समस्याओं और भविष्य की रणनीति पर चिंतन का अवसर है। प्रखंड उपाध्यक्ष रामविचार परहिया ने भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाज और परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया। इस अवसर पर आदिवासी आध्यात्मिकता और आध्यात्मिक भूमि-भूभाग के संरक्षण एवं विकास विषय पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में फादर किशोर टोप्पो, सुरेश चरगट, बबनु सिंह, हीरामन सिंह, कन्हाई परहिया, अरुण सिंह, रामेश्वर सिंह, रामगती कोरबा, राजाराम सिंह सहित सैकड़ों महिला-पुरुष मौजूद थे।

श्रावणी मेला के लिए डीडीयू-गया के बीच चलेगी अनारक्षित विशेष ट्रेन

मोहम्मदगंज। श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूर्व मध्य रेल की ओर से डीडीयू-गया के बीच अनारक्षित श्रावणी मेला विशेष ट्रेन का परिचालन 8 से 17 अगस्त तक प्रतिदिन किया जा रहा है। ट्रेन संख्या 03656/03655 डीडीयू-गया विशेष ट्रेन सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड के रास्ते डीडीयू एवं गया के बीच चलेगी। इस ट्रेन से डीडीयू, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड एवं मार्ग के अन्य स्टेशनों से गया जाने वाले श्रद्धालुओं को गया से जसीडीह तक आगे की यात्रा के लिए ट्रेन संख्या 03654 गया-मधुपुर श्रावणी मेला विशेष ट्रेन की सुविधा मिलेगी।

रेलवे संघर्ष समिति की रेल मंत्री से सोमवार को होगी मुलाकात, सांसद के प्रयास से मिला समय

भंडरिया-बड़गड़ को रेल परियोजना से जोड़ने की रखेंगे मांग

नवीन मेल संवाददाता

बड़गड़। बरवाडीह-चिरमिरी-अंबिकापुर रेल परियोजना से भंडरिया और बड़गड़ को जोड़ने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन को बड़ी सफलता मिली है। गढ़वा सांसद विष्णु दयाल राम के प्रयास से रेलवे संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल की सोमवार को भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात सुनिश्चित हुई है। समिति का प्रतिनिधिमंडल रेल मंत्री के समक्ष क्षेत्र की वर्षों पुरानी रेल कनेक्टिविटी की मांग को मजबूती से रखेगा। रेलवे संघर्ष

समिति के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष आनंद सोनी, सचिव जयप्रकाश मिंज, जितेंद्र चंद्रवंशी, ओमप्रकाश, बजरंग प्रसाद, संदीप गुप्ता, अर्जुन मिंज और बरुण केशरी शामिल हैं। सभी प्रतिनिधि शनिवार को बड़गड़ से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। समिति की मुख्य मांग बरवाडीह-चिरमिरी-अंबिकापुर रेल परियोजना के प्रस्तावित मार्ग में भंडरिया और बड़गड़ क्षेत्र को शामिल करने की है। समिति का कहना है कि भंडरिया, बड़गड़ सहित आसपास का विशाल क्षेत्र आज भी रेल सुविधा से वंचित है। इस क्षेत्र को रेल परियोजना से जोड़ने से हजारों ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी। उनके प्रयास से रेल मंत्री से मुलाकात का समय मिलना संघर्ष समिति और क्षेत्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रेल मंत्री से मुलाकात कर परियोजना के मार्ग में भंडरिया-बड़गड़ को शामिल करने की मांग रखेगा तथा क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक आवश्यकताओं से उन्हें अवगत कराएगा। समिति को उम्मीद है कि केंद्र सरकार जनहित की इस मांग पर सकारात्मक पहल करेगी।

समिति के सदस्यों ने सांसद की सराहना की

समिति के सदस्यों ने कहा कि सांसद विष्णु दयाल राम ने जिस गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ क्षेत्र की रेल मांग को केंद्र सरकार और रेलवे के समक्ष उठाया है, वह सराहनीय है।

लातेहार में आदिवासी महोत्सव में दिखी संस्कृति की रंगारंग झलक

- विश्व आदिवासी दिवस पर लातेहार में सजी संस्कृति की रंगारंग महफिल
- छऊ नृत्य, जनजातीय फैशन शो और नागपुरी गीतों ने बांधा समां, आंदोलनकारियों, खिलाड़ियों व प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। विश्व आदिवासी दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर भवन, लातेहार में जिला स्तरीय आदिवासी महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति, परंपरा, कला और लोक विरासत की आकर्षक झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त संदीप कुमार सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों का स्वागत पौधा और स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, कला, भाषा और लोक विरासत झारखंड की विशिष्ट पहचान है। विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संघर्ष और सांस्कृतिक विरासत को याद करने तथा इसके संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों और प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का मंच मिलता है तथा नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ती है।

बिरसा मुंडा और शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर उपायुक्त ने विवेकानंद पार्क स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद किन्नमाड़ मोड़ स्थित दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। उपायुक्त ने दोनों नेताओं के संघर्ष, योगदान और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों को स्मरण किया। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी, जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव, नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह, विधायक प्रतिनिधि मनिका हरिशंकर यादव सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी-कर्मी, कलाकार, छात्र-छात्राएं, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में आम लोग मौजूद थे।

छऊ नृत्य और लोक संस्कृति ने मोहा मन

महोत्सव के दौरान नील कमल संस्था के कलाकारों ने आदिवासी लोक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके अलावा सरायकेला-खरसावां और पुरुलिया शैली के छऊ नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कलाकारों ने झारखंड की लोक परंपरा और आदिवासी जीवनशैली की जीवंत तस्वीर पेश की। पारंपरिक संगीत कार्यक्रम, जनजातीय फैशन शो और नागपुरी गीतों की प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम में रंग भर दिया। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया।

आंदोलनकारियों और प्रतिभाओं का सम्मान

समारोह के दौरान झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। सामुदायिक वन पट्टा से जुड़े लाभुकों को भी सम्मान मिला। नीलांबर-पीतांबर के वंशज कोमल सिंह खरवार को उपायुक्त ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं और खिलाड़ियों को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए थे। इनके माध्यम से सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाई गई। उपायुक्त और अन्य अतिथियों ने स्टॉलों का भ्रमण कर विभागीय गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी ली।

लाभुकों को नियुक्ति पत्र और परिसंपत्तियां बांटी गईं

कार्यक्रम के दौरान पात्र लाभुकों और चयनित अभ्यर्थियों के बीच नियुक्ति पत्र एवं परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। इसके माध्यम से लाभुकों को रोजगार, स्वरोजगार और आजीविका के अवसरों से जोड़ने के जिला प्रशासन के प्रयासों को गति देने का संदेश दिया गया।

उपायुक्त ने रक्तदान कर दिया संदेश

महोत्सव स्थल पर रक्तदान शिविर भी लगाया गया। उपायुक्त संदीप कुमार ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद का जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। उन्होंने आम लोगों से आगे बढ़कर रक्तदान करने की अपील की।

दृष्टिपात

सरयू में आदिवासी दिवस की धूम, नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर हुआ माल्यार्पण

गारू (लातेहार)। सरयू में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत महान स्वतंत्रता सेनानी नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी आशा साहू, मुखिया अंकिता देवी, जल सहिया सहित अन्य लोगों ने नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा तथा स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी वीरों के योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, भाषा, परंपरा और प्रकृति के साथ उसका जुड़ाव देश की महत्वपूर्ण विरासत है। विश्व आदिवासी दिवस मनाने का उद्देश्य आदिवासी समुदाय की संस्कृति, परंपरा और अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। वक्ताओं ने समाज के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नीलांबर-पीतांबर का संघर्ष और बलिदान आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी साहस और देशभक्ति से नई पीढ़ी को सीख लेने की जरूरत है। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की एकता, शिक्षा के प्रति जागरूकता तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने पर विशेष जोर दिया गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सरयू क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। लोगों ने सामाजिक एकजुटता के साथ दिवस मनाया और वीर नीलांबर-पीतांबर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हामी में अकीदत के साथ मनाया गया मोहर्रम का चालीसवां

महुआडांड़ (लातेहार)। प्रखंड अंतर्गत हामी पंचायत में रविवार को मोहर्रम का चालीसवां पर्व अकीदत और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी सुलेमान मुंडारी और महुआडांड़ थाना प्रभारी अमित कुमार रविदास मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जामा मस्जिद के पूर्व सदर इमरान खान, सचिव अब्दुल मतीन, पूर्व सचिव मजहर खान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पारंपरिक तरीके से जुलूस निकाला। जुलूस हामी से शुरू होकर हामी पंडरीटोली स्थित मोहर्रम मैदान पहुंचा। मैदान में पहुंचने के बाद जुलूस में शामिल लोगों ने पारंपरिक खेल-कौशल और करतब प्रस्तुत किए। युवाओं ने विभिन्न प्रकार के हैरतअंगेज करतब दिखाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और आसपास के लोग मौजूद रहे। प्रशासन और आयोजन समिति की ओर से पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की व्यवस्था की गई थी। चालीसवें के अवसर पर लोगों ने आपसी भाईचारे, एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय लोगों और आयोजन समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उलवार में फुटबॉल मैच से बढ़ा खिलाड़ियों का उत्साह

कुंदा (चतरा)। नवादा पंचायत के अति सुदूरवर्ती गांव उलवार में ग्रामीण युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से फुटबॉल मैच कराया गया। मुकाबला उलवार और बनियाडीह की टीमों के बीच खेला गया। मैच का उद्घाटन मुखिया भरत यादव ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने मैदान में पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुखिया ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि इससे युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, आपसी भाईचारा और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को नशे और अन्य सामाजिक कुरीतियों से दूर रखने में खेल की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुखिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों को जरूरी बताया। उन्होंने युवाओं से खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा को निखारने की अपील की। इस दौरान दोनों टीमों को प्रोत्साहन स्वरूप फुटबॉल प्रदान कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया गया। मौके पर कैलु गंझु, संतोष गंझु, विकास गंझु, गणेश गंझु, कृष्णा गंझु समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

टंडवा-सिमरिया मुख्य सड़क पर चक्का जाम का असर

टंडवा (चतरा)। रविवार को सिमरिया में चल रहे चक्का जाम का असर टंडवा-सिमरिया मुख्य सड़क पर भी देखने को मिला। कोयला और फ्लाई ऐश वाहनों का परिचालन पूरी तरह ठप रहा। इसके कारण सड़क पर सन्नाटा पसरा रहा। वहीं, बढ़ते प्रदूषण और भारी वाहनों के जाम से परेशान राहगीरों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। हजारीबाग जिले में उत्पादित कोयले की ढुलाई और फ्लाई ऐश के परिवहन को रोकने की मांग को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन आंदोलन को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर जारी है। पिछले आंदोलनों के परिणाम को देखते हुए कई लोग आंदोलन की सफलता को लेकर आशंकित भी नजर आ रहे हैं। इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, आंदोलन के आगे की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। आंदोलन कितना प्रभावी रहता है और इसका परिवहन व्यवस्था पर कितना असर पड़ता है, यह आने वाले दिनों में ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल चक्का जाम के कारण टंडवा-सिमरिया मुख्य मार्ग पर कोयला और फ्लाई ऐश वाहनों का परिचालन प्रभावित रहा।

विश्व आदिवासी दिवस पर पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

मनिका। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मनिका प्रखंड की जुंगर पंचायत में आयोजित पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का रविवार को घुसी उरांव एवं महेंद्र उरांव खेल मैदान में भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने हिस्सा लिया और खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह झारखंड विधानसभा के सभापति रामचंद्र सिंह और विशिष्ट अतिथि देवनारायण उरांव ने किया था। अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। फाइनल मुकाबले में सतीश ब्रदर्स निंद्रा की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को 51 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं पीएमजी सिमलिया रातू की टीम दूसरे स्थान पर रही। उपविजेता टीम को 25 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक रामचंद्र सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताओं से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। उन्होंने युवाओं से खेल के साथ शिक्षा और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में फुटबॉल टूर्नामेंट के अध्यक्ष गुलाब यादव, आयोजनकर्ता नागेंद्र उरांव सिपाही, नरेश राम, देवेंद्र कुजूर, राजेंद्र यादव, गायत्री देवी, शीला देवी, फुलकुमारी देवी, दिव्या देवी, कृष्णा प्रजापति, दिलीप यादव, दीपक विश्वकर्मा, अंकज उरांव, जोगेंद्र केरकेट्टा और इश्तियाक अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेलप्रेमी मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर पौधरोपण कर मनाया गया समारोह

बारियातू (लातेहार)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत डाढ़ा पंचायत के कर्माही धर्मकुड़िया परिसर में राजी पड़हा प्रार्थना सभा की जिला इकाई के बैनर तले विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विश्व आदिवासी दिवस के महत्व और उद्देश्य पर चर्चा की गई। इस दौरान बड़े पैमाने पर फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक उरांव ने की, जबकि संचालन जिला मीडिया प्रभारी सुरेश उरांव ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव सह पत्रकार रामप्रीत लोहरा, डाढ़ा पंचायत उपमुखिया रिक्सोना उरांव, सुनीता उरांव सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को आदिवासी समुदायों के मूलभूत अधिकारों, सामाजिक, आर्थिक और न्यायिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह दिवस आदिवासी समुदायों की उपलब्धियों और पर्यावरण संरक्षण सहित वैश्विक मुद्दों में उनके योगदान को भी रेखांकित करता है। यह दिन दुनिया के आदिवासी समुदायों की पहचान, संस्कृति, परंपरा, अधिकार और सम्मान को समर्पित है। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से जल, जंगल और जमीन से जुड़कर प्रकृति की रक्षा करता आया है। भाषा, लोकगीत, लोकनृत्य, कला, परंपराएं और रीति-रिवाज समाज की अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सभी की है। मौके पर कार्यकारिणी सदस्य चंद्रदेव उरांव, जिम्मेदार उरांव, रति उरांव, मुनिया उरांव, मालती उरांव, हिरामनी उरांव, मीना उरांव सहित बड़ी संख्या में आदिवासी महिला-पुरुष मौजूद थे।

चंदवा में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

- जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय ख्रीस्त राजा विद्यालय परिसर और कृषि फार्म परिसर में आदिवासी संगठनों की ओर से कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति, परंपरा और अधिकारों के संरक्षण के साथ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया गया। ख्रीस्त राजा विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बीडीओ चंदन प्रसाद, सेवानिवृत्त रेंजर केदारनाथ सिंह और जयंती भगत मौजूद रहे। विद्यालय सचिव फादर फबियानुस सिंदुरिया, मुखिया फुलजेन्सिया टोप्पो, संगीता लकड़ा, आनंदी सोरेन, जिला योजना पदाधिकारी लोहरदगा रणधीर टोप्पो समेत पंचायत प्रतिनिधि और समाज के प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत आदिवासी रीति-रिवाज से किया गया। अतिथियों ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के महत्व को समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समझना होगा। भाषा, सभ्यता और संस्कृति आदिवासी समाज की मूल पहचान है। इसे सुरक्षित रखने के लिए समाज को संगठित होकर प्रयास करना होगा। वक्ताओं ने आदिवासी समाज के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवनाथ भगत ने की, जबकि संचालन सुमन सुनील सोरेंग ने किया। वक्ताओं ने जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी हितों की रक्षा के लिए संगठित होने की अपील की। संत अन्ना बालिका छात्रावास की छात्राओं ने वंदना नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं इंग्लिश मीडियम स्कूल के विद्यार्थियों ने 'हाय रे हमर सोना झारखंड' गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। कृषि फार्म परिसर में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम समिति के बैनर तले समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शोभायात्रा से हुई। शोभायात्रा शहर का भ्रमण करते हुए कृषि फार्म परिसर पहुंची, जहां आयोजन समिति की ओर से अतिथियों का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व कानूनगो लाल बिहारी उरांव, सितमोहन मुंडा, प्रमोद साहू, असगर खान, बिनोद कुमार गुड्डू और नवाहिर उरांव समेत अन्य वक्ताओं ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। मौके पर बिमल उरांव, राकेश लोहरा, सुरेशनाथ लोहरा, चंद्रदेव उरांव, गंगाधर भगत, जितेंद्र सिंह समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।

बरवाडीह पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाया सनसनीखेज मामला

- दो आरोपी गिरफ्तार, तीन वर्षीय बच्चा सकुशल बरामद

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। जिले के पुलिस कप्तान कुमार गौरव के निर्देश पर रविवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बीरेंद्र राम के नेतृत्व में प्रेस वार्ता की गई। इसमें महिला के साथ दुष्कर्म, हत्या के प्रयास और तीन वर्षीय बच्चे के अपहरण से जुड़े सनसनीखेज मामले का 48 घंटे के भीतर खुलासा करने की जानकारी दी गई। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, 4 अगस्त 2026 की रात करीब नौ बजे गंभीर रूप से घायल एक महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरवाडीह लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर किया गया। महिला बोलने की स्थिति में नहीं थी, लेकिन इशारों के माध्यम से उसने अपने बच्चे के अपहरण की बात बताई। इसके बाद 5 अगस्त को अस्पताल में महिला का बयान दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता ने बताया कि 3 अगस्त की शाम उसका परिचित शंकर सिंह उर्फ मनु सिंह उसे बरवाडीह चौक से मोटरसाइकिल पर मनिका ले जाने की बात कहकर नकटा जंगल की ओर ले गया। वहां कथित तौर पर उसने अपने साथी के साथ मिलकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपियों ने कथित रूप से उसकी हत्या की नीयत से गला दबाकर हमला किया और उसे मृत समझकर जंगल में छोड़ दिया। इसके बाद उसके तीन वर्षीय बच्चे को भी जंगल में छोड़कर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बरवाडीह थाना में कांड संख्या 52/26 दर्ज कर एसडीपीओ के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल गठित किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शंकर सिंह उर्फ मनु सिंह, 30 वर्ष, को गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपी अमरनाथ सिंह, 56 वर्ष, को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान घटना में प्रयुक्त होंडा एसपी-125 मोटरसाइकिल संख्या जेएच-03-एवी-1830 और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया। वहीं, जंगल से तीन वर्षीय बच्चे को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया गया। एसडीपीओ ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है। थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने कहा कि महिला अपराध और बच्चों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई की जा रही है। दोष सिद्ध होने पर किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। छापामारी दल में थाना प्रभारी के साथ पुलिस अवर निरीक्षक सुनील कुमार मंडल, श्याम नारायण ओझा, सहायक अवर निरीक्षक संजय चौधरी एवं पुलिस बल के जवान शामिल थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर जागृति मंच ने निकाली शोभायात्रा

- शहीदों और महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़ (लातेहार)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को छेछाड़ी आदिवासी जागृति मंच, महुआडांड़ के तत्वावधान में वाहन शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए। पारंपरिक उत्साह और सामाजिक एकजुटता के साथ निकाली गई शोभायात्रा के माध्यम से आदिवासी संस्कृति, परंपरा और वीर शहीदों की स्मृतियों को याद किया गया। शोभायात्रा की शुरुआत प्रखंड कार्यालय परिसर से हुई। यहां से वाहन जुलूस बिरसा चौक, शास्त्री चौक, अंबेडकर चौक और शहीद चौक होते हुए आवासीय विद्यालय पहुंचा। इसके बाद शोभायात्रा गोठगांव स्थित 21 पड़हा स्थल पहुंची। यहां पहुंचने के बाद शोभायात्रा सभा में तब्दील हो गई। सभा में आदिवासी समाज के लोगों ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर चर्चा की तथा समाज की एकता, संस्कृति और अधिकारों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान छेछाड़ी आदिवासी जागृति मंच के सदस्यों और समाज के लोगों ने विभिन्न चौक-चौराहों पर स्थापित महापुरुषों एवं वीर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जीतू किसान, मिठू किसान, बिरसा मुंडा चौक, शास्त्री चौक, अंबेडकर चौक, शहीद चौक सहित वीर शहीद सिलास कुजूर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान उनके संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शोभायात्रा को शांतिपूर्ण और सफल बनाने के लिए प्रशासन की ओर से आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के लिए कल्याण पदाधिकारी, महुआडांड़ को दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। वहीं, महुआडांड़ थाना प्रभारी अमित कुमार रविदास के निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। एएसआई रामकुमार सिंह, एएसआई नौशाद अहमद और एएसआई मोहम्मद समशेर सहित पुलिस जवान पूरे मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। शोभायात्रा के दौरान आदिवासी समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। विश्व आदिवासी दिवस के माध्यम से आदिवासी समाज की भाषा, संस्कृति, परंपरा, जल, जंगल, जमीन और सामाजिक अधिकारों के संरक्षण का संदेश दिया गया। गोठगांव स्थित 21 पड़हा स्थल पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और प्रकृति से जुड़ी जीवनशैली से है। समाज के लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आने वाली पीढ़ी को भी इससे जोड़ने की जरूरत है। साथ ही शिक्षा, सामाजिक एकता और अधिकारों के प्रति जागरूकता को मजबूत करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में छेछाड़ी आदिवासी जागृति मंच के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मौके पर कांग्रेस के जिला आदिवासी अध्यक्ष अजीत पाल कुजूर, फादर दिलीप, उपप्रमुख अभय मिंज, संजय तिग्गा, परवीन सहित बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर पौधरोपण

तेहार)। मनिका प्रखंड की जूंगुर पंचायत में रविवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर एसबीआई फाउंडेशन और सपोर्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम सेवा परियोजना, जूंगुर के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समुदाय की परंपरा, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान चिंतादेवी, बैगा राजदेव सिंह, ईश्वरी सिंह और ग्राम सेवा परियोजना प्रबंधक जितेंद्र कुमार को पारंपरिक अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने परंपरागत ज्ञान, प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण के संरक्षण के प्रति सामूहिक रूप से संकल्प लिया। कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक स्थल पर फलदार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही बैगा राजदेव सिंह को देवी मंडप परिसर में पौधरोपण के लिए फलदार पौधे प्रदान किए गए। इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के साथ ग्रामीण समुदाय को पौधरोपण और प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर ग्राम सेवा परियोजना के एपीएम दिलीप रजक, निखिल कुमार, ग्राम सेवक हरिहर सिंह, द्वारिका उरांव, संजीवनी वाहन की नर्स रंजु कुमारी और उपचारात्मक कक्षा की शिक्षिका सविता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में चिंतामणि देवी, पार्वती देवी, मनिता देवी, बिनती देवी, सबानी देवी, मीना देवी, गोपाल उरांव, संतु उरांव और कैलाश उरांव सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समुदाय की परंपरा और संस्कृति के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया गया। ग्रामीणों ने प्रकृति के संरक्षण, अधिक से अधिक पौधे लगाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

लोहरसी में कोयला लदा 18 चक्का ट्रेलर पलटा, चालक-उपचालक घायल

चंदवा। चंदवा-माल्हन-मैकलुस्कीगंज मार्ग पर लोहरसी गांव के समीप रविवार अहले सुबह करीब छह बजे कोयला लदा 18 चक्का ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक व उपचालक घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा पहुंचाया गया। चालक के अनुसार, ट्रेलर में कोयला लोड कर वे उत्तर प्रदेश से जमशेदपुर जा रहे थे। हादसे के बाद ट्रेलर में लदा कोयला सड़क किनारे बिखर गया। वहीं सड़क किनारे स्थित एक घर के लोग बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परिवार के कुछ सदस्य घर के बाहर बैठे थे। तेज रफ्तार ट्रेलर को अपनी ओर आता देख सभी समय रहते वहां से भाग निकले। ग्रामीणों के अनुसार, तीखे मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। सूचना पर चंदवा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। ग्रामीणों ने इस मार्ग पर कोयला लदे भारी वाहनों के परिचालन पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से रोक लगाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि नो-एंट्री से बचने के लिए कुछ हाइवा चंदवा-माल्हन-मैकलुस्कीगंज मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। उनका कहना है कि भारी वाहनों के कारण इस मार्ग पर दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। पुलिस निरीक्षक मनोरंजन सिंह ने बताया कि कोयला लदा वाहन कहां से कहां जा रहा था और उसमें लदे कोयले की वैधता की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

हाइवा परिचालन पर झामुमो नेता सौरभ श्रीवास्तव ने उठाए सवाल

चंदवा। लोहरसी के समीप कोयला लदा हाइवा दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद हाइवा परिचालन को लेकर क्षेत्र में आक्रोश बढ़ गया है। रविवार को झामुमो नेता सौरभ श्रीवास्तव घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि चंदवा में कोयला ढुलाई के लिए रेलवे साइडिंग और रेलवे स्टेशन उपलब्ध हैं। इसके बावजूद हाइवा शहर व ग्रामीण मार्गों से क्यों गुजर रहे हैं, यह गंभीर सवाल है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी चौक, हिसरी, मुख्य बाजार सहित बालूमाथ और लोहरसी-माल्हन क्षेत्र में हाइवा दुर्घटनाओं में कई लोग जान गंवा चुके हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि हाइवा के परिचालन, निर्धारित रूट और अनुमति से संबंधित जानकारी जिला खनन पदाधिकारी व जिला परिवहन पदाधिकारी से मांगी जाएगी। नियमों के विपरीत परिचालन पाए जाने पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से भारी वाहनों के परिचालन की निगरानी और निर्धारित मार्गों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा की कीमत पर हाइवा परिचालन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कुरसे बस्ती कीचड़ में तब्दील, आवागमन बना बड़ी चुनौती

- **वर्षों से सड़क निर्माण की मांग, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की उदासीनता से ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश**

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा सदर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हेसल के कुरसे बस्ती में कच्ची सड़क की बदहाली ग्रामीणों के लिए लंबे समय से परेशानी का सबब बनी हुई है। बारिश के दिनों में सड़क पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो जाने से बस्ती के लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की स्थिति ऐसी हो गई है कि पैदल चलना भी ग्रामीणों के लिए चुनौती बन गया है। वहीं दोपहिया एवं अन्य छोटे वाहनों के आवागमन में भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि कुरसे बस्ती की कच्ची सड़क की समस्या कोई नई नहीं है। बीते कई वर्षों से सड़क निर्माण की मांग पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखी जाती रही है।

ग्रामीणों ने कई बार सड़क को पीसीसी पथ के रूप में निर्माण कराने की मांग की, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। बारिश शुरू होते ही सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और फिसलन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इससे बच्चों को स्कूल आने-जाने, बुजुर्गों को जरूरी कार्यों के लिए बाहर निकलने तथा मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में विशेष परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि आपात स्थिति में खराब सड़क के कारण समय पर वाहन पहुंचना भी मुश्किल हो जाता है।

बस्ती वासियों ने कहा कि पंचायत स्तर से लेकर प्रशासनिक स्तर तक सड़क निर्माण को लेकर लगातार गुहार लगाई गई, लेकिन उनकी समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि विकास योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं की बात तो की जाती है, लेकिन कुरसे बस्ती की जमीनी समस्याओं को दूर करने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया जा रहा है।

ग्रामीणों की नाराजगी

ग्रामीणों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि वर्षों से सड़क निर्माण की मांग किए जाने के बावजूद उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है। उनका कहना है कि सड़क जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में बस्ती वासियों को बरसात के मौसम में सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है।ग्रामीणों ने संबंधित विभाग एवं प्रशासन से कुरसे बस्ती की कच्ची सड़क का जल्द से जल्द निरीक्षण कराकर पीसीसी पथ निर्माण कराने की मांग की है। साथ ही पंचायत के जनप्रतिनिधियों से भी इस समस्या को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल करने की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द सड़क निर्माण की पहल नहीं की गई तो वे सामूहिक रूप से उच्च अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्या रखने को मजबूर होंगे।

दो अलग-अलग हादसों में दो की मौत, गांवों में पसरा मातम

लोहरदगा। जिले में हुई दो अलग-अलग दर्दनाक घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के गम्हरिया के पास हुई, जहां एक टेम्पू अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। उपचार के दौरान सेन्हा थाना क्षेत्र के बांध टोली निवासी डोमन महतो की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। वहीं दूसरी घटना कुडू थाना क्षेत्र के जोंजरो गांव में हुई, जहां बिमल उरांव 50 वर्ष पिता स्वर्गीय भुगलु उरांव घर में खुले बिजली के तार की चपेट में आ गए। परिजन उन्हें गंभीर अवस्था में लोहरदगा सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घर में खुले विद्युत तार के संपर्क में आने से यह हादसा हुआ।रविवार में लोहरदगा सदर थाना की एएसआई अल्बीना लकड़ा ने दोनों मामलों में पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर शवों का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से आयोजित हुआ आदि फेस्ट

जल, जंगल और जमीन से जुड़ी है जनजातीय संस्कृति : डॉ रामेश्वर उरांव

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज जिला प्रशासन, लोहरदगा की ओर से नया नगर भवन में #ADI-FEST (आदि फेस्ट) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक डॉ. रामेश्वर उराँव द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनजातीय संस्कृति, परंपरा, कला, जीवनशैली और विरासत से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मौके पर विधायक डॉ. रामेश्वर उराँव ने कहा कि आदिवासी समाज की जीवनशैली प्रकृति और जंगल से गहराई से जुड़ी रही है। उन्होंने जयपाल सिंह मुंडा का उल्लेख करते हुए कहा कि विदेश में रहने के बावजूद वे झारखंड की धरती और यहां की संस्कृति से जुड़े रहे। उन्होंने अपनी आत्मकथा में नदी-पहाड़ के बीच रहने वाले और शिकार करने वाले लोगों के जीवन का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से अनुरोध किया जाएगा कि जयपाल सिंह मुंडा की आत्मकथा की प्रतियां प्रकाशित कराई जाएं, ताकि बच्चों को उसे पढ़ने और अपनी विरासत को समझने का अवसर मिल सके।

उन्होंने कहा कि आज भी आदिवासी समाज की जीविका मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। राज्य में कृषि के क्षेत्र में अभी भी सुधार की काफी संभावनाएं हैं। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा के पीछे मूल उद्देश्य आदिवासियों के हितों की रक्षा और उनका संरक्षण करना था। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन लोहरदगा की ओर से अकील एड्पा : बेहतर शिक्षा की ओर कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है जिसका उद्देश्य जिला के 10वीं और 12वीं बोर्ड में शामिल होने वाले छात्र-छात्राओं का रिजल्ट बेहतर करना है। सभी छात्र-छात्राएं शिक्षा के महत्व को समझें और मन लगाकर पढ़ाई करें। आधुनिकता के इस दौर में युवा अपने साथ शिक्षा और संस्कृति को भी साथ लेकर चलें। उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए जिला प्रशासन कृतसंकल्प है।

पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने कहा कि 9 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र के स्तर पर आदिवासी समुदायों से जुड़े विषयों पर कार्य की शुरुआत हुई थी। विश्व आदिवासी दिवस का उद्देश्य केवल आदिवासी संस्कृति का संरक्षण ही नहीं, बल्कि उनके अधिकारों की रक्षा भी है।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति वर्ग के संरक्षण के लिए कई कानूनी प्रावधान हैं। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत भी कई अधिकार दिए गए हैं। पुलिस विभाग द्वारा ऐसे मामलों की निगरानी की जाती है।

सभी लोग अपने अधिकारों को समझें और किसी भी प्रकार के अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाएं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, परियोजना निदेशक आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

विरासत को करीब से जानने-समझने का मिला अवसर

आदिवासी समाज प्रकृति के पूजक और संरक्षक रहे हैं : उपायुक्त

जड़ों से जुड़ना होगा : जिला परिषद अध्यक्ष

जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव ने कहा कि आज आधुनिकता के दौर में हम धीरे-धीरे अपनी संस्कृति और परंपराओं से दूर होते जा रहे हैं। यदि हमें अपनी समृद्ध संस्कृति और विरासत को संरक्षित रखना है तो हमें अपनी जड़ों से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि मांदर, ढोल-नगाड़ा और पारंपरिक संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए जल, जंगल और जमीन से अपना जुड़ाव बनाए रखना होगा। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति और अपने पारंपरिक संसाधनों के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन व्यतीत किया।

लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों एवं योजनाओं का वितरण

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों एवं स्वीकृति पत्रों का वितरण किया गया। 10 छात्र-छात्राओं के बीच मुख्यमंत्री साइकिल वितरण योजना के तहत साइकिल का वितरण किया गया। पेशरार प्रखंड के 05 समुदाय समूह को सामुदायिक वन पट्टा प्रदान किया गया। मसना घेराबंदी के 02 स्वीकृति पत्र वितरित किए गए। जेएसएलपीएस के 02 लाभुकों को 61.80 लाख रुपये के रिवॉल्विंग फंड का चेक प्रदान किया गया। 02 लाभुकों के बीच CIF फंड का चेक प्रदान किया गया। 04 लाभुकों को अबुआ आवास योजना के तहत गृह प्रवेश कराया गया। 01 सेविका एवं 01 सहायिका को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। योजना के तहत 01 लाभुक को 1.30 लाख रुपये का ऋण प्रदान किया गया।

शीघ्र शुरू होगा बॉक्साइट खनन और ट्रकों का परिचालन : धीरज साहू

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। गुमला जिले में जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) का पद रिक्त रहने से बॉक्साइट खनन और परिवहन कार्य प्रभावित होने के मामले को लेकर लोहरदगा-गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल पूर्व राज्यसभा सांसद सह एसोसिएशन के संरक्षक धीरज प्रसाद साहू से उनके आवास पर मिला। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें बताया कि डीएमओ के स्थानांतरण के बाद करीब डेढ़ महीने से पद रिक्त है। इसके कारण बॉक्साइट माइंस को चालान निर्गत नहीं हो रहा है। एसोसिएशन ने बताया कि गुमला जिले में हिंडाल्को की करीब आधा दर्जन माइंस लगभग 15 दिनों से बंद हैं और करीब 1500 ट्रकों का परिचालन ठप है। इससे ट्रक मालिक, चालक, सहचालक, लोडर-अनलोडर सहित गैरेज, पेट्रोल पंप, मोटर पार्ट्स और टायर व्यवसाय से जुड़े करीब 50 हजार लोग प्रभावित हो रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बॉक्साइट लोहरदगा, गुमला और लातेहार की अर्थव्यवस्था की लाइफ लाइन है। मामले की जानकारी मिलने के बाद धीरज प्रसाद साहू ने गुमला उपायुक्त से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वे स्वयं मुख्यमंत्री और राज्य के वरीय अधिकारियों से बात कर रहे हैं। जल्द ही गुमला में डीएमओ की नियुक्ति कर बॉक्साइट खनन एवं ट्रकों का परिचालन शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि प्रभावित लोगों की आजीविका पुनः सुचारू हो सके। प्रतिनिधिमंडल में एसोसिएशन अध्यक्ष कवलजीत सिंह, सचिव मुद्रिका यादव, कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह, उपाध्यक्ष इम्तियाज उर्फ बबलू, सहसचिव बरज सिंह, रहमत अंसारी, मीडिया प्रभारी राजेश शर्मा सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

सेवा भारती का 217वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 49 लोगों की जांच

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला सेवा भारती लोहरदगा की ओर से रविवार को चुन्नीलाल स्कूल परिसर में 217वें निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ एवं पदाधिकारियों ने प्रांतीय संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। शिविर में कुल 49 लोगों ने स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। इस दौरान हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, ब्लड शुगर, बीपी, वजन, हार्टबीट और ऑक्सीजन लेवल की जांच निःशुल्क की गई। अन्य जटिल स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी आधे खर्च पर उपलब्ध कराई गई। प्रांतीय संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार ने कहा कि सुदूर क्षेत्रों से लोग स्वास्थ्य लाभ लेने शिविर में पहुंच रहे हैं, यह प्रसन्नता की बात है। सेवा भारती की टीम का यह कार्य सराहनीय और अतुलनीय है। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा कि जरूरतमंद, गरीब और असहाय लोगों को अधिक से अधिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना संस्था का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि शिविर का संचालन सेवा भारती अपने स्तर से करती है और इसके लिए किसी संस्था से आर्थिक सहयोग नहीं लिया जाता।

करंट लगने से दो मवेशियों की मौत

भंडरा/लोहरदगा। प्रखंड के गडरपो बड़ा टोली गांव में रविवार को बिजली के 11 हजार वोल्ट तार की चपेट में आने से मवेशी की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में किसान को करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है।जानकारी के अनुसार गडरपो बड़ा टोली निवासी घुडू उरांव, पिता बुदू उरांव अपने मवेशियों को चारा रहा थे। इसी दौरान गांव के पास से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के खुले तार टूट कर मवेशियों को अपने चपेट में ले लिया। संपर्क में आने से किसान का मवेशी करंट की चपेट में आ गए। करंट इतना तेज था कि दोनों मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया तब तक काफी देर हो चुकी थी। किसान घुडू उरांव ने बताया कि मृत दोनों मवेशी की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये आंकी गई है। अचानक हुए इस नुकसान से पीड़ित परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है।

'नेशनल लेवल ट्राइबल मीट' का चौथा दिन पहुचे राज्यपाल

वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण में युवाओं का योगदान तय : राज्यपाल गंगवार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के तत्वावधान में चिरी में आयोजित पांच दिवसीय 'नेशनल लेवल ट्राइबल मीट' का चौथा दिन विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बहुसांस्कृतिक उल्लास के बीच संपन्न हुआ।

मौके पर राज्य के राज्यपाल संतोष गंगवार का आगमन हुआ। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे राज्यपाल संतोष गंगवार को जिला पुलिस बल की महिला टुकड़ी द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

इसके बाद राज्यपाल ने प्रदर्शनी परिसर का भ्रमण कर प्रतिभागियों द्वारा तैयार कलाकृतियों व सांस्कृतिक स्टॉलों की सराहना की। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का आंदोलन नई पीढ़ी में सेवा, अनुशासन और देशभक्ति के संस्कार गढ़ रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के संकल्प को मूर्त रूप देने में युवा शक्ति की भूमिका सबसे निर्णायक होगी। इससे पूर्व सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ पारंपरिक कैंप फायर से हुआ।

आचार्य बालकृष्ण जी के जन्मदिवस पर वृक्षारोपण सप्ताह एवं गुरु दक्षिणा कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान जिला लोहरदगा के तत्वावधान में आचार्य बालकृष्ण जी के जन्मदिवस पर वृक्षारोपण सप्ताह एवं गुरुदक्षिणा कार्यक्रम अवसर पर स्थानीय सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम योगाभ्यास किया गया एवं उसके बाद जिला प्रभारी एवं मुख्य योग प्रशिक्षक प्रवीण कुमार भारती के द्वारा आयुर्वेद मनीषी आचार्य बालकृष्ण जी के आयुर्वेद क्षेत्र में किये रहे पुरुषार्थ पर विशेष प्रकाश डाला गया। जिला प्रभारी ने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा विश्व को भारत की दी गई प्रथम चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद चिकित्सा में कोई जोखिम नहीं होता और यह मनुष्य बीमार ही न पड़े इस सिद्धांत पर आधारित है तथा मनुष्य जीवन को रागरहित बनाता है। उन्होंने कहा वर्तमान में आचार्य बालकृष्ण जी हमारे देश आध्यात्मिक योग एवं आयुर्वेद परंपरा के महान विद्वान और संत हैं। इनके द्वारा रचित पुस्तक औषध दर्शन की लाखों प्रतियां बिक चुकी हैं। एवं विश्व भेषज संहिता जैसे कालजयी ग्रन्थ की रचना भी आचार्य बालकृष्ण जी की अनुपम देन है। साथ ही आयुर्वेद पर अनेकों शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स एवं पत्रिकाओं में प्रसारित हो चुके हैं। जिला प्रभारी ने उपस्थित जनों को गिलोय एवं अन्य औषधीय पौधों का प्रयोग और लाभ भी बताए।

लोहरदगा में गूंजा आदिवासी अस्मिता और स्वाभिमान का जयघोष

संस्कृति और पहचान की रक्षा सामूहिक जिम्मेदारी : रविंद्रनाथ

- **विश्व आदिवासी दिवस पर पुराना नगर भवन में भव्य आयोजन, शामिल हुए विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो**

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को पुराना नगर भवन में आदिवासी संस्कृति, परंपरा, कला और स्वाभिमान का भव्य प्रदर्शन हुआ। विश्व आदिवासी दिवस संचालन समिति के संयोजक सुखैर भगत की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाज से अतिथियों के स्वागत, दीप प्रज्ज्वलन और मांदर-नगाड़े की थाप के साथ हुआ। इस दौरान विभिन्न खोड़हा दलों ने पारंपरिक गीत और नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और जीवन-पद्धति भारत की प्राचीन सभ्यता की अमूल्य धरोहर है। आदिवासी समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ प्रकृति एवं मानव के बीच संतुलन का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भाषा, संस्कृति और पहचान की रक्षा के साथ युवा पीढ़ी को शिक्षा एवं जागरूकता के माध्यम से समाज के विकास में आगे आना होगा। उन्होंने आदिवासी समाज की एकता को उसकी सबसे बड़ी शक्ति बताया। आदिवासी समाज अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा और पहचान को मजबूती से आगे बढ़ाए। संयोजक सुखैर भगत ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, पहचान और गौरव को याद करने का अवसर है। हमारी भाषा, संस्कृति, पर्व और जीवन-पद्धति ही हमारी असली पहचान हैं। इन्हें अगली पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोहरदगा की समृद्ध आदिवासी विरासत को जीवंत कर दिया। आयोजन के माध्यम से भाषा, संस्कृति, कला और सामाजिक मूल्यों के संरक्षण तथा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बोकारो कांग्रेस जिलाध्यक्ष जवाहर महथा, धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, प्रदेश महासचिव शशिभूषण राय, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, डीएसपी दिवाकर प्रसाद, प्रो. लोहरा उरांव, समाज कल्याण पदाधिकारी आलोका चौधरी, मोहन दुबे, संतोष महतो, प्रकाश उरांव,पवन गौतम, शाहिद अहमद बेलू, सलीम अंसारी, सत्यजीत सिंह, संतोषी उराँव, सानियरों उराँव, संगीता उराँव, रविन्द्र सिंह खेरवार, विनोद सिंह खेरवार, संतोष उरांव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन नेसार अहमद ने किया, जबकि खोड़हा कार्यक्रम का संचालन खुशी रानी कुजूर ने किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाया समाहरणालय परिसर

लोहरदगा। विश्व आदिवासी दिवस पर लोहरदगा समाहरणालय भवन एवं परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया। समाहरणालय भवन को तिरंगे रंगों की रोशनी से सजाने के साथ-साथ परिसर में स्थित पेड़-पौधों एवं अन्य स्थानों पर भी रंग-बिरंगी लाइटिंग की गई। विद्युत सज्जा के बाद पूरा समाहरणालय परिसर आकर्षक एवं मनमोहक नजर आ रहा है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर समाहरणालय परिसर में भी उत्सव का माहौल देखने को मिला।

मांदर की थाप और लोकनृत्य से गूंजा गुमला

- विश्व आदिवासी दिवस पर नगर भवन में सजा झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026, जल-जंगल-जमीन से अधिकार, आजीविका और सशक्तीकरण तक दिखी आदिवासी विरासत की झलक

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। मांदर की गूंज, झारखंडी लोकगीतों की मधुर धुन, पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों और मनमोहक लोकनृत्यों की प्रस्तुतियों से रविवार को गुमला का नगर भवन आदिवासी संस्कृति के रंग में सराबोर हो गया। अवसर था विश्व आदिवासी दिवस और मंच था झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच आदिवासी समाज की समृद्ध परंपरा, प्रकृति से जुड़ाव और अधिकारों के संरक्षण का संदेश भी गूंजा।

जिला प्रशासन के तत्वावधान में जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा जिला कल्याण विभाग-सह-एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण की ओर से नगर भवन में जिला स्तरीय झारखंड आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपायुक्त दिलेश्वर महतो शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमा, वन प्रमंडल पदाधिकारी अहमद बेलाल अनवर, उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन, अपर समाहर्ता राजीव नीरज सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों का स्वागत पारंपरिक मांदर की थाप, झारखंडी गीत और लोकनृत्य के साथ किया गया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने नगर भवन में ऐसा माहौल बनाया कि पूरा परिसर झारखंड की आदिवासी संस्कृति की जीवंत तस्वीर बन गया। मुख्य कार्यक्रम से पहले उपायुक्त सहित जिले के वरीय पदाधिकारियों ने वीर महापुरुषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उपायुक्त दिलेश्वर महतो समेत अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ किया।

उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने विश्व आदिवासी दिवस पर जिले के आदिवासी समुदाय के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज सदियों से जल, जंगल और जमीन की रक्षा के साथ अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में कई संस्कृतियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। ऐसे में अपनी परंपरा, भाषा, कला और सांस्कृतिक विरासत को बचाकर अगली पीढ़ी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

उपायुक्त ने कहा कि महोत्सव में प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य और कला झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कलाकारों, समुदाय के प्रबुद्ध सदस्यों, लाभुकों और आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

उप विकास आयुक्त अनिमेष रंजन ने कहा कि झारखंड आदिवासी महोत्सव केवल गीत-संगीत और नृत्य का मंच नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और विकास को एक साथ जोड़ने का अवसर है। उन्होंने कलाकारों और विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पहुंचे और आदिवासी समुदाय के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी संस्कृति और पहचान को भी संरक्षित रखा जाए।

महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आदिवासी समुदाय के अधिकार और आजीविका को मजबूत करने की दिशा में भी पहल की गई। वनाधिकार अधिनियम, 2006 के तहत चार समितियों के बीच कुल 3344.67 एकड़ भूमि का सामुदायिक वन पट्टा वितरित किया गया। वहीं सरना घेराबंदी की चार समितियों के लाभुकों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया गया। आदिवासी समाज की पारंपरिक सामुदायिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दो समितियों के धुमकुड़िया भवन के लिए वाद्य यंत्र भी प्रदान किए गए।

महिला सशक्तीकरण और आजीविका संवर्धन के तहत तीन स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के बीच कुल 15.50 लाख रुपये की ऋण लिंकेज राशि वितरित की गई। वहीं राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत चयनित 508 अनुसूचित जनजाति के किसानों को योजना से जोड़ा गया और उन्हें लाभ प्रदान किया गया। महोत्सव परिसर में जिला प्रशासन की योजनाओं और विभिन्न सरकारी सेवाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने के लिए 14 विभागों एवं संस्थानों के स्टॉल लगाए गए। इनमें एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरण, वन विभाग, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, स्वास्थ्य, उद्यान, मत्स्य, कृषि, आपूर्ति, शिक्षा, पंचायती राज, हिंडाल्को तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के स्टॉल शामिल रहे। उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, वन प्रमंडल पदाधिकारी सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने स्टॉलों का निरीक्षण कर विभागीय योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी ली। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लाभुक, कलाकार, विद्यार्थी, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, किसान और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। झारखंड आदिवासी महोत्सव- 2026 ने गुमला की उस सांस्कृतिक पहचान को फिर जीवंत कर दिया, जिसमें मांदर की थाप महज संगीत नहीं, बल्कि परंपरा की आवाज है। लोकनृत्य केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही विरासत है और जल, जंगल, जमीन केवल संसाधन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के जीवन, संस्कृति और अस्तित्व का आधार हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर नारी शक्ति सम्मान समारोह

- विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट महिलाओं को मिला सम्मान
- शैलपुत्री फाउंडेशन ने प्रशस्ति पत्र और पारंपरिक वस्त्र देकर किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शैलपुत्री फाउंडेशन, भरनो की ओर से शैलपुत्री नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, रांची और खूंटी जिलों से पहुंचीं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं पारंपरिक वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शैलपुत्री फाउंडेशन स्कूल के बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम से हुई। इसके बाद अतिथियों का झारखंडी रीति-रिवाज से स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अधिवक्ता संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्याम बिहारी प्रजापति ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और उन्हें जागरूक करने की दिशा में शैलपुत्री फाउंडेशन की पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं।

प्रखंड प्रमुख पारसनाथ उरांव ने कहा कि भरनो क्षेत्र में महिलाओं के सम्मान में इस तरह का बड़ा कार्यक्रम पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि शैलपुत्री फाउंडेशन महिलाओं को जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में बेहतर कार्य कर रहा है। ऐसे कार्यक्रमों में हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

मौके पर शैलपुत्री फाउंडेशन के निदेशक विनय कुमार केसरी, दक्षिणी भरनो पंचायत की मुखिया ललिता देवी, स्टेट ट्रेनर रमाकांत सिंह, अधिवक्ता विमला लोहा, प्रिया केरकेट्टा, अनिमा बड़ा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखे। समारोह में आरती सिंह, मीणा देवी, समीना तिर्की, मंजुलता देवी, दशमी, संजू देवी, किरण कुमारी, कविता कुमारी, पूजा देवी, अर्चना सिंह, काजल सिंह, नीलू परवीन, अनुपम उरांव, मनी देवी, मनीषा कुमारी, सुषमा कुमारी, विमला लोहार, देवंती कुमारी, खुशबू रानी केसरी, सुमति देवी, सुनीता केसरी, रश्मि बड़ा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिलाएं, ग्रामीण और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुआवजा भुगतान में देरी का मामला

55.97 लाख के मुआवजे के लिए छह माह से कार्यालय के चक्कर काट रहा रैयत

- समझौते और नोटिस के बावजूद भुगतान नहीं, भू-अर्जन कार्यालय की कार्यशैली पर उठे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। भारतमाला परियोजना के तहत अधिग्रहित जमीन का 55.97 लाख रुपये मुआवजा पाने के लिए एक रैयत पिछले करीब छह माह से जिला भू-अर्जन कार्यालय का चक्कर काटने को विवश है। कई बार शिकायत, सुनवाई और आपसी समझौते के बावजूद अब तक मुआवजा राशि का भुगतान नहीं होने पर पीड़ित रैयत शांतिप्रकाश लकड़ा ने भू-अर्जन कार्यालय की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कार्यालय स्तर से लगातार आश्वासन दिया जा रहा है, लेकिन भुगतान के मामले में टाल-मटोल की जा रही है।

शांतिप्रकाश लकड़ा के अनुसार, वह मूल रूप से असम के हाथीगढ़ चाय बागान में रहते हैं। भारतमाला परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के चौड़ीकरण के लिए मौजा चंदाली, पंचाट संख्या 16, खाता संख्या 29, प्लॉट संख्या 299 एवं 669 की जमीन अधिग्रहित की गई थी। इसके एवज में कुल 3 करोड़ 35 लाख 83 हजार 202 रुपये मुआवजा निर्धारित किया गया था। उनका दावा है कि उक्त मुआवजा राशि खतियानी रैयत दशई उरांव, पिता बुधराम उरांव के वंशजों के बीच तीन हिस्सों में भुगतान की जानी थी। इसमें एक हिस्सा बंधना उरांव के वंशज मेझरेस लकड़ा और शांतिप्रकाश लकड़ा को मिलना था। आरोप है कि भू-अर्जन कार्यालय की ओर से केवल उनके भाई मेझरेस लकड़ा को करीब 1 करोड़ 94 हजार 400 रुपये की पूरी राशि का भुगतान कर दिया गया, जबकि शांतिप्रकाश लकड़ा का नाम वंशावली में शामिल नहीं किया गया।

मामले की जानकारी मिलने के बाद शांतिप्रकाश लकड़ा 13 फरवरी 2026 को असम से गुमला पहुंचे। उन्होंने बसिया प्रखंड के बंगरकेला निवासी अपने साढ़ू नथनियल लकड़ा के यहां रहकर मामले को लेकर भू-अर्जन कार्यालय में कार्रवाई शुरू की। उन्होंने 11 मार्च 2026 को जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के बाद कार्यालय की ओर से ज्ञापांक 161/जि.भू., दिनांक 30 मार्च 2026 के माध्यम से मेझरेस लकड़ा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। मामले की सुनवाई 10 अप्रैल 2026 को हुई। शांतिप्रकाश के अनुसार, सुनवाई के दौरान उनके बड़े भाई ने मुआवजा राशि का आधा हिस्सा उन्हें देने पर सहमति जताई।

इसके बाद 11 मई 2026 को दोनों पक्षों के संयुक्त हस्ताक्षर वाला आपसी समझौतानामा भू-अर्जन कार्यालय में जमा किया गया। उस समय 10-15 दिनों के भीतर राशि का भुगतान किए जाने की बात कही गई थी। लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें उनके हिस्से की 55.97 लाख रुपये की राशि नहीं मिल सकी है।

दोबारा नोटिस के बाद भी नहीं हुआ भुगतान : शांतिप्रकाश का कहना है कि भुगतान नहीं होने पर उन्होंने कई बार भू-अर्जन कार्यालय के अधिकारियों से संपर्क किया। इसके बाद कार्यालय की ओर से ज्ञापांक 286/भू.अ., दिनांक 25 मई 2026 के माध्यम से दोनों पक्षों को दोबारा नोटिस जारी कर बुलाया गया। इसके बावजूद भुगतान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी।

उनका आरोप है कि लगातार कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें स्पष्ट समाधान नहीं मिल रहा है। छह माह से अधिक समय से गुमला में रहकर अपने हक की राशि के लिए प्रयास कर रहे शांतिप्रकाश आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं।

आरटीआई का जवाब नहीं मिला तो की विभागीय अपील : मुआवजा भुगतान की स्थिति और आगे की कार्रवाई की जानकारी प्राप्त करने के लिए शांतिप्रकाश ने 7 जुलाई 2026 को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत भू-अर्जन कार्यालय से जानकारी मांगी। उनका कहना है कि निर्धारित समय-सीमा में आरटीआई का जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने 8 अगस्त 2026 को अपर समाहर्ता, गुमला के समक्ष विभागीय अपील दायर की है।

शांतिप्रकाश का कहना है कि जमीन अधिग्रहण के बाद संबंधित रैयत को मुआवजा राशि समय पर मिलनी चाहिए, लेकिन उनके मामले में शिकायत, सुनवाई, नोटिस और आपसी समझौते के बाद भी भुगतान लंबित है। उन्होंने जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर 55.97 लाख रुपये की मुआवजा राशि का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है।

कार्यालय की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल : पूरे मामले में सवाल उठ रहा है कि जब शिकायत के बाद भू-अर्जन कार्यालय ने नोटिस जारी किया, दोनों पक्षों की सुनवाई हुई और संयुक्त समझौतानामा भी कार्यालय में जमा हुआ, तो इसके बाद भी मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया अब तक पूरी क्यों नहीं हो सकी। पीड़ित का आरोप है कि वह महीनों से कार्यालय का चक्कर लगा रहा है, जबकि उसके हक की राशि का भुगतान अब तक लंबित है। ऐसे में भू-अर्जन कार्यालय की कार्यप्रणाली और भुगतान प्रक्रिया में हो रही देरी पर सवाल उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि विभागीय अपील के बाद जिला प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है और रैयत को उसके हिस्से की मुआवजा राशि कब तक मिलती है।

चैनपुर में विश्व आदिवासी दिवस पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

- अमर शहीद अल्बर्ट एक्का को दी श्रद्धांजलि, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर (गुमला)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को चैनपुर में आदिवासी एकता मंच और गुड शेफर्ड के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के बाद परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद बारवे मैदान में मुख्य समारोह हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर की। मुख्य अतिथि के रूप में चैनपुर अनुमंडल पदाधिकारी हरि उरांव और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रुति मौजूद रहीं। अतिथियों ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज की संस्कृति, एकजुटता और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने पर जोर दिया। समारोह को संबोधित करते हुए जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि आदिवासी समाज को अपने हक और अधिकारों के प्रति जागरूक होकर आगे आने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अधिकारों की प्राप्ति के लिए समाज को संगठित होकर आवाज उठानी होगी। सांसद प्रतिनिधि अल्बर्ट तिग्गा ने बच्चों द्वारा अपने अधिकारों की मांग को लेकर किए जा रहे धरना-प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि हक और अधिकार पाने के लिए संघर्ष जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय ग्रामीणों और बच्चों ने पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक गीतों की आकर्षक प्रस्तुति दी। इससे उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मौके पर जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, थाना प्रभारी अरविंद कुमार, एसआई विजय उरांव, मुखिया शोभा देवी, सुशील दीपक मिंज, मधुरा मिंज, प्रियंका असुर, पूर्व उपप्रमुख अनुप संजय टोप्पो, उपप्रमुख प्रमोद खलखो, सांसद प्रतिनिधि अल्बर्ट तिग्गा, गुड शेफर्ड कॉन्वेंट की सिस्टर नीतियां, कुमुद मुंडा, सिस्टर निर्मल लकड़ा, सिस्टर ज्योति, सिस्टर स्वाति, लीडर प्रोजेक्ट ज्योति, फिया फाउंडेशन, हीरा बरवे कॉन्वेंट रामपुर की सिस्टर दीप्ति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

भरनो के टंगराटोली में 21 पड़हा समिति ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस

- पारंपरिक नृत्य-संगीत ने बांधा समां, प्रमुख बोले- कुरीतियों, नशापान और अंधविश्वास से दूर रहकर ही बनेगा सशक्त समाज

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। प्रखंड के दक्षिणी भरनो पंचायत अंतर्गत टंगराटोली स्थित चबूतरे पर रविवार को 21 पड़हा समिति के तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं समाज के अगुवा लोगों ने स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर किया।

कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपरा की जीवंत झलक देखने को मिली। स्थानीय आदिवासी युवतियों ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य और संगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम स्थल पर आदिवासी संस्कृति, सामाजिक एकता और परंपराओं को संरक्षित रखने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 21 पड़हा समिति के अध्यक्ष लधूवा उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज को अब जागरूक होने की जरूरत है। यदि समाज समय रहते नहीं जागा तो आने वाले समय में उसके हक और अधिकारों पर दूसरे लोग कब्जा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के विकास का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है। इसलिए प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए गंभीर हों। शिक्षा के माध्यम से ही समाज अपने अधिकारों को समझ सकेगा और अपने हक के लिए मजबूती से आवाज उठा सकेगा।

प्रखंड प्रमुख पारसनाथ उरांव ने कहा कि आदिवासी समाज में समय के साथ कई कुरीतियां घर कर गई हैं, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से नशापान से बचने तथा अंधविश्वास के चक्कर में नहीं पड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब समाज नशामुक्त, शिक्षित और जागरूक होगा, तभी बेहतर और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

प्रमुख ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिवस आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, अधिकारों और पहचान को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होकर सामाजिक एकता का परिचय देने तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ी तक पहुंचाने की अपील की।

कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। भरनो थाना के सब इंस्पेक्टर महादेव यादव तथा मजिस्ट्रेट सह अंचल निरीक्षक शाहिद अनवर की अगुवाई में पुलिस बल कार्यक्रम स्थल पर मुस्तैद रहा। मंच संचालन अमित उरांव ने किया।

समारोह को सफल बनाने में पूर्व मुखिया सूरजमनी उरांव, पंचायत समिति सदस्य बिरसा उरांव, ग्राम प्रधान तेतरा उरांव, मनसा उरांव, जुगल उरांव, एतवा उरांव, शनि उरांव, सुभानी उरांव, पिंटू बड़ाइक, चरवा उरांव, शनिराम उरांव, नगवा पाहन, ललित उरांव, गणेश उरांव सहित 21 पड़हा समिति के सभी सदस्यों एवं पाहन-पुजारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चैनपुर में हाथी ने दो ग्रामीणों के मकान को किया क्षतिग्रस्त

- वन विभाग ने राहत सामग्री बांटकर सतर्क रहने की अपील की

चैनपुर (गुमला)। चैनपुर प्रखंड अंतर्गत बम्हनी गांव में एक जंगली हाथी ने दो ग्रामीणों के मकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना में बम्हनी निवासी जागेश्वर सिंह और रूपलाल लोहरा के मकान को नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वनपाल राजकुमार और नवल किशोर दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर क्षतिग्रस्त मकानों का आकलन किया। इस दौरान प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत के तौर पर टॉर्च और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। वनपाल राजकुमार ने बताया कि वर्तमान में श्रीनगर के जंगलों में तीन हाथियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि कोई भी ग्रामीण हाथियों के करीब न जाए और न ही उन्हें छेड़ने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि हाथियों से दूरी बनाए रखकर ही संभावित जनहानि से बचा जा सकता है। वन विभाग के अधिकारियों ने प्रभावित गृहस्वामियों को आश्वस्त किया कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद नियमानुसार जल्द मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

सब्जी बाजार की बदहाली

कीचड़ में बाजार, खतरे में खरीदार! जलजमाव से बढ़ी परेशानी, बीमारी का भी डर

- शहर के बीचों-बीच सब्जी बाजार की बदहाली, गंदे पानी के बीच खरीदारी करने को विवश लोग, दो ग्राहक फिसलकर गिरे

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शहर के बीचों-बीच स्थित प्रमुख सब्जी बाजार इन दिनों बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है। बाजार परिसर में जगह-जगह जलजमाव और फैले कीचड़ ने दुकानदारों के साथ खरीदारी करने पहुंचने वाले लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। रोजाना सैकड़ों लोगों की आवाजाही वाले इस बाजार में लोगों को गंदे पानी और कीचड़ के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। बारिश के बाद बाजार परिसर की स्थिति और खराब हो गई है। कई स्थानों पर पानी जमा होने से रास्ते कीचड़ में तब्दील हो गए हैं। हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि शनिवार को दो लोग कीचड़ में फिसलकर गिर गए। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि, लगातार बनी यह स्थिति कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

गंदगी के बीच सब्जी खरीदने की मजबूरी : बाजार में आने वाले लोगों का कहना है कि जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहता है। इससे रास्तों पर कीचड़ फैल जाता है और पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का सवाल है कि जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने पहुंचते हैं, वहां साफ-सफाई और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

जमा पानी से बीमारी का खतरा : बाजार परिसर में लंबे समय तक गंदा पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका है। इससे डेंगू, मलेरिया समेत अन्य मच्छरजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। गंदगी और सड़ांध के कारण बाजार के वातावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि कीचड़ के कारण ग्राहक परेशान होते हैं और दुकानदारों को भी दुकान लगाने तथा सामान बचाने में परेशानी होती है। कई स्थानों पर गंदगी के कारण बाजार की स्थिति बेहद खराब हो गई है।

स्वच्छ शहर के दावों पर सवाल : शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन मुख्य सब्जी बाजार की बदहाल स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार जैसे सार्वजनिक और व्यस्त स्थल पर जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। सब्जी विक्रेताओं और स्थानीय लोगों ने जलजमाव, कीचड़ और गंदगी की समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि नियमित सफाई के साथ जलनिकासी की बेहतर व्यवस्था की जाए, ताकि बाजार में आने वाले लोगों को दुर्घटना और बीमारी के खतरे के बीच खरीदारी करने के लिए मजबूर न होना पड़े।

घाघरा में डीएमओ के अभाव में डेढ़ माह से ठप बॉक्साइट कारोबार

- 1500 ट्रक खड़े, 50 हजार लोगों की रोजी-रोटी पर संकट

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा (गुमला)। जिले में करीब डेढ़ माह से जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) के पद पर अधिकारी नहीं होने के कारण बॉक्साइट खनन और परिवहन कारोबार प्रभावित है। चालान निर्गत नहीं होने के कारण जिले की करीब आधा दर्जन बॉक्साइट खदानें बंद पड़ी हैं, जबकि लगभग 1500 ट्रक खड़े हैं। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े करीब 50 हजार लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न होने का दावा किया जा रहा है।

इस मामले को लेकर लोहरदगा-गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलजीत सिंह ने इंटरनेट माध्यम एक्स के जरिए झारखंड के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, गुमला उपायुक्त, खान निदेशक और खान सचिव से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कमलजीत सिंह ने कहा कि डीएमओ के नहीं रहने के कारण चालान निर्गत नहीं हो रहा है। इसके चलते बॉक्साइट की करीब आधा दर्जन खदानें बंद हैं और लगभग 1500 ट्रक खड़े हैं। उन्होंने कहा कि इस कारोबार से हजारों परिवारों की रोजी-रोटी जुड़ी हुई है। लंबे समय तक काम बंद रहने से करीब 50 हजार लोगों के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न होने की आशंका है। उन्होंने सरकार और संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द डीएमओ की व्यवस्था करने और चालान निर्गत करने की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग की, ताकि बंद पड़ी खदानों और खनिज परिवहन का काम दोबारा शुरू हो सके। ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अनुसार बॉक्साइट खनन और परिवहन से जुड़े वाहन मालिकों, चालकों, उपचालकों और मजदूरों समेत बड़ी संख्या में लोगों की आय इसी कारोबार पर निर्भर है। कारोबार ठप होने से वाहन मालिकों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है, जबकि ट्रक चालकों और मजदूरों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, राज्यपाल, खान विभाग के अधिकारियों और जिला प्रशासन से जल्द समाधान की अपील की है। एसोसिएशन का कहना है कि समय रहते चालान की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो इसका सीधा असर हजारों परिवारों की आजीविका पर पड़ेगा।

विचार प्रवाह सच्ची प्रसन्नता तभी मिलती है जब आपकी इच्छा-शक्ति आत्मा के विवेक द्वारा निर्देशित होती है और आप किसी भी समय, किसी भी जगह, बुराई के स्थान पर अच्छाई का चयन इसलिए करते हैं क्योंकि आप अच्छाई के लिए अच्छाई को चाहते हैं। तब आप सही अर्थ में मुक्त होंगे। - **श्री श्री परमहंस योगानंद, योगदा सत्संग पाठ**

राष्ट्रीय नवीन मेल

आदिवासी वोट बैंक की राजनीति और सांस्कृतिक प्रहसन

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

असली आदिवासी कौन और सरना, आदिधर्म, सनातन या ईसाई के मुद्दे पर गरमाई राजनीति के बीच अनेक बातें सोशल मीडिया के माध्यम से तैर रहीं हैं जिससे झारखंड सहित हिंदी पट्टी के कुछ राज्यों में अनुसूचित जनजातीय आबादी फोकस में है। आदिवासी समुदाय सरल, ईमानदार और मेहनती है और इन लोगों का शोषण करने वाले लोग आजादी के पहले से बदलते रहे पर शोषण रुका नहीं। आज भी केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं की रेलपेल के बीच एक अभिजात्य वर्ग तैयार हुआ है जो सचमुच के पिछड़े गरीब आदिवासियों-मूलवासियों का हक मार रहा है। झारखंड बने 26 वर्ष और देश की आजादी के 79 वर्ष हो रहे हैं आज तक जितनी प्रमुख पार्टियों देश में और झारखंड में आईं लगभग सभी ने अपने को आदिवासियों का सच्चा हितैषी और संरक्षक बताया लेकिन चंद चमकते हुए अभिजात्य वर्ग के जनजातियों को छोड़ दिया जाए तो झारखंड सहित भारत के आदिवासी इलाकों में डायन प्रथा विकास की पोल खोलती है। डायन प्रथा के मूल में दो मुख्य कारण हैं पहला किसी अकेली लाचार आदिवासी या दलित महिला की संपत्ति हड़पना और दूसरा इलाज की समुचित व्यवस्था नहीं होना। यह दोनों अवस्थाएं हमारे सारे विकास के दावों की पोल खोलती है यदि कोई अकेली महिला को समाज या सरकारें सुरक्षा नहीं दे पा रहीं या आंकड़ों के हिसाब से अरबों रूपए के बजट से चलने वाले हर गांव के आसपास स्वास्थ्य उपकेंद्र केंद्र रेफरल और अलग-अलग नाम से छोटे-बड़े सरकारी अस्पतालों की श्रृंखला है तब झाड़ फूंक करने की नौबत क्यों आ रही है? वस्तु स्थिति यह है की राजनीतिक पार्टियां विकास के नाम पर जनजातीय समुदाय को लुभाने के लिए बड़े-बड़े दावे करती हैं कोई उनको पैसे देता है कोई उनका सम्मान देने की बात करता है और कोई उनके लिए अलग-अलग योजनाएं बनाता है लेकिन इसकी मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार की कहानियों की ऐसी लंबी श्रृंखला है जो गांव से लेकर जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री तक आज भी हमें आईना दिखा रही हैं । दूसरी और जो पढ़े-लिखे विकसित आदिवासी हैं उनके अंदर एक अभिजात्य वर्ग तैयार हो गया है जो या तो सरकारी अफसर रहे हैं या नेताओं से जुड़े हुए लोग या कुछ मामलों में बड़े भूस्वामी हैं । इस वर्ग की सोच लगभग वैसी ही है जैसे तथाकथित शोषक वर्ग की है यह वर्ग कई बार मांग कर चुका है कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम के उस प्रावधान को शिथिल कर दिया जाए जिसमें एक ही थाना क्षेत्र के ही आदिवासियों को जमीन की खरीद बिक्री करने की अनुमति दी गई है इसकी बारीकी यह है कि यह वर्ग यह नहीं चाहता कि समुदाय गरीब अपने बच्चों की पढ़ाई व्यवसाय या अन्य कार्यों के लिए लाखों करोड़ों के बाजार मूल्य पर जमीन का लेनदेन कर पाएं लेकिन अगर वह आधे दाम पर बेचे तो उन्हें । वे यह भी नहीं चाहते कि लीज पर जमीन रखकर व्यापार या बाजार मूल्य पर बिक्री के आधार पर उन गरीब आदिवासियों के बच्चों की पढ़ाई अच्छी हो वह भी समाज की मुख्य धारा में आएं यही कारण है कि आरक्षण की सुविधा जो यह नवअभिजात्य वर्ग जो अंग्रेजी माध्यम या बड़े शिक्षण संस्थानों में पढ़कर आता है वह ले लेता है चाहे वह नौकरी हो या उच्च शिक्षा। बिना वैध बिक्री रजिस्ट्री के मिट्रटी के मोल जमीन सादे कागज पर बड़े पैमाने पर गैरआदिवासी कब्जा रहे हैं ऐसे आरोप उछलते रहते है। राजनीति इन्हें रोकने की नहीं भड़का कर गोलबंद कर वोट बैंक में ही बदलने की रही है। दिलचस्प बात यह है कि टाइटल के आधार पर आप अगर पूछें कि आपकी घर की भाषा क्या है आप अपने बच्चों से किस भाषा में बात करते हैं तो पता चलेगा कि वे जिस समुदाय से आते हैं उसकी भाषा नहीं जानते अपने घरों में अपने बच्चों को अंग्रेजी सिखा रहे हैं आदिवासी रीति रिवाज की दुहाई सभी देते हैं लेकिन पाश्चात्य रीति रिवाज से लेकर अलग-अलग रीति रिवाज मानने वालों की एक बड़ी संख्या झारखंड में है जो झारखंड के गांव की आखरा संस्कृति गीत संगीत और पारंपरिक पर्व त्योहार से दूर हटती जा रही है जिसका सबसे बड़ा प्रमाण झारखंड के मेले और बाजार हैं जहां आधुनिकता का शोर है और स्पष्ट रूप से अभिजात्य वर्ग के आदिवासियों की सांकेतिक भागीदारी फोटो खिंचाने तक सिमट कर रह गई है। 32 जनजातियों वाले झारखंड राज्य की कुल जनसंख्या लगभग 3करोड़ 30 थी । इनमें से 26% अनुसूचित जनजातियां हैं और 78% ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। 1881 की जनगणना के बाद से झारखंड की जनजातीय जनसंख्या में लगातार गिरावट देखी गई है। 2011 की जनगणना के अनुसार, राज्य की कुल जनसंख्या 32,988,134 में से 8,645,042 अनुसूचित जनजातियाँ थीं। झारखंड में जनजातीय संस्कृति को बचाने के लिए जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग जिसमें 9 भाषाओं की स्नातकोत्तर स्तर पर पढाई बिहार के ज़माने से हो रही है को समृद्ध कर शोध केंद्र के रूप में विकसित करना चाहिए जिसमें छात्रों के साथ योग्य शिक्षकों की संख्या घटती जा रही है ।

एफसीआरए संशोधन विधेयक : विदेशी चंदे पर नियंत्रण या संस्थाओं की स्वायत्तता पर नया सवाल ?

आज की बात

सत्येंद्र प्रताप सिंह

विदेशी चंदे का मामला भारत में हमेशा संवेदनशील रहा है। सरकार का तर्क है कि विदेशी धन भारत की राजनीति, सामाजिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने का माध्यम नहीं बनना चाहिए। दूसरी तरफ हजारों सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और जनकल्याणकारी संस्थाएं विदेशी सहयोग के जरिए वर्षों से काम कर रही हैं। इसीलिए जब विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 संसद में आता है, तो बहस सिर्फ विदेशी चंदे की निगरानी तक सीमित नहीं रहती। सवाल यह भी उठता है कि विदेशी फंडिंग लेने वाली संस्थाओं पर सरकार का नियंत्रण कितना हो और उस नियंत्रण की सीमा कहां तक हो। 25 मार्च 2026 को लोकसभा में पेश किया गया यह विधेयक अभी लंबित है। सरकार इसे आगे बढ़ाने की तैयारी में है, जबकि विपक्ष और कुछ प्रभावित संगठनों ने इसके कई प्रावधानों पर सवाल उठाए हैं। विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हिस्सा उन संस्थाओं की संपत्तियों से जुड़ा है जिनका एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो जाता है, संस्था खुद पंजीकरण वापस कर देती है या उसका नवीनीकरण नहीं हो पाता। प्रस्तावित व्यवस्था में ऐसी स्थिति में विदेशी योगदान से जुड़ी संपत्तियों और धन के प्रबंधन के लिए नामित प्राधिकारी की भूमिका तय की गई है। यहीं से बहस शुरू होती है। मान लीजिए किसी संस्था ने विदेशी सहयोग से वर्षों में स्कूल, अस्पताल, छात्रावास या कोई सामाजिक सेवा केंद्र बनाया। बाद में उसका एफसीआरए पंजीकरण रद्द हो गया या नवीनीकरण नहीं हुआ। तब उस संपत्ति के भविष्य का फैसला किसके हाथ में होगा? सरकार कहती है कि ऐसी संपत्तियों को अनिश्चितकाल तक ऐसी संस्था के नियंत्रण में नहीं छोड़ा जा सकता जिसका एफसीआरए दर्जा समाप्त हो चुका है। लेकिन आलोचकों का सवाल है कि क्या प्रशासनिक कार्रवाई के आधार पर किसी संस्था की वर्षों में बनाई गई संपत्ति पर सरकारी नियंत्रण स्थापित करना उचित प्रक्रिया के पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ किया जाएगा? इस सवाल का जवाब थोड़ा जटिल है। विधेयक को केवल "संपत्ति जब्ती" के रूप में देखना पूरी तस्वीर नहीं होगी। प्रस्तावित व्यवस्था में संपत्ति के अस्थायी नियंत्रण और उसके बाद की प्रक्रिया

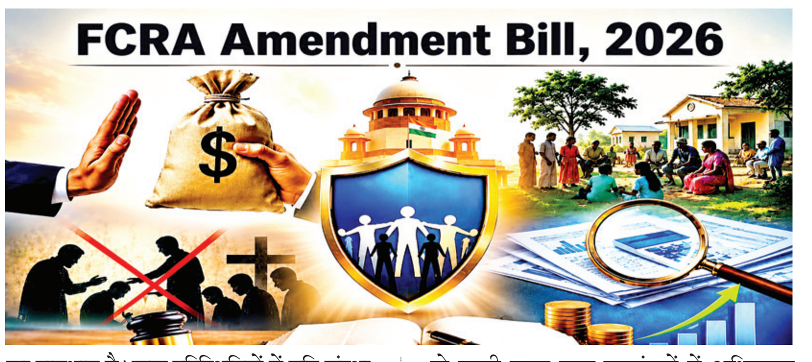

का प्रावधान है। कुछ परिस्थितियों में यदि संस्था अपना पंजीकरण बहाल या नवीनीकृत करा लेती है, तो संपत्ति अथवा अप्रयुक्त धन की वापसी की व्यवस्था भी हो सकती है। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल फिर भी खड़ा होता है-जिस संस्था का प्रमाणपत्र रद्द हुआ है, उसे राहत पाने में कितना समय लगेगा और तब तक उसकी संपत्ति का क्या होगा? किसी संस्था के लिए यह महज कानूनी सवाल नहीं है। उसके पीछे कर्मचारी, लाभार्थी, अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज, स्कूल में पढ़ रहे बच्चे और वर्षों से चल रहे सामाजिक कार्यक्रम भी हो सकते हैं। इस बहस में सरकार की चिंता को नजरअंदाज करना भी उचित नहीं होगा। भारत में विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करने के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और वित्तीय पारदर्शिता का सवाल है। विदेशी धन का इस्तेमाल यदि राजनीतिक गतिविधियों, धार्मिक ध्रुवीकरण, गैरकानूनी गतिविधियों या देश के हितों के विरुद्ध किया जाता है, तो सरकार के पास कार्रवाई का अधिकार होना ही चाहिए।

एफसीआरए का मूल उद्देश्य भी यही है कि विदेशी योगदान का इस्तेमाल पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। समस्या तब पैदा होती है जब नियमन और नियंत्रण के बीच की सीमा धुंधली होने लगे। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून का इस्तेमाल केवल वास्तविक उल्लंघन के खिलाफ हो, न कि वैचारिक या प्रशासनिक असहमति रखने वाली संस्थाओं को दबाने के लिए।

विधेयक का एक ऐसा पहलू भी है जिसकी चर्चा अपेक्षाकृत कम हो रही है। प्रस्तावित संशोधन में एफसीआरए उल्लंघन के लिए अधिकतम कारावास की सजा को पांच वर्ष से घटाकर एक वर्ष करने का प्रस्ताव है। यानी विधेयक के सभी प्रावधानों को एकतरफा "कठोर" बताना भी सही तस्वीर नहीं होगी। एक तरफ सरकार को संपत्तियों के संबंध में ज्यादा प्रशासनिक शक्ति देने का प्रस्ताव है, तो दूसरी तरफ कुछ उल्लंघनों में अधिकतम जेल की सजा कम करने की बात की गई है। इसलिए विधेयक का मूल्यांकन पूरे पैकेज के रूप में करना जरूरी है। विदेशी सहयोग लेने वाली संस्थाओं में धार्मिक और सामाजिक संगठन भी शामिल हैं। विशेष रूप से कुछ ईसाई संगठनों ने प्रस्तावित बदलावों को लेकर चिंता जताई है। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद यह मुद्दा और चर्चा में आया। उन्हें कथित तौर पर आश्वासन दिया गया कि नया प्रावधान पूर्वप्रभावी यानी पिछली तारीख से लागू नहीं होगा। यह आश्वासन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि कानून को पिछली अवधि पर लागू किया जाता, तो पहले से मौजूद संस्थाओं और संपत्तियों पर इसके प्रभाव को लेकर कहीं ज्यादा गंभीर विवाद पैदा हो सकता था। फिर भी भविष्य को लेकर सवाल बाकी है। यदि किसी संस्था का एफसीआरए प्रमाणपत्र किसी कारण से रद्द होता है तो क्या उसे पर्याप्त समय, सुनवाई और प्रभावी अपील का अधिकार मिलेगा? यही वह सवाल है जिसका स्पष्ट जवाब कानून में जितना मजबूत होगा, विवाद उतना कम होगा।

विपक्ष का सबसे बड़ा तर्क है कि इतना महत्वपूर्ण विधेयक जल्दबाजी में पारित नहीं किया जाना चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने विधेयक को वापस लेने या संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के पास भेजने की मांग की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी विधेयक पर पुनर्विचार की मांग की है।

जेपीसी की मांग को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखना भी सही नहीं होगा। जब किसी कानून का प्रभाव हजारों संस्थाओं, करोड़ों रुपये की विदेशी सहायता और उनसे बनी संपत्तियों पर पड़ सकता है, तो व्यापक संसदीय जांच और हितधारकों से बातचीत लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत ही करती है।

सरकार इसे आगे बढ़ाने के मूड में दिखाई देती है। लोकसभा में सरकार के पास पर्याप्त राजनीतिक ताकत होने के कारण वहां विधेयक के आगे बढ़ने की संभावना ज्यादा है। असल राजनीतिक परीक्षा राज्यसभा में और उससे पहले विधेयक पर होने वाली बहस में होगी। सरकार के सामने दो रास्ते हैं पहला, मौजूदा स्वरूप में विधेयक को तेजी से पारित कराने की कोशिश करना। दूसरा, विपक्ष और प्रभावित संगठनों की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए कुछ सुरक्षा प्रावधानों को और स्पष्ट करना। दूसरा रास्ता सरकार के लिए जरूरी नहीं कि राजनीतिक कमजोरी का संकेत हो। कई बार संवेदनशील कानूनों में व्यापक चर्चा कानून को अधिक टिकाऊ बनाती है। विदेशी चंदे पर निगरानी जरूरी, लेकिन प्रक्रिया भी निष्पक्ष हो। एफसीआरए के मामले में असली बहस "सरकार बनाम एनजीओ" नहीं होनी चाहिए। विदेशी धन का इस्तेमाल पारदर्शी होना चाहिए। देश की सुरक्षा और संप्रभुता से समझौता नहीं हो सकता। किसी संस्था को विदेशी फंडिंग मिलती है तो उसे यह बताना ही होगा कि पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ। लेकिन दूसरी तरफ सरकार की शक्ति भी कानून और न्यायपूर्ण प्रक्रिया से बंधी होनी चाहिए। किसी संस्था का पंजीकरण रद्द करना एक प्रशासनिक फैसला हो सकता है, लेकिन उसके परिणाम कई वर्षों के सामाजिक काम पर पड़ सकते हैं। इसलिए कार्रवाई से पहले सुनवाई, स्पष्ट कारण, समयबद्ध अपील और स्वतंत्र समीक्षा जैसी व्यवस्थाएं जितनी मजबूत होंगी, कानून पर भरोसा उतना ही बढ़ेगा। एफसीआरए संशोधन विधेयक को केवल विदेशी चंदे पर नियंत्रण का कानून समझना शायद इस बहस को छोटा कर देना होगा। असल सवाल यह है कि विदेशी धन पर निगरानी रखते हुए नागरिक समाज की वैधानिक स्वायत्तता कैसे बचाई जाए। सरकार के पास राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जिम्मेदारी है। संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि वे विदेशी धन का इस्तेमाल घोषित उद्देश्यों और कानून के मुताबिक करें। लेकिन लोकतंत्र में इन दोनों के बीच एक तीसरी चीज सबसे महत्वपूर्ण है-निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया। यदि विधेयक विदेशी फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ाता है, अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करता है और साथ ही निर्दोष संस्थाओं को मनमाने प्रशासनिक फैसलों से सुरक्षा देता है, तो यह कानून व्यवस्था को मजबूत कर सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जीवन व सड़क : समय, सभ्यता व संवेदनशीलता का संकट

अलग बात

डॉ दीपक प्रसाद

मनुष्य के जीवन की यात्रा जन्म से आरंभ होकर मृत्यु तक निरंतर चलती रहती है। इस यात्रा में सड़क केवल मिट्टी, डामर या कंक्रीट का बना मार्ग नहीं होती, बल्कि वह सभ्यता की धड़कन, अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा और सामाजिक संपर्क का सबसे सशक्त माध्यम है। यदि सड़कें रुक जाएँ तो उद्योग रुक जाते हैं, व्यापार ठहर जाता है, शिक्षा बाधित हो जाती है और स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्रभावित हो जाती हैं। वर्तमान समय में विडंबना यह है कि सड़कें सुविधा का माध्यम कम और समय के अपव्यय का प्रतीक अधिक बनती जा रही हैं। विशेषकर महानगरों और तेजी से विकसित होते शहरों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन का एक बड़ा भाग प्रतिदिन ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित परिवहन और सड़क संबंधी अव्यवस्थाओं में व्यतीत हो जाता है। यह केवल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि मानसिक तनाव, आर्थिक हानि, पारिवारिक दूरी और सामाजिक असंतुलन का भी कारण बन चुका है। यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि समय का मौन अपहरण हो रहा है। समय संसार का सबसे मूल्यवान संसाधन है। धन खोकर पुनः प्राप्त किया जा सकता है, परंतु बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन औसतन दो घंटे सड़क और ट्रैफिक में बिताता है तो वह एक वर्ष में लगभग 730 घंटे, अर्थात लगभग 30 दिन केवल सड़क पर व्यतीत करता है। यदि यही स्थिति 40 वर्ष तक बनी रहे तो लगभग 29,000 घंटे, अर्थात करीब साढ़े तीन वर्ष केवल सड़क पर बीत जाते हैं। यदि किसी महानगर में रहने वाला व्यक्ति प्रतिदिन तीन घंटे यात्रा करता है, तो उसका जीवन का लगभग पाँच वर्ष सड़क पर ही व्यतीत हो सकता है। यह एक अनुमानित गणना है, जो दैनिक यात्रा समय पर आधारित है और व्यक्ति तथा शहर के अनुसार बदल सकती है। कल्पना कीजिए कि यदि यही समय परिवार, बच्चों, अध्ययन, साहित्य, शोध, योग, संगीत, सामाजिक सेवा या आत्म-विकास में लगाया जाता, तो व्यक्ति और समाज दोनों कहीं अधिक समृद्ध हो सकते थे। वास्तविक स्थिति देखा जाए तो भारत विश्व के सबसे बड़े सड़क नेटवर्क वाले देशों में से एक है। करोड़ों लोग प्रतिदिन कार्यस्थल, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, अस्पताल और व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक पहुँचने के लिए सड़कों पर निर्भर हैं। किन्तु शहरीकरण की तीव्र गति, वाहनों की बढ़ती संख्या, अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन, अवैध अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग, खराब सड़क डिज़ाइन तथा यातायात नियमों की अनदेखी ने स्थिति को चिंताजनक बना दिया है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, कोलकाता जैसे महानगरों में प्रतिदिन लाखों मानव-घंटे ट्रैफिक जाम में नष्ट हो जाते हैं। झारखंड जैसे अपेक्षाकृत छोटे राज्यों में भी रांची, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, देवघर, गोड्डा, दुमका और अन्य शहरों में यातायात व्यवस्था निरंतर चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। इसके लिए क्या केवल सरकार दोषी है? प्रायः प्रत्येक समस्या के लिए शासन-प्रशासन को दोषी ठहराना सरल होता है, किंतु यह समस्या केवल सरकारी नहीं है। यातायात अव्यवस्था के पीछे अनेक सामाजिक कारण भी हैं-लालबत्ती का उल्लंघन। गलत दिशा में वाहन चलाना। सड़क पर अवैध पार्किंग। फुटपाथों पर अतिक्रमण। बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना। आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देना। नियमों से अधिक स्वयं को महत्वपूर्ण समझने की मानसिकता। वास्तव में सड़कों पर दिखाई देने वाली अव्यवस्था हमारे सामाजिक चरित्र और नागरिक अनुशासन का भी दर्पण है। ट्रैफिक जाम केवल समय ही नहीं खाता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी बोझ डालता है। अंततः यह स्मरण रखना चाहिए कि सड़कें समय बचाने के लिए बनाई जाती हैं, समय नष्ट करने के लिए नहीं। यदि हमने सड़कों को व्यवस्थित कर लिया, तो वास्तव में हम अपने जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

योग्य उम्मीदवार, मजबूत लोकतंत्र

संतोष अग्रवाल

दिल्ली के जंतर-मंतर से उठी युवाओं की आवाज अब किसी एक परीक्षा, शहर या राज्य तक सीमित नहीं रही। नीट जैसी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से उपजा आक्रोश झारखंड में जेपीएससी जैसी परीक्षाओं के रद्द होने, परिणाम आने के बाद भी नियुक्तियां नहीं होने और वर्षों तक युवाओं के भविष्य के अधर में लटके रहने से और गहरा हुआ है। यह केवल छात्रों का आक्रोश नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति बढ़ते जन-अविश्वास का संकेत है। विडंबना यह है कि राजनीतिक दल युवाओं की पीड़ा से अधिक इस आक्रोश में अपना राजनीतिक भविष्य तलाशते दिखाई देते हैं। लेकिन सवाल किसी एक सरकार या दल का नहीं, उस पूरी व्यवस्था का है, जिसमें भ्रष्टाचार नीचे से ऊपर तक अपनी जड़ें जमा चुका है। अस्पताल से लेकर जमीन के म्यूटेशन, बिजली-पानी के कनेक्शन, सरकारी योजनाओं, लाइसेंस और न्याय व्यवस्था तक आम नागरिक भ्रष्टाचार और लालफीताशाही से जूझ रहा है। इस बीमारी का इलाज केवल आंदोलन या सरकार बदलने से नहीं होगा। असली सवाल चुनावी व्यवस्था का है। जब राजनीतिक दल टिकट देते समय योग्यता, ईमानदारी और सार्वजनिक चरित्र के बजाय चुनाव जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देंगे, तो संसद और विधानसभाओं में व्यवस्था बदलने वाले लोग कैसे पहुंचेंगे? अब मतदाता को भी अपनी भूमिका बदलनी होगी। 'पहले मतदान, फिर जलपान' से आगे बढ़कर 'पहले प्रत्याशी की जांच, फिर मतदान' की संस्कृति विकसित करनी होगी। प्रत्याशी की शिक्षा, संपत्ति, आपराधिक पृष्ठभूमि और सार्वजनिक जीवन की निष्पक्ष जांच जरूरी है। बदलाव केवल सत्ता बदलने से नहीं आएगा। जब राजनीति में योग्य लोग आएंगे और मतदाता पार्टी नहीं, प्रत्याशी का चरित्र देखेगा, तभी व्यवस्था बदलेगी। लोकतंत्र की असली जड़ चुनाव है और सुधार की पहली चोट भी वहीं करनी होगी।

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

विवेक केवल एक ही मानक मार्गदर्शक को स्वीकारता है

श्री श्री परमहंस योगानंद

आपका ज्ञान सन्तुलित अवश्य होना चाहिए। यदि आपका ज्ञान हृदय और मस्तिष्क दोनों से शासित है, तो आपके पास स्वयं को एवं दूसरों को देखने के लिए स्पष्ट दृष्टि है। आपको उन अनेक पूर्वाग्रहों का विश्लेषण करना चाहिए जिनसे आपकी बुद्धि प्रभावित होती है। किसी भी समय जब आप कोई निर्णय ले रहे हों या कार्यवाही कर रहे हों, तो स्वयं से पूछें कि क्या आप इसे बुद्धि द्वारा कर रहे हैं, या भावावेश द्वारा, अथवा मन पर किसी अन्य पूर्वाग्रह के प्रभाव में कर रहे हैं। जब तक आप लोभ या क्रोध से प्रभावित हैं; जब तक आप दूसरों की गलत सोच से प्रभावित हैं; जब तक आप दूसरों की गलतफहमी से प्रभावित हैं, तब तक आपका अपना ज्ञान भी अस्पष्ट रहेगा। मानव की तर्क बुद्धि सदा अच्छे और बुरे कर्मों के लिए 'पक्ष तथा विपक्ष' को समान रूप से ढूँढ सकती है; यह स्वाभाविक रूप से विश्वासघाती है। विवेक केवल एक ही मानक मार्गदर्शक को स्वीकारता है: आत्मा। दो व्यक्तियों की कल्पना करें। उनके दायीं ओर जीवन की घाटी है, और बायीं ओर मृत्यु की घाटी है। दोनों तर्कशील व्यक्ति हैं, परन्तु एक दायीं ओर जाता है और दूसरा बायीं ओर। क्यों? क्योंकि एक ने अपनी विवेक शक्ति का सही उपयोग किया है और दूसरे ने गलत तर्कों में लगकर उस शक्ति का दुरुपयोग किया है। प्रत्येक कार्य में अपने उद्देश्यों को देखें। लोभी व्यक्ति और योगी दोनों भोजन करते हैं। परन्तु क्या आप कहेंगे कि भोजन करना पाप है क्योंकि यह प्रायः लोभ से जुड़ा होता है? नहीं। पाप विचार में होता है, उद्देश्य में होता है। सांसारिक मनुष्य अपने लोभ को तृप्त करने के लिए खाता है और योगी अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खाता है। दोनों में बहुत अंतर है।

-पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार

आज का दोहा

जगह जगह उठने लगी, लोगों की हुंकार।
घुटनों पर लाने लगी, क्यों खुद को सरकार।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

फेसबुक वॉल से

एक्स से

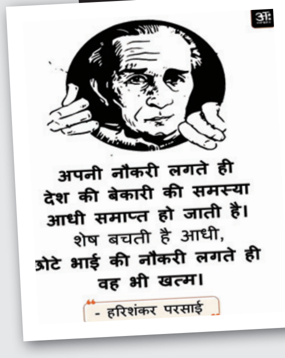

सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और विकसित भारत की मजबूत नींव

देश की बात

जगत प्रकाश नड्डा

भारत ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार किया है। सरकारी और निजी क्षेत्र में अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जांच केंद्रों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। यह सरकार की ऐसी नीतियों को दर्शाता है, जिनका केंद्र आम नागरिक की स्वास्थ्य सुरक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए काम किया है। इन लगातार किए गए प्रयासों का परिणाम है कि देश में लोगों द्वारा अपनी जेब से स्वास्थ्य सेवाओं पर किए जाने वाले खर्च में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी कमी आई है। यह खर्च पहले 65 प्रतिशत तक था, जो अब घटकर 43 प्रतिशत रह गया है। जिला अस्पताल में जन्म लेने वाले नवजात शिशु से लेकर बड़े अस्पताल में इलाज करा रहे कैंसर मरीज तक, आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में भरोसेमंद, अच्छी गुणवत्ता वाले और किफायती चिकित्सा उपकरण बेहद जरूरी हो गए हैं। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत सरकार ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत कर रही है। इसके लिए प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाने, गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधाएं बढ़ाने, बीमारियों की निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और आपात स्थिति से निपटने की क्षमता बढ़ाने पर निवेश किया जा रहा है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, अब जोर एक आत्मनिर्भर चिकित्सा तकनीक क्षेत्र तैयार करने पर है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को और सस्ता, आसानी से उपलब्ध और किसी भी संकट के समय मजबूत बनाना है। पहले ,भारत कई आधुनिक और जटिल चिकित्सा उपकरणों के लिए काफी हद तक दूसरे देशों से होने वाले आयात पर निर्भर था। इन तकनीकों से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार तो हुआ, लेकिन इससे इलाज की लागत बढ़ी, आपूर्ति व्यवस्था पर बाहरी निर्भरता बनी रही और इन उपकरणों की पहुंच सीमित रही। इसी जरूरत को देखते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति, 2023 में देश के भीतर आधुनिक चिकित्सा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों को सस्ता बनाना और जांच की लागत कम करना है। सरकार ने चिकित्सा उपकरणों के पूरे क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, चिकित्सा उपकरण पार्क और दवा एवं चिकित्सा तकनीक के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने वाली योजना शामिल हैं। इन पहलों से देश में चिकित्सा उपकरणों के निर्माण, नए शोध, निवेश और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतर माहौल तैयार हो रहा है। नतीजे उत्साह बढ़ाने वाले हैं। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के तहत 50 से अधिक आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का देश में उत्पादन शुरू हो चुका है। इसके साथ ही इस क्षेत्र में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है, जो वैश्विक निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। ये उपलब्धियां बताती हैं कि भारत धीरे-धीरे दुनिया के चिकित्सा तकनीक क्षेत्र में एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में उभर रहा है। सिर्फ चिकित्सा उपकरणों का निर्माण केंद्र बनने के अलावा, भारत तेजी से आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपना भी रहा है, ताकि लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सके। आधुनिक जांच सुविधाओं, शरीर की अंदरूनी तस्वीर लेने वाली मशीनों, शरीर में लगाए जाने वाले चिकित्सा उपकरणों, गहन चिकित्सा की मशीनों और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती दर पर उपलब्ध कराने से मरीजों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम होता है। साथ ही इलाज की गुणवत्ता और समय पर इलाज मिलने में भी सुधार होता है। देश में ही चिकित्सा उपकरण बनने से विदेशों से आयात पर निर्भरता घटती है, आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होती है और लागत कम करने के अवसर बढ़ते हैं। भारत का विश्व स्तर पर पहचान बना चुका दवा उद्योग, मजबूत इंजीनियरिंग क्षमता, तेजी से फैलता डिजिटल ढांचा, तेजी से बढ़ता नए उद्यमों का क्षेत्र और कुशल मानव संसाधन अगली पीढ़ी की चिकित्सा तकनीक विकसित करने के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण के रूप में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर (एसएमडी), इंटरनेट से जुड़े चिकित्सा उपकरण, रोबोट आधारित तकनीक और दूर से जांच जैसी नई तकनीकों में भारत के पास देश और दुनिया की स्वास्थ्य जरूरतों के लिए नए समाधान विकसित करने के बड़े अवसर हैं। जैसे-जैसे भारतीय कंपनियां दुनिया के बाजार में विस्तार कर रही हैं, गुणवत्ता भी भारत में बने चिकित्सा उपकरणों की सबसे बड़ी पहचान बनती जा रही है।

(भारत सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे, स्थानीय संपादक : डॉ राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

आदिवासी समुदाय पर्यावरण संतुलन और सांस्कृतिक धरोहर के मुख्य आधार

विश्व आदिवासी दिवस पर नेताओं ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

विश्व आदिवासी दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अन्य नेताओं ने आदिवासी समुदाय को शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही देशवासियों को आदिवासी समुदायों की रक्षा और सम्मान करने की अपील की है। राजस्थान सरकार ने एक्स पोस्ट में कहा, "विश्व आदिवासी दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे आदिवासी समुदाय पर्यावरण संतुलन और सांस्कृतिक धरोहर के मुख्य आधार हैं। आइए उनकी अनमोल परंपराओं को सहेजने और उन्हें सशक्त बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं।"

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने एक्स पर लिखा, "विश्व आदिवासी दिवस पर हम मूल निवासी और आदिवासी समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, ज्ञान और अटूट जज्बे का जश्न मनाते हैं। प्रकृति के साथ उनका गहरा जुड़ाव, सदियों पुराना ज्ञान और मुश्किलों का सामना करने की क्षमता हमारी साझा विरासत का अनमोल हिस्सा है। आइए हम उनके अधिकारों, सम्मान, सशक्तीकरण और एक टिकाऊ भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराएं। साथ ही उन समृद्ध परंपराओं को भी संजोकर रखें जो हमारे समाज को समृद्ध बनाती हैं।"कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर पोस्ट किया, "विश्व आदिवासी दिवस पर देश के समस्त आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की समृद्ध संस्कृति, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और हमारी विविधता को सहेजने में आदिवासी समाज का योगदान अमूल्य है। आदिवासी समाज के जल-जंगल-जमीन, संस्कृति, परंपराओं और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा तथा सामाजिक न्याय और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस पार्टी सदैव संकल्पबद्ध है।"सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में कहा, "'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर समस्त आदिवासी समाज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने एक्स पोस्ट में कहा, "जंगलों ने पीढ़ियों से हमारे आदिवासी समुदायों की रक्षा की है और बदले में उन्होंने प्रकृति, संस्कृति और प्राचीन ज्ञान के संरक्षक के रूप में जंगलों की रक्षा की है। 'विश्व के मूल निवासियों के अंतरराष्ट्रीय दिवस' पर मैं अपने सभी आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई देता हूं।

नितिन गडकरी एक्स पर पोस्ट किया, "विश्व आदिवासी दिवस पर हम भारत के आदिवासी समुदायों का सम्मान करते हैं, जो प्राचीन परंपराओं, विविध संस्कृतियों, पारंपरिक ज्ञान और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के संरक्षक हैं। उनकी कहानियां, समझदारी और मजबूती भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा हैं। आइए हम उनकी पहचान का जश्न मनाएं, उनके अधिकारों का सम्मान करें और एक ऐसा भविष्य बनाएं जहां वे सम्मान के साथ आगे बढ़ सकें।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी एक्स पर "विश्व आदिवासी दिवस पर समस्त आदिवासी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में आदिवासी समाज के सशक्तिकरण को नई गति मिली है। आदिवासी समाज का सम्मान, अधिकार और विकास हमारी प्राथमिकता है और इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए उत्तराखंड में भी जनजाति के कल्याण, शिक्षा, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

हमने पाक में बैठे आतंकियों व सरपरस्तों को खत्म किया : रक्षा मंत्री

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखाई महान भारत की ताकत

- सांगली से आए सैकड़ों खिलाड़ियों ने रक्तदान में हिस्सा लिया
- एथलीटों ने शारीरिक क्षमता के साथ करुणा और राष्ट्रसेवा की शक्ति दिखाई

एजेंसी। नई दिल्ली

पहलगाम में धर्म पूछकर हमारे निर्दोष नागरिकों पर कायराना आतंकी हमला किया गया था। उसके बाद हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की। हमने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों और उनके सरपरस्तों को नेस्तनाबूत किया और दुनिया को यह बताया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यह बात रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से, हमने दुनिया को बताया, हमारी नारी शक्ति के सिंदूर की रक्षा करने के लिए, हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दिल्ली कैंट स्थित सेना के बेस अस्पताल में ये बातें कहीं। यहां एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। रक्षामंत्री ने बताया कि इस रक्तदान यात्रा का नाम भी बड़ा अद्भुत, 'सिंदूर' महारक्तदान यात्रा है। यह नाम खुद में एक प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने कहा, "हम सब जिस अवसर पर एकत्र हुए हैं, वह महा रक्तदान यात्रा का अवसर है। और यह इसलिए खास है, क्योंकि यह मानवता, सहृदयता और राष्ट्रप्रेम से जुड़ा अवसर है। रक्तदान को हम हमेशा से जीवनदान या महादान कहते आए हैं। रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता, किसी प्रयोगशाला में नहीं गढ़ा जा सकता। यह केवल एक स्वस्थ मानव शरीर के भीतर ही बनता है और केवल एक मानव ही इसे दूसरे मानव को दे सकता है। यही बातें रक्तदान को सभी दानों में सर्वोपरि बनाती हैं। उन्होंने बताया कि सांगली से आए हमारे सैकड़ों वीर खिलाड़ी यहां अपना रक्त देंगे। यह एक सुरक्षा कवच बनकर भविष्य में, जरूरतमंद जवानों और उनके परिवारों के लिए एक विश्वसनीय भंडार के तौर पर रहेगा। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वैसे तो आप सभी एथलीट हैं, आपकी शारीरिक क्षमता आपकी पहचान है। लेकिन आज आपने इस शारीरिक क्षमता से भी बड़ी शक्ति का परिचय दिया है। आज आपने करुणा की शक्ति का परिचय दिया है।

रक्तदान को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील

राजनाथ सिंह ने कहा, "मैं सभी नागरिकों, विशेषकर युवा साथियों से आग्रह करूंगा, कि हम रक्तदान को एक आयोजन नहीं, एक संस्कृति बनाएं। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष मनाएगा, तब हमारा सपना केवल एक विकसित अर्थव्यवस्था का नहीं होना चाहिए, हमारा सपना एक ऐसा संवेदनशील समाज भी होना चाहिए, जहां हर कोई स्वस्थ और सुरक्षित हो।" उन्होंने बताया कि स्वस्थ रहने के लिए तो हमारे प्रधानमंत्री ने, खेलो इंडिया और फिट के माध्यम से देश को विजन दिया है। हम सभी को, खासकर युवाओं को उनका अनुसरण करना चाहिए। क्योंकि जितना हम फिट रहेंगे, उतना ही हम समाज के लिए एक संपत्ति बनकर भी रहेंगे और तभी हम रक्तदान जैसा पुनीत कार्य भी कर पाएंगे।

तेलंगाना के गवर्नर ने की आदिवासियों के समावेशी विकास सुनिश्चित करने की अपील

एजेंसी। हैदराबाद

तेलंगाना के गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को 'विश्व आदिवासी दिवस' की शुभकामनाएं दीं।

गवर्नर ने कहा कि आदिवासी समुदायों की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और सदियों पुरानी समझ हमारी विरासत का अनमोल खजाना हैं। पीढ़ियों से वे जंगलों, पानी, जैव विविधता और प्रकृति के संरक्षक रहे हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी धरती को बचाए हुए हैं। उन्होंने सभी से उनके अधिकारों, सम्मान, पहचान और जीवन शैली का सम्मान करने और साथ ही समान अवसर और समावेशी विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया। गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला ने कहा, "आइए हम उनके अमूल्य योगदान का सम्मान करें और उनकी विरासत को बचाने तथा सभी के लिए एक टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए मिलकर काम करें।"विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आदिवासी लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वे प्रकृति को ईश्वर और जंगल को अपनी मां मानते हैं और पीढ़ियों से अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा, "विश्व सभ्यता की जड़ और प्रकृति से अटूट रूप से जुड़ी जीवन शैली, यही आदिवासी लोगों की संस्कृति है। आदिवासी समुदायों का ज्ञान, संस्कृति, परंपराएं, सामूहिक जीवन शैली और सांस्कृतिक संरक्षण, जिन्होंने पीढ़ियों से प्रकृति के संरक्षण को अपने अस्तित्व का आधार बनाया है। पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश का काम करते हैं। आइए हम सब मिलकर उनके अधिकारों, उनके अस्तित्व और उनकी संस्कृति का सम्मान करें और उनके कल्याण, विकास और आत्म-सम्मान को सुनिश्चित करें।" भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि आदिवासी लोग, जो विविध संस्कृतियों और परंपराओं के प्रतीक हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा, "आदिवासी जो जंगलों, पेड़ों, बांबी (चींटियों के टीले) और जानवरों से प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं।

राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी को तत्पर रहना चाहिए : उप राष्ट्रपति

एजेंसी। श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत की शांति और उदारता को उसकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रीय हितों और संप्रभुता की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। तिरंगे से प्रेरणा लेकर साहस, एकता और आशा का संचार करें और एक मजबूत एवं विकसित भारत के निर्माण में स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को आगे बढ़ाएं। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज अंडमान-निकोबार द्वीप समूह की राजधानी श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' की शुरुआत की। श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के ऐतिहासिक फ्लैग पॉइंट पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 30 दिसंबर 1943 को तिरंगा फहराया था। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर 'हर घर तिरंगा' के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया यह अभियान एक राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन में बदल चुका है। प्रत्येक नागरिक तिरंगे को गर्व से फहराने, देशभक्ति, एकता और सामूहिक जिम्मेदारी के मूल्यों को आत्मसात करें। महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती के अमर शब्दों को याद करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भारती द्वारा मनाया जाने वाला 'मणि कोडी' उत्सव भारतीय भावना के शाश्वत साहस और भारत माता के ध्वज की महिमा को दर्शाता है। 'हर घर तिरंगा' अभियान इस भावना को आगे बढ़ाते हुए सभी नागरिकों को एक राष्ट्रीय ध्वज, एक मातृभूमि और एक साझा भविष्य के अंतर्गत एकजुट करता है। उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का सिर्फ एक भौगोलिक हिस्सा नहीं है यह बलिदानों की पवित्र भूमि है।

हैदराबाद में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया बोनालु त्योहार, मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

एजेंसी। हैदराबाद

हैदराबाद में रविवार को सालाना 'बोनालु' त्योहार पूरे पारंपरिक उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। शहर भर के महाकाली मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। बोनालु उत्सव तेलंगाना का एक प्रमुख और राजकीय त्योहार है, जो हर साल आषाढ़ मास (जुलाई-अगस्त) में देवी महाकाली और उनके विभिन्न स्वरूपों को समर्पित होता है। इस दौरान महिलाएं सिर पर चावल, गुड़ और दूध से भरे सजे हुए 'बोनम' पात्र रखकर मंदिरों में प्रसाद चढ़ाती हैं तथा अच्छी सेहत और समृद्धि की कामना करती हैं। ओल्ड सिटी के लाल दरवाजा स्थित सिंहवाहिनी महाकाली मंदिर में 118वें वार्षिक बोनालु उत्सव के मौके पर विशेष पूजा की गई। मंत्री, विधायक और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता भी दर्शन के लिए पहुंचे। नेताओं ने लाल दरवाजा महाकाली मंदिर, शाह अली बंदा के ऐतिहासिक अक्कन्ना मादन्ना मंदिर और शहर के अन्य हिस्सों में देवी के मंदिरों में पूजा की। बोनालु शक्ति की देवी महाकाली या काली को समर्पित त्योहार है। मान्यता है कि इससे बुराई का अंत होता है और शांति का आगमन होता है। लाल दरवाजा मंदिर में टॉलीवुड अभिनेता विजय देवरकोंडा, आनंद देवरकोंडा और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा भी दर्शन करने पहुंचे। मीडिया से बात करते हुए विजय देवरकोंडा ने बोनालु की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने संदीप रेड्डी के प्रोडक्शन हाउस 'भद्रकाली' के नाम से पूजा की। राज्य के मंत्री कोंडा सुरेखा और मंत्री पोन्नम प्रभाकर, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और सांसद अनिल कुमार यादव ने लाल दरवाजा मंदिर में पूजा की। मंत्रियों ने राज्य सरकार की ओर से देवी को रेशमी साड़ी भेंट की। इस दौरान दान विभाग आयुक्त हनुमंथा राव, पुलिस कमिश्नर सज्जनार, हैदराबाद कलेक्टर प्रियंका आला और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। उद्योग और आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने ओल्ड सिटी के अक्कन्ना मादन्ना महाकाली मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने भी राज्य सरकार की ओर से देवी को रेशमी साड़ी अर्पित की। पंचायत राज मंत्री सीतक्का और सरकार के सलाहकार वी. हनुमंथा राव ने अंबरपेट के महाकाली मंदिर में पूजा की और राज्य सरकार की ओर से साड़ी चढ़ाई।

आज कल

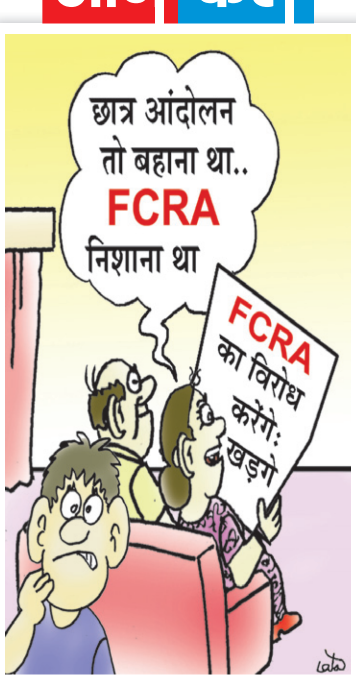

देश भक्ति

त्राल और बांदीपोरा के कई हिस्सों में निकाली गई 'हर घर तिरंगा' यात्रा

तिरंगा यात्रा से जम्मू-कश्मीर में दिखा देशप्रेम

एजेंसी। जम्मू/श्रीनगर

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग कई हिस्सों में रविवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। इन यात्राओं में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।पुलवामा जिला प्रशासन ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रविवार को त्राल के सरकारी कॉलेज से त्राल बस स्टैंड तक एक विशाल तिरंगा रैली का आयोजन किया। इस रैली की अगुवाई पुलवामा के डिप्टी कमिश्नर बशारत कयूम और त्राल के एडीसी ने की। इसमें छात्रों, युवाओं और स्थानीय निवासियों समेत हजारों लोगों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। जब रैली त्राल कॉलेज से बस स्टैंड की ओर बढ़ी, तो लोगों ने तिरंगा हाथ में लिया और देशभक्ति के नारे लगाए, जिससे पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल बन गया। डिप्टी कमिश्नर बशारत कयूम ने कहा, "इस साल का 'हर घर तिरंगा' अभियान 9 अगस्त से शुरू होकर 17 अगस्त तक चलेगा। मुझे खुशी है कि आज हमने पुलवामा के त्राल सब-डिविजन में इसकी शुरुआती रैली शुरू की। जैसा कि आप देख सकते हैं, सब-डिविजन के अलग-अलग इलाकों से बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल हुए हैं।"वहीं, भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में बलिदान स्तंभ से तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया। इस रैली में जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत शर्मा, पार्टी महासचिव (संगठन) अशोक कौल, राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना और लोकसभा सांसद जुगल किशोर शर्मा के साथ-साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। शान के साथ राष्ट्रीय ध्वज लिए हुए इस बाइक रैली ने देशभक्ति, एकता और देश के प्रति प्रतिबद्धता का एक सशक्त संदेश दिया। भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर स्थित पुंछ में भी 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ किया गया। इस उपलक्ष्य में जिला युवा सेवा और खेल विभाग की ओर से नगर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में विभिन्न खेल मुकाबले और तिरंगा रैली का आयोजन किया गया, जिनमें बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के गतिविधी प्रमुख विजय कुमार और परवेज मलिक ने की, जबकि जिला युवा सेवा और खेल अधिकारी मोहम्मद कासिम इसके मुख्य अतिथि रहे।

दृष्टिपात

कुछ लोगों ने जेन-जी को गुमराह करने की कोशिश की : धर्मेंद्र प्रधान

भुवनेश्वर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि नीट पेपर लीक मुद्दे पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने जेन-जी को गुमराह करने की कोशिश की। शनिवार को संबलपुर के गंगाधर मेहर विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था, "मेरा मानना है कि कुछ लोगों ने हमारे जेन-जी को गुमराह करने की कोशिश की।"धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि मंत्री के तौर पर उनके लिए यह प्रतिष्ठा का सवाल नहीं था। उन्होंने कहा कि देश के करीब 20 करोड़ जेन-जी ही वो ताकत हैं जो भारत को 'विश्वगुरु' बनाने में मदद करेंगे।उन्होंने कहा, "अगर 20 करोड़ युवा एकजुट होकर दृढ़ निश्चय कर लें, तो उनके सामूहिक संकल्प के सामने मेरी भूमिका बहुत छोटी हो जाती है।"धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि उन्होंने यही बात प्रधानमंत्री को भी बताई थी।

पूर्णिया में एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में 3 सगे भाइयों की जलाशय में डूबने से मौत

पटना। बिहार के पूर्णिया जिले के आलम नगर में रविवार को तीन सगे भाई जलाशय में डूब गए। मृतकों की पहचान मोफिजुल (12), तफिजुल (10) और सैराजुल (8) के रूप में हुई है। यह घटना सुबह कस्बा ब्लॉक के अंतर्गत कुल्लाखास पंचायत के वार्ड नंबर 7 में हुई। एक अधिकारी के अनुसार आलमगीर के चार बेटे अपने घर के पास एक गोदाम के पीछे बने जलाशय में जाल से मछली पकड़ने गए थे। मछली पकड़ने के दौरान भाइयों में से एक डूबने लगा। उसे बचाने की कोशिश में उसके दो अन्य भाई गहरे पाने में उतर गए और डूबने लगे। चौथे भाई अली हुसैन ने गांव वापस जाकर अपने परिवार को इसकी सूचना दी। रिश्तेदार और स्थानीय निवासी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को पानी से निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। इन मौतों से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिवार बुरी तरह टूट गया।

दिल्ली की गर्मी से बचने शिमला पहुंचे पर्यटक, सुहावने मौसम का ले रहे आनंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में इन दिनों पर्यटकों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है। सुहावना मौसम, ठंडी हवाएं और खूबसूरत पहाड़ पर्यटकों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। गर्मी से राहत पाने के लिए वीकेंड पर पर्यटक शिमला पहुंच रहे हैं। दिल्ली से परिवार के साथ शिमला पहुंचे एक पर्यटक ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि वह मूल रूप से राजस्थान से हैं, लेकिन इस समय दिल्ली में रह रहे हैं। वीकेंड मिलते ही उन्होंने परिवार और बच्चों के साथ शिमला घूमने का प्लान बनाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इन दिनों काफी गर्मी है, ऐसे में शिमला आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां का मौसम बेहद सुहावना है और पूरा परिवार घूमने का आनंद ले रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में सुविधाओं में सुधार हुआ है और विकास कार्य भी नजर आ रहे हैं। मौसम की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि शिमला का खुशनुमा वातावरण ही सबसे बड़ी खासियत है। उन्होंने बताया कि नौकरी और बच्चों की पढ़ाई के कारण अक्सर लंबी छुट्टी निकालना मुश्किल होता है।

ममता के काफिले पर पथराव, पूर्व सीएम का आरोप- पुलिस के सामने हुआ सब कुछ

बैरकपुर। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है। ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की। घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे।

काकोरी डकैती नहीं, देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों का 'ट्रेन एक्शन' था : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' का शुभारंभ करते हुए कहा कि काकोरी की घटना को डकैती कहना क्रांतिकारियों के बलिदान और उनके उद्देश्य को कमतर आंकना है। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों का एक ही लक्ष्य था भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराना। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंग्रेजों ने काकोरी ट्रेन एक्शन को 'डकैती' कहा, लेकिन दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में सत्ता में आए लोगों ने भी लंबे समय तक इसे 'काकोरी डकैती कांड' कहकर क्रांतिकारियों को सम्मान देने के बजाय अपमानित करने का काम किया। काकोरी और चौरी चौरा जैसी घटनाओं को भी इतिहास में उचित स्थान नहीं दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी किसी एक व्यक्ति या एक विचारधारा के प्रयासों का परिणाम नहीं थी। लाखों लोगों ने अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष किया और अनेक क्रांतिकारियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। इन बलिदानों को भुलाना देश की युवा पीढ़ी को उसके प्रेरणास्त्रोतों से दूर करने जैसा है।

अगर अमेरिका भरोसा बनाए तो ईरान शांति का रास्ता अपनाएगा : ईरानी राष्ट्रपति

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि तेहरान अमेरिका के साथ हाल ही में हस्ताक्षर किए गए ज्ञापन समझौते (एमओयू) के तहत शांति के रास्ते पर चलता रहेगा, बशर्ते वाशिंगटन भरोसे का माहौल बनाने में मदद करे। पेजेश्कियन ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईरान एमओयू के पैराग्राफ के आधार पर शांति के रास्ते पर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा, "अब समझौते पर पहुंचने का सबसे अच्छा समय है, क्योंकि देश में एकजुटता, ताकत और एकता है।" उन्होंने कहा, "हम दृढ़ हैं कि समझौता ज्ञापन को आधार बनाकर आगे बढ़ें, बशर्ते अमेरिका उस अविश्वास के माहौल को खत्म करे जिसे उसने बनाया है और विश्वास का माहौल बने।" उन्होंने कहा कि ईरान अपनी प्रतिबद्धताओं को अमेरिका के अनुपालन के स्तर के अनुरूप रखेगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर दूसरा पक्ष बल का सहारा लेना चाहता है तो ईरान उसे स्वीकार नहीं करेगा। ईरान की कार्रवाई का अंतिम आधार सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के फैसले होंगे।

यूक्रेन ने इंटरसेप्टर मिसाइलों के लिए अमेरिका के साथ समझौता किया : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन ने पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों की हर महीने सप्लाई को लेकर अमेरिका के साथ एक समझौता किया है। हालांकि, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का हवाला देते हुए उक्रिनफॉर्म समाचार एजेंसी ने शनिवार को बताया कि यह सप्लाई अभी भी अपर्याप्त है। बेलग्रेड में पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने पुष्टि की कि वाशिंगटन यूक्रेन को हर महीने इंटरसेप्टर मिसाइलें देगा। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह मात्रा देश की हवाई सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी नहीं है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेलेंस्की ने कहा कि 2026 में यूक्रेन को मिलने वाली इंटरसेप्टर मिसाइलों की संख्या 2025 की तुलना में कम होगी। हालांकि, उन्होंने कोई सटीक आंकड़ा नहीं बताया। इससे पहले की रिपोर्टों के अनुसार, यूक्रेन की राजधानी कीव में नाटो नेताओं के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेलेंस्की ने कहा था कि सहयोगियों से मिलने वाली मिसाइल इंटरसेप्टर की वास्तविक डिलीवरी में कमी आई है।

जब रोबोट तख्त पर बैठेंगे और इंसान सड़क पर

चीन का एआई तूफान दुनिया के लिए चेतावनी

-अजय चंद्र पाण्डेय

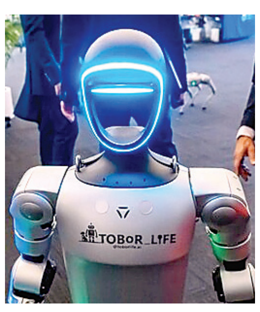

- चीन यह मॉडल बेचेगा - "ए आई तानाशाही = स्थिरता + तरक्की"
- जनता मांग करेगी - "ए आई लोकतंत्र = अवसर + गरिमा"
- चाहे चीन हो या भारत, कौशल पुन: प्रशिक्षण व सार्वभौमिक मूल सेवाएं अब विकल्प नहीं, जरूरत हैं
- 2030 में तख्त पर कौन होगा - इंसान, या उसके बनाए हुए यंत्र मानव?

नई दिल्ली। जब कोई देश सिर्फ सामान नहीं, भविष्य बनाना शुरू कर दे, तो दुनिया की सत्ता का समीकरण बदल जाता है। 2026 में चीन उसी मोड़ पर खड़ा है। 140 करोड़ की आबादी, दुनिया की "विनिर्माण राजधानी" का ताज, व अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्रमानविकी में बेजोड़ बढ़त। यह तिकड़ी अगर एक साथ चल पड़ी, तो अगला दशक सिर्फ आर्थिक नहीं, सामाजिक और राजनीतिक भूकंप लाएगा।

चीन की बढ़त : मशीनों की लागत गिरी, इंसान महंगे हुए- पिछले 3 साल में चीन ने ए आई और यंत्र मानविकी को राष्ट्रीय मिशन बना दिया। शेन्ज़ेन से लेकर डोंगुआन तक "डार्क फैक्ट्रियां" आम हो गई हैं - यानी ऐसी फैक्ट्रियां जहां लाइट की जरूरत ही नहीं, क्योंकि वहाँ इंसान नहीं, यंत्र मानव काम करते हैं।हुआवेई, बायडू, बाइटडांस के अलावा राज्य समर्थित कोष अब हर जिले में "ए आई + विनिर्माण" पार्क बना रहे हैं। लक्ष्य साफ है: 2030 तक दुनिया के 70% औद्योगिक यंत्र मानव चीन में बनें और चीन में ही चलें।सबसे बड़ा खेल लागत का है। 2022 में एक औद्योगिक यंत्र मानव भुजा 20 लाख की थी, 2026 में वही 6 लाख में मिल रही है। अब हिसाब बदल गया।एक सिलाई संचालक को सालाना 4 लाख रुपए वेतन, भविष्य निधि, रहना-खाना देना पड़ता है। 10 साल में 40 लाख रुपए।वहीं 6 लाख रुपए का ए आई यंत्र मानव 10 साल रखरखाव मिलाकर 11-12 लाख रुपए में पड़ता है, और वो 24 घंटे बिना छुट्टी काम करता है।इसलिए कारखाना मालिक के लिए इंसान की जगह मशीन लगाना अब 3 से 4 गुना सस्ता है।

बेरोजगारी का सुनामी: पहले कारखाना, फिर कार्यालय- चीन में अभी 12 करोड़ लोग विनिर्माण में हैं। इनमें से 6 करोड़ "अर्ध-कुशल" हैं - जोड़ लाइन, पैकिंग, गुणवत्ता जांच, सिलाई। ए आई + दृष्टि यंत्र मानव यही 3 काम सबसे पहले ले लेंगे।चीनी सामाजिक विज्ञान अकादमी के अनुमान के अनुसार 2027-2032 के बीच चीन में 2 से 3.5 करोड़ विनिर्माण नौकरियां खत्म हो सकती हैं। यह ग्वांगडोंग के प्रवासी मजदूर हैं, जो हर साल गांव से शहर आते थे। यह हुनान के डिप्लोमा अभियंता हैं, जिन्होंने सोचा था कारखाना पर्यवेक्षक बन जाएंगे।पहला झटका नीचे से आएगा। फिर दूसरा झटका श्वेत-पट्टी पर। जब ए आई कूट लिखने लगे, कानूनी मसौदा बनाने लगे, और रसद मार्ग खुद तय करने लगे, तो शंघाई और शेन्ज़ेन के नए स्नातक भी "अधिक योग्य और कम रोजगार वाले" हो जाएंगे। महाविद्यालय की डिग्री अब गारंटी नहीं रही।

अशांति से क्रांति तक का रास्ता - चीन का सामाजिक अनुबंध 40 साल से एक ही है : "तुम मेहनत करो, दल तरक्की देगा"। जब तरक्की का रास्ता ही बंद हो जाए तो क्या होगा?

पहला चरण : चुप्पी और पलायन। 2027 में हम "लेट-फ्लैट" संस्कृति का अगला रूप देखेंगे - युवा नौकरी नहीं, तो विवाह नहीं, घर नहीं, बच्चा नहीं। जन्म दर पहले ही 1.0 से नीचे है।

दूसरा चरण : स्थानीय विरोध। जब फॉक्सकॉन जैसी फैक्ट्री 10,000 लोगों को निकाल कर 2000 यंत्र मानव लगाएगी, तो डोंगुआन की सड़कों पर प्रदर्शन होंगे। सरकार इन्हें "आर्थिक अस्थिरता" कहकर दबाएगी, ए आई कैमरों से जांच करेगी।

तीसरा चरण : प्रणाली पर सवाल। सबसे बड़ा खतरा तब है जब सेना और पुलिस के अपने बच्चे भी बेरोजगार हों। चीन का इतिहास बताता है - 1911, 1949, 1989 - हर बड़ा बदलाव तब आया जब मध्यम वर्ग को लगा कि प्रणाली ने उसे धोखा दिया। ए आई युग में यह मध्यम वर्ग कूटकार, तकनीशियन, छोटे कारखाना मालिक का होगा।

तख्तापलट का खतरा कितना असली है? क्या चीन में सच में तख्ता पलट हो सकता है? एक-दलीय प्रणाली, निगरानी, सामाजिक श्रेय के बीच यह मुश्किल है। लेकिन असंभव नहीं।खतरा बाहर से नहीं, अंदर से आएगा। दो धड़े: एक "प्रौद्योगिकी-अभिजात्य वर्ग" जो मानता है ए आई से चीन 2050 तक दुनिया का सिरमौर बनेगा। दूसरा :"सामाजिक-स्थिरता समूह" जो कहेगा पहले 14 करोड़ लोगों को रोटी दो। जब अर्थव्यवस्था 3 प्रतिशत पर अटक जाए और युवा बेरोजगारी 25 प्रतिशत पार कर जाए, तो यह अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आएगी। चीन में क्रांति हमेशा नारे से नहीं, भूख से शुरू होती है। और भूख अब सिर्फ अनाज की नहीं, "उद्देश्य" की भी है। जब इंसान को लगेगा कि उसकी 20 साल की कुशलता एक अद्यतन से बेकार हो गई, तो गुस्सा फूटेगा। यही हाल लगभग भारत का भी होगा ।

दुनिया व भारत के लिए सबक- यदि दुनिया की फैक्ट्री में इंसान बेकार हो गए, तो इसका असर दिल्ली से लेकर अफ्रीका के डकार तक पड़ेगा।

भारत के लिए 3 चुनौतियां :

- **निर्यात का झटका :** सस्ते चीनी यंत्र मानव से बना सामान 20 प्रतिशत सस्ता होगा। भारत की पीएलआई वाली वस्त्र व इलेक्ट्रॉनिक्स फैक्ट्रियों को प्रतिस्पर्धा दोगुनी मिलेगी।
- **प्रवासी संकट :** चीन में बेरोजगार चीनी कंपनियां अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया में और आक्रामक होंगी। भारत को भी "डंपिंग" झेलनी पड़ेगी।
- **विचार की लड़ाई :** चीन यह मॉडल बेचेगा - "ए आई तानाशाही = स्थिरता + तरक्की"। लोकतंत्रों को इसका जवाब "ए आई लोकतंत्र = अवसर + गरिमा" से देना होगा। कौशल पुन: प्रशिक्षण व सार्वभौमिक मूल सेवाएँ अब विकल्प नहीं, जरूरत हैं।

इन हालात में यह ध्यान रखना होगा कि यंत्र मानव से नहीं, नीति से डरें। चीन का ए आई तूफ़ान टाला नहीं जा सकता। लेकिन उसका नतीजा तय नहीं है। चीन के पास दो रास्ते हैं। **पहला :** "ए आई लाभांश" बांटे - मशीनों से हुई बचत को सीधे नागरिकों तक पहुंचाए, नया सामाजिक अनुबंध बनाए। **दूसरा:** और नियंत्रण, और निगरानी। दुनिया के लिए सीख यह है कि तकनीक तटस्थ नहीं होती। जब आप 140 करोड़ लोगों की मेहनत को एक कलन विधि से बदलते हैं, तो आप सिर्फ नौकरी नहीं बदलते, आप इंसान की इज्जत बदलते हैं।और जब इज्जत जाती है, तो तख्त हिलते हैं।चीन अभी तख्त पर है। सवाल यह है कि 2030 में तख्त पर कौन होगा - इंसान, या उसके बनाए हुए यंत्र मानव?

कनाडा में बेकाबू जंगल की आग, 20 हजार लोग बेघर

ब्रिटिश कोलंबिया में जंगल की आग, प्रांतीय आपातकाल घोषित

ओटावा। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में तेजी से फैल रही जंगल की आग के कारण प्रांतीय आपातकाल घोषित कर दिया गया है। तेज हवाओं से आग कई समुदायों की ओर बढ़ रही है। प्रीमियर डेविड एबी ने हालात को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता लोगों की जान बचाना है। समरलैंड के पास लगी आग सबसे खतरनाक बनी हुई है, जिसके चलते हजारों लोगों को घर छोड़ना पड़ा और कई संपत्तियां जलकर नष्ट हो गईं। प्रभावित लोगों की हवाई निकासी भी की जा रही है।

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिमी कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में जंगल की आग तेजी से फैलने से हड़कंप मच गया है। ओकानागन झील के किनारे बसे इलाकों की ओर बढ़ रही आग के चलते 20 हजार से ज्यादा लोगों को रातोंरात अपने घर खाली करने का आदेश दिया गया। समरलैंड की पूरी कम्युनिटी को खाली कराया गया है, जहां करीब 12 हजार लोग रहते हैं। वहीं, पीचलैंड और आसपास के इलाकों से लगभग 8 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है। बाल्ड रेंज जंगल की आग की सूचना शुक्रवार शाम मिली थी। कुछ ही घंटों में आग करीब 50 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैल गई। फॉल्डर की छोटी कम्युनिटी भी इसकी चपेट में आ गई है और आग समरलैंड से करीब 15 किलोमीटर तक के इलाके में फैल चुकी है। अधिकारियों के मुताबिक, आग की भयावहता को देखते हुए राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं।

कनाडा में भारतीय मूल की हिमांशी खुराना हत्याकांड में पार्टनर गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पार्टनर अब्दुल गफूरी को गिरफ्तार किया है। 32 वर्षीय गफूरी को शुक्रवार को एयरपोर्ट से पकड़ा गया। उस पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है। हिमांशी 20 दिसंबर को एक घर में मृत मिली थीं। इससे एक दिन पहले उनके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

हूतियों ने सऊदी अरामको फैसिलिटी पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली

सना। यमनी विद्रोही समूह हूती ने रविवार सुबह सऊदी अरब के जजान में सऊदी अरामको की तेल फैसिलिटी पर हुए ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। हूतियों ने कहा कि यह हमला यमन के सादा और हज्जाह प्रांतों में सऊदी ड्रोन हमलों के जवाब में किया गया। समूह ने ड्रोन के जरिए अरामको की फैसिलिटी को निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने जजान स्थित अरामको रिफाइनरी की एक साइट पर आग लगने की पुष्टि की। मंत्रालय के अनुसार, दमकलकर्मियों ने आग पर जल्द काबू पा लिया और घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जजान लाल सागर के तट पर यमनी सीमा के पास स्थित महत्वपूर्ण बंदरगाह क्षेत्र है।

चीन में टाइफून डॉल्फिन का खतरा, 1,400 उड़ानें रद्द

बीजिंग। चीन के पूर्वी तट पर टाइफून डॉल्फिन के दस्तक देने की आशंका के बीच प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। रविवार को शंघाई आने-जाने वाली करीब 1,400 उड़ानें रद्द कर दी गईं। झेजियांग के हांगझोउ हवाई अड्डे से भी 270 उड़ानें रद्द हुईं। फुजियान में तूफान से पहले करीब 99 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। चीन के नेशनल मौसम विज्ञान केंद्र ने रेड टाइफून अलर्ट जारी करते हुए झेजियांग के कुछ हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी दी है। सोमवार तक शंघाई समेत फुजियान, अनहुई और जिआंगसू के कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है। तूफान के रविवार देर रात या सोमवार सुबह झेजियांग अथवा फुजियान में पहुंचने की संभावना है। झेजियांग और फुजियान में 200 से अधिक फेरी रूट बंद कर दिए गए हैं।

उप्र में केंद्र के हाईवे से लेकर राज्य की सड़कों को मानसून ने किया बदहाल

राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता की देश भर में शिकायतों में 60 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

-नवेन्दु सिंह

लखनऊ। मानसून आते ही उत्तर प्रदेश में सड़क निर्माण व रख-रखाव के दावों की हवा निकल जाती है। इस बार न केवल राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनवाई जाने वाली सड़कें बदहाल हैं, बल्कि केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी और हाई- प्रोफाइल प्रोजेक्ट भी बरसात की पहली मार नहीं झेल पा रहे हैं। राज्यसभा में हाल ही में पेश किए गए आधिकारिक आंकड़ों ने सड़क परिवहन व्यवस्था की पोल खोल दी है, जहां राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता को लेकर देश भर में शिकायतों में 60 प्रतिशत से अधिक की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केंद्र सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में बनाए गए प्रमुख प्रोजेक्ट्स की जमीनी हकीकत इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में शुरू हुआ कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे है। करीब 62.7 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के निर्माण पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, ताकि दोनों शहरों के बीच यात्रा तेज और सुगम हो सके। लेकिन, उद्घाटन के महज 12 दिन बाद ही उन्नाव के पास इस एक्सप्रेस-वे का एक हिस्सा धंस गया। हालांकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने तुरंत मरम्मत कार्य करवाकर यातायात बहाल किया और लापरवाही बरतने वाले तीन अधिकारियों पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन इस घटना ने निर्माण की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों और पुलों की गुणवत्ता को लेकर शिकायतों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है:

- वर्ष 2023-24: 6,489 शिकायतें
- वर्ष 2024-25: 7,030 शिकायतें
- वर्ष 2025-26 (12 मार्च 2026 तक): 11,340 शिकायतें (लगभग 61.4% की वृद्धि)

यह उछाल इस बात का प्रमाण है कि केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान जैसे राज्यों में भी बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं रही है। केंद्र के इन प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के माध्यम से बनवाई जाने वाली राज्य मार्गों और ग्रामीण संपर्क मार्गों की हालत भी बदतर है। हर साल बरसात के मौसम में राज्य की नई और पुरानी दोनों तरह की सड़कें उखड़ने लगती हैं। जल भराव, डामर की परत का उखड़ना और रास्तों पर बड़े-बड़े गड्ढे उभर आना आम बात हो गई है। जनता के टैक्स के पैसों से बनने वाली इन सड़कों की उम्र महज एक सीजन की ही साबित होती है, जिससे प्रशासनिक निगरानी पर सवाल उठते हैं।सड़क परियोजनाओं में पीएनसी इंफ्राटेक (कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे) जैसी बड़ी निर्माण एजेंसियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण गुणवत्ता नियंत्रण कागजों तक सीमित रह जाता है।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुरुआती दिनों में ही धंस जाना और राज्य की सड़कों का बदहाल होना यह साबित करता है कि केवल प्राकृतिक कारणों या बारिश को दोष देकर आंखें नहीं फेरी जा सकतीं। डिजाइन, सामग्री, जल निकासी और गुणवत्ता नियंत्रण के हर स्तर पर सख्त जवाबदेही तय करने का समय आ गया है।

सड़क परियोजनाओं का तथ्यात्मक चार्ट-

परियोजना का नाम	निर्माण एजेंसी / विभाग	कुल लागत / बजट अनुमान	बरसात में उजागर हुई असलियत
कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे	पीएनसी इंफ्राटेक / NHAI	हजारों करोड़ रुपये	उद्घाटन के मात्र 12 दिन बाद उन्नाव के पास सड़क धंसना और ऊपरी परत उखड़ना।
उप्र राज्य व ग्रामीण सड़कें	लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी)	करोड़ों रुपये (वार्षिक बजट)	जगह-जगह बड़े गड्ढे बनना, डामर का बहना और जल निकासी का अभाव।
राष्ट्रीय राजमार्ग (देशव्यापी)	विभिन्न ठेकेदार / MoRTH	भारी-भरकम बजट	शिकायतों में 61% से अधिक की भारी वृद्धि, फ्लाईओवर और पुलों का क्षतिग्रस्त होना।

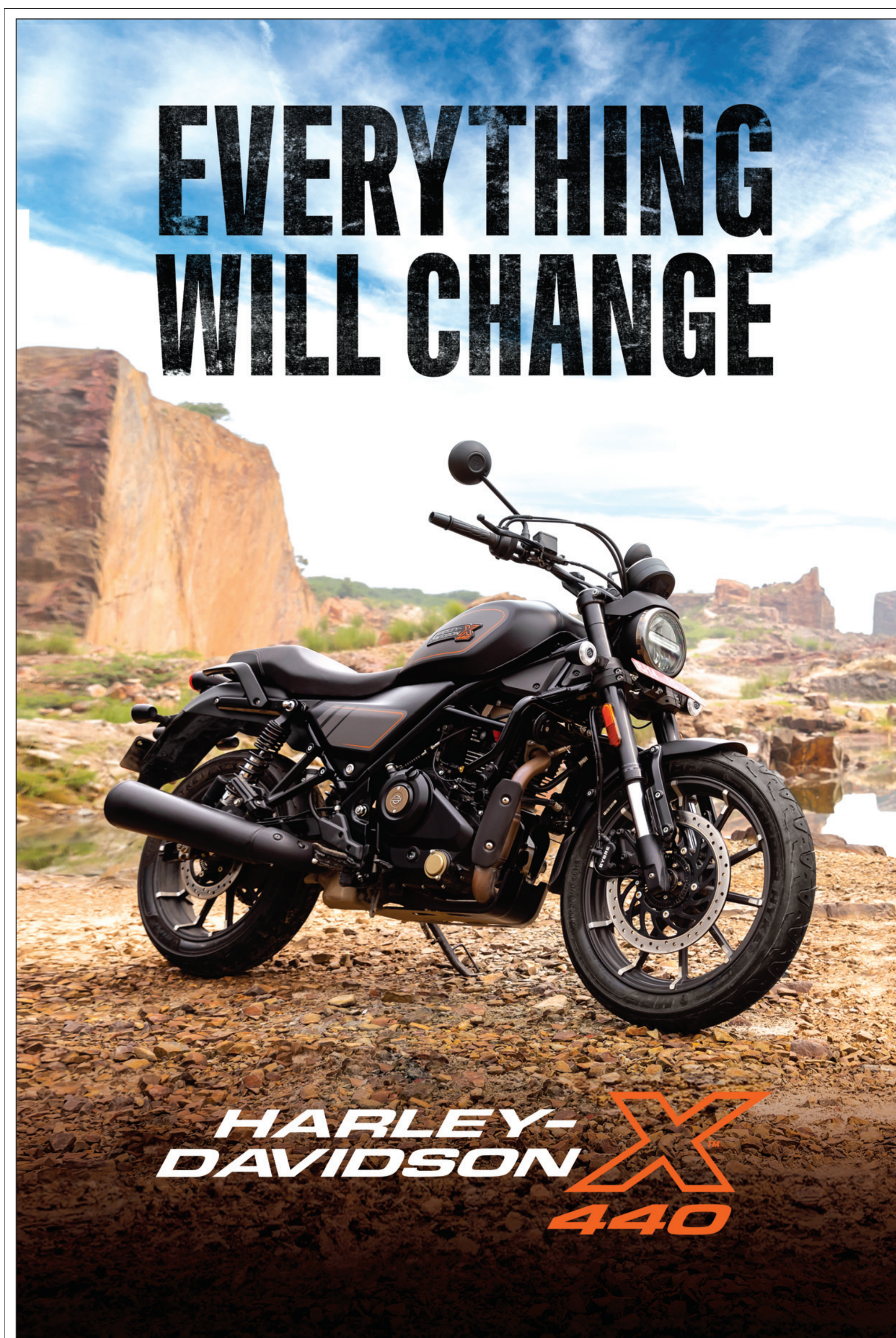

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार को लेकर धरने पर बैठे जयराम

● बोले- सरकार पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने से बच रही है

नवीन मेल संवाददाता/एजेंसी

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के सुप्रीमो और विधायक जयराम महतो ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार को लेकर चल रहे छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन पर सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 दिनों से छात्र-अभ्यर्थी लगातार आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार इस गंभीर मुद्दे के प्रति बेहद असंवेदनशील बनी हुई है। इसका मूल कारण जेपीएससी की सीटों को कथित तौर पर 50-60 लाख रुपये लेकर बेचे गए हैं। इतनी बड़ी रकम के कथित घोटाले को सिर्फ अभय तिवारी पचा नहीं सकते। और सरकार जानती है यदि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच हुई तो कई बड़े बागड़ बिल्ले के नाम सामने आयेंगे। उनके चेहरे बेनकाब हो सकते हैं। शायद यही वजह है कि सरकार पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने से बच रही है।

जयराम महतो ने कहा

कि यदि सरकार छात्रों की मांगों को नहीं मानती है तो सदन में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएंगे। छात्रों के विधानसभा घेराव प्रदर्शन में शामिल होंगे। और इसकी आवाज काफी दूर तक जाएगी। उन्होंने बताया कि उनका निर्जला उपवास रविवार की आधी रात तक जारी रहेगी। इस दौरान आंधी आए या तूफान, वह अपने धरना स्थल से नहीं हटेंगे।
उन्होंने सत्ता पक्ष के विधायकों से भी जेपीएससी मुद्दे पर छात्रों के समर्थन देने की अपील किया। ताकि छात्र हित में बेहतर निर्णय लिया जा सके।
सत्ता पक्ष के विधायक-सांसद भी छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि जिस संवेदनशील मुद्दे को लेकर छात्र-अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं, उस पर सभी जनप्रतिनिधियों को गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब पूरे प्रकरण पर दो-तीन मंत्रियों से इस मामले में बातचीत करने का प्रयास किया तो सत्ताधारी दल के मंत्री और विधायक यही कहते नजर आए कि जबतक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नहीं कहेंगे, तब तक वे छात्रों से सीधे मिलने नहीं जा सकते।

जयराम महतो रविवार को पुराना विधानसभा परिसर में एक दिवसीय निर्जला उपवास के दौरान मीडिया से बोल रहे थे। महतो ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि छात्र अभ्यर्थी आमरण अनशन में है। स्थिति बिगड़ रही है। लेकिन सरकार की ओर से उच्च शिक्षा मंत्री सोनू सुदिव्य जैसे लोग छात्र-अभ्यर्थियों के आंदोलन को राजनीति करार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि आंदोलन राजनीतिक है तो सरकार यह जांच करा ले कि धरनास्थल पर कौन राजनीतिक है और कौन गैर-राजनीतिक। उन्होंने सरकार से मांग की कि छात्र-अभ्यर्थी जिस तरह अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन पर डटे हुए हैं, उनकी मांगों को जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। अगर आंदोलन के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना होती है या किसी छात्र-अभ्यर्थी की जान जाती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के उस बयान पर भी पलटवार किया, जिसमें मंत्री ने बीते दिनों कहा था कि झारखंड में कहीं भी जेपीएससी पेपर लीक नहीं हुआ है।

जयराम महतो ने कहा कि मंत्री इरफान अंसारी हमेशा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को राम और खुद को हनुमान बताने के चक्कर में इस तरह के बयान देते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी भी तथ्य पर बयान देने से पहले मंत्री उसका ठीक से अध्ययन नहीं करते। जयराम महतो ने कहा कि वह भी जयपाल सिंह स्टेडियम जा सकते थे, जहां छात्र-अभ्यर्थी आमरण अनशन और सत्याग्रह कर रहे हैं। वहां जाकर निर्जला उपवास करना उनके लिए भी संभव था, लेकिन देश-विदेश की मीडिया वहां मौजूद है।

दो वाहनों में जबरदस्त टक्कर, तीन घायल

रांची। रांची के प्लाजा चौक के समीप दो वाहनों में रविवार को जबरदस्त टक्कर हो गयी। इतनी जोरदार टक्कर थी कि कार के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार सेना का वाहन प्लाजा चौक के पास से जेल मोड़ की तरफ मुड़ रहा था। इसी दौरान पुरुलिया रोड की ओर से तेज गति से आ रही कार के चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार सीधे सेना के वाहन में टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। इसी बीच गश्ती पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए।

कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसमें फंसे तीनों घायलों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों ने मिलकर सभी को कार से बाहर निकाला और तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आयी है। घटना की जानकारी मिलते ही लोअर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी ली।

आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के इलाज का पूरा खर्च उठाएगी सरकार : इरफान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में छात्र-छात्राओं के आंदोलन के बीच स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने रविवार को आंदोलनकारी छात्रों के नाम एक भावुक एवं संवेदनशील अपील जारी की है।

स्वास्थ्य मंत्री ने जारी अपील में कहा है कि लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों और मांगों के लिए संघर्ष करना उनका अधिकार है, लेकिन अपनी जिंदगी और स्वास्थ्य को खतरे में डालना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों की भावनाओं, उनकी मांगों और उनके संघर्ष को गंभीरता से समझ रही है तथा सकारात्मक एवं सम्मानजनक समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने छात्रों से संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से समाधान की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया।

अपने पत्र में स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से कहा कि आंदोलन के दौरान यदि किसी छात्र-छात्रा की तबीयत बिगड़ती है या अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ती है, तो राज्य सरकार बेहतर से बेहतर चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य के सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी आंदोलनकारी छात्र-छात्रा को चिकित्सा सुविधा से वंचित न किया जाए। आंदोलनकारी छात्रों के इलाज के नाम पर किसी प्रकार की राशि नहीं ली जाएगी तथा उपचार से संबंधित आवश्यक खर्च राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि आंदोलन स्थल पर भी स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमों को आवश्यकता के अनुसार तैनात रखा गया है, ताकि आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा सके और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपनी जान को दांव पर न लगाएं और अपने स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। स्वास्थ्य मंत्री ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी मांगों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखें, अपनी आवाज बुलंद करें। लेकिन अनशन और भूख हड़ताल जैसे कदमों से बचें। कहा कि सरकार छात्रों की बात सुन रही है और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार कर रही है।

भाजपा ने मोरहाबादी मैदान से शहीद अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रतीक : आदित्य साहू

● तिरंगा केवल ध्वज नहीं बल्कि हमारा गौरव : कर्मवीर सिंह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 'हर घर तिरंगा' अभियान के भाजपा के द्वारा मोरहाबादी मैदान से शहीद अल्बर्ट एक्का चौक तक प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान देशभक्ति के उत्साह और हाथों में तिरंगा लिए हजारों कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने इस यात्रा के माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश दिया। दिल में राष्ट्रभक्ति और कदमों में देश के प्रति समर्पित इस यात्रा ने राँची की धरती पर राष्ट्रप्रेम का अद्भुत संदेश दिया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा अभियान" आज राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी का जनआंदोलन बन चुका है। तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रतीक है, यह देशभक्ति की प्रेरणा जगाती है। यह सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सद्भावना का संदेश लेकर घर-घर, गांव-गांव, शहर-शहर और हर नागरिक तक पहुंच रही है। उन्होंने सभी से इस गौरवपूर्ण अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी अपने घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराएं और राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं गौरव के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में सहभागी बनें।

संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि तिरंगा केवल ध्वज नहीं बल्कि हमारा गौरव है। यह तिरंगा यात्रा राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राष्ट्रभक्ति, एकता और देश के प्रति समर्पण की भावना से ओत-प्रोत यह यात्रा हर भारतीय के हृदय में तिरंगे के गौरव को और अधिक सशक्त करने का संदेश दे रही है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय के समक्ष तिरंगा झंडा बिक्री केंद्र का हुआ उद्घाटन

रांची। "हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भाजपा द्वारा अपने विभिन्न राज्य और जिला कार्यालयों में तिरंगा झंडा बिक्री केंद्र (स्टोर) खोले गए हैं। इसी के तहत झारखंड प्रदेश कार्यालय में भी झारखंड के आम नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज सहजता से उपलब्ध कराने के लिए तिरंगा झंडा बिक्री केंद्र का विधिवत् उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के द्वारा फीता काटकर किया गया। मौके पर श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश के हर घर में शान से तिरंगा लहराये। पूरा परिवार इस अभियान में शामिल हों। सबके दिलों में राष्ट्रीयता की भावना और राष्ट्रीय झंडा के प्रति सम्मान जागृत हो।

दृष्टिपात

आदित्य साहू को नजरबंद करना शर्मनाक : अमर बाउरी

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को उनके आवास में नज़रबंद करने को लेकर राज्य सरकार पर करारा प्रहार किया है। प्रदेश महामंत्री ने कहा है कि यह राज्य की डरी सहमी एक तानाशाही सरकार की दमनात्मक

कार्रवाई है। पुलिसिया पहरा बिठा देने से सरकार की मंशा कामयाब होने वाली नहीं है। राज्य सरकार की इस प्रकार की गीदड़भभकी से छात्र आंदोलन रुकने वाला नहीं है। भाजपा पुलिसिया कार्रवाई से पहले भी ना डरी है और ना कभी डरेगी। राज्य सरकार छात्रों की मांग को पूरा करे। सरकार लाख कोशिश कर ले विधानसभा घेराव कार्यक्रम में लाखों छात्र भाग लेंगे ही। श्री बाउरी ने कहा कि मुख्य विपक्षी पार्टी होने के नाते भाजपा राज्य के छात्रों के साथ हो रहे अन्याय को मूकदर्शक बनकर नहीं देख सकती है। भाजपा ने इस मामले को नैतिक समर्थन डंके की चोट पर दिया है। भाजपा छात्रों के इस न्याय की लड़ाई में हर कदम साथ है। छात्र पिछले 6 साल से ठगे जा रहे हैं। स्वाभाविक है कि उनके अंदर आक्रोश का तूफान है और सरकार इस तूफान को जितना दबाएगी, वह उतना ही उभर कर सामने आएगा, जिसमें राज्य सरकार का भस्म होना तय है।

विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस ने लिया अधिकारों की रक्षा का संकल्प

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश आदिवासी कांग्रेस कमिटी की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश आदिवासी कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राज उरांव ने की, जबकि मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश रहे। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के अधिकार, सम्मान, संस्कृति, परंपरा और संवैधानिक संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के प्रेम चंद्र मुर्मू, रमा खलखो और सतीश पाल मुंजनी ने संविधान में आदिवासी समुदायों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक हितों की सुरक्षा के लिए किए गए प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संवैधानिक अधिकारों की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है।

आदिवासी भूमि कब्जे के आरोप पर बाबूलाल मरांडी ने सीएम को लिखा पत्र

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आदिवासी भूमि पर कथित अवैध कब्जे और इसमें पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों की संलिप्तता के आरोप को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। शिकायतकर्ता अनुराग उरांव से प्राप्त पत्र के आधार पर मरांडी ने आईजी (प्रोविजन) पंकज कंबोज पर खतियानी आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। मरांडी ने मुख्यमंत्री से पंकज कंबोज को उनके वर्तमान पद से तत्काल निलंबित करने तथा पद के कथित दुरुपयोग कर खरीदी गई संपत्तियों की स्वतंत्र एजेंसी सीबीआई या एसीबी से उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने मामले में दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उन्हें जेल भेजने की भी मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आदिवासी भूमि की सुरक्षा से जुड़े इस गंभीर मामले में निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

भाजपा को छात्रों के हित से कोई सरोकार नहीं: लाल किशोर

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

आदित्य साहू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीतिक रोटी सेंक रही है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई और कांग्रेस छात्रों की न्यायसंगत मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा उनके साथ खड़ी रही है। सीआईडी जांच का हवाला देते हुए शाहदेव ने कहा कि जांच आगे बढ़ना राज्य सरकार की निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई को दर्शाता है तथा दोषी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा की सीबीआई जांच की मांग पर उन्होंने कहा कि भाजपा का इतिहास मामलों को वर्षों तक लटकाने का रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के दौरान कई परीक्षाएं रद्द हुईं और युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ। उन्होंने सवाल किया कि उस समय आदित्य साहू और भाजपा नेता कहां थे।

आंदोलनरत छात्रों से मिले आदित्य साहू, सीबीआई जांच की मांग

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने जयपाल सिंह स्टेडियम में आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात कर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्रों की आंखों से निकले आंसू झारखंड के करोड़ों

छात्र-नौजवानों की पीड़ा और आक्रोश को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि 17 दिनों से छात्र भूखे-प्यासे आंदोलन कर रहे हैं, बावजूद सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता नहीं दिखा रही है। आदित्य साहू ने छात्रों की सीबीआई जांच की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार को जांच से परेशानी क्या है। उन्होंने कांग्रेस से भी छात्रों के समर्थन में मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना देने और सरकार पर दबाव बनाने की मांग की। जेपीएससी मामले को लेकर साहू ने सरकार पर सीआईडी जांच के खुलासे छिपाने और मामले की लीपापोती का आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए तत्कालीन जेपीएससी अध्यक्ष एल. ख्यांगते पर लगे कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की निष्पक्ष जांच और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रांची। अगस्त क्रांति दिवस पर रविवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस कमिटी की ओर से देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मा. केशव महतो कमलेश ने किया।

पेज एक के शेष

गूंजा हक, पहचान....

इसे अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए इस आदिवासी महोत्सव की शुरुआत हुई है। उन्होंने महोत्सव के लिए सभी लोगों के सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त होने का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने राज्य के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की गरिमामयी उपस्थिति को समारोह की विशेष गरिमा और आदिवासी समाज के गौरव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, हमारे लिए राज्यपाल महोदय केवल राज्य के राज्यपाल ही नहीं, बल्कि आदिवासी समुदाय के मार्गदर्शक और सर्वमान्य नेतृत्वकर्ता के रूप में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) राज्यपाल की छत्रछाया और मार्गदर्शन में कार्य करती है। टीएसी के माध्यम से आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा, उनके समग्र विकास और कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाती है। साथ ही, आदिवासी समाज के विकास के साथ-साथ पूरे समाज की प्रगति और भविष्य की दिशा तय करने में भी टीएसी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर ने देश को जो संविधान दिया है, वह देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्रदान करता है। व्यक्ति अमीर हो या गरीब, संविधान सभी को बराबरी का अधिकार देता है। लेकिन, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद समाज में असमानता पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है। आने वाले वर्षों में देश आजादी की शताब्दी की ओर बढ़ेगा, लेकिन आज भी समाज के विभिन्न वर्गों के बीच बड़ी असमानताएं मौजूद हैं। समाज, राज्य और देश में आर्थिक एवं सामाजिक असमानताएं जितनी बढ़ेंगी, तनाव भी उतना ही बढ़ेगा। इसलिए इन असमानताओं को दूर करना और सभी वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराना समय की बड़ी आवश्यकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज लोकतंत्र की मूल भावना को चुनौती देने के लिए भी एक बड़ा समूह पूरी ताकत और शिद्दत के साथ प्रयासरत है। हालांकि, झारखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि वीरों की भूमि है। यह वह धरती है, जहां देश के बड़े हिस्से में आजादी का सपना देखने की शुरुआत भी नहीं हुई थी, उस समय से झारखंड के वीर पूर्वज अपने अधिकार, अस्मिता और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करते रहे हैं। संघर्ष की यह परंपरा आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि झारखंड को अलग राज्य बने 25 वर्ष हो चुके हैं और इन वर्षों में राज्य ने अपने पैरों पर खड़े होने तथा अपनी अलग पहचान स्थापित करने की दिशा में लगातार प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब झारखंड को केवल संसाधनों के दोहन के लिए एक चारागाह की तरह देखा गया, लेकिन आज जब यह राज्य अपनी ताकत और क्षमता के साथ आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा है, तो यह बात कई लोगों को स्वीकार नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं, विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि वे स्वयं को युवाओं से अलग नहीं मानते। आपकी भावनाएं और सभी की चिंताएं उनकी चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि आज संवैधानिक जिम्मेदारी के स्थान पर रहते हुए वे युवाओं को आश्वस्त करना चाहते हैं कि उनके साथ पूरी पारदर्शिता के साथ न्याय होगा और न्याय केवल होगा ही नहीं, बल्कि होता हुआ दिखाई भी देगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी गौरवशाली विरासत, संघर्ष और पहचान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कामना की कि यह महोत्सव यादगार और प्रेरणादायक बने तथा आदिवासी समाज अपने गौरव और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि वे ऐसे वीर सपूतों के वंशज हैं, जिन्होंने अपने हक-अधिकार और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष किया। जल, जंगल और जमीन केवल उनके जीवन के संसाधन नहीं, बल्कि उनके जीवन की शुरुआत से लेकर अंत तक उनकी संस्कृति और अस्तित्व से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि आज उन्हें गर्व है कि वे आदिवासी हैं। मुख्यमंत्री सोरेन ने आदिवासी महोत्सव में सशरीर एवं अन्य माध्यमों से उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार जताया। इससे पूर्व राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने महोत्सव परिसर में लगे प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वहीं, सोमवार (10 अगस्त) को शाम 4:30 बजे समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के मंत्री राधा कृष्ण किशोर, राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक अमित महतो, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी एवं अन्य गण्यमान्य अतिथि, राज्य सरकार के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोग उपस्थित थे। झारखंड आदिवासी महोत्सव में झारखंड की आदिवासी संस्कृति, कला, परंपरा और लोक विरासत को सामने रखा गया है। कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य और संगीत के साथ अलग-अलग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इस बार महोत्सव में 600 से अधिक कलाकारों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। मुंडारी, कुड़ुख, संथाली, हो और खड़िया जनजातियों के कलाकार प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा पंचपरगनिया, कुरमाली, नागपुरी और खोरठा भाषाओं में भी नृत्य और संगीत कार्यक्रम होंगे। महोत्सव में पारंपरिक खान-पान, आदिवासी परिधान और कला-शिल्प से जुड़े स्टॉल भी लगाए गए हैं। आदिवासी साहित्य और पुस्तकों के लिए पुस्तक मेला आयोजित किया गया है। इसके साथ ही फिल्म और वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग, फैशन शो और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हो रहे है। रात में ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा। यह महोत्सव का खास आकर्षण रहेगा।

सीजीएल रद्द करने...

उन्होंने छात्रों से हठधर्मिता छोड़कर आंदोलन वापस लेने और वार्ता के जरिए समाधान निकालने की अपील की। साथ ही, उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को समझाएं और उन्हें आंदोलन से दूर रखें। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार ने 14वीं जेपीएससी पीटी और सिविल सर्विसेज की बैकलॉग परीक्षाओं को रद्द करने पर अपनी पूरी सहमति दे दी है। इसके अलावा, परीक्षाओं में हुए वित्तीय लेन-देन और वसूली के मामलों की सीआईडी जांच के साथ-साथ अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी जांच कराने के लिए सरकार पत्र लिखेगी। विवादित एजेंसी टीडीपीएल द्वारा ली गई अन्य सभी परीक्षाओं की भी व्यापक जांच कराई जाएगी और सबूत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीजीएल परीक्षा को रद्द करने की मांग पर मंत्री ने स्थिति साफ की। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के दिशानिर्देशों के तहत पूरी हुई है, और इसके आधार पर नियुक्तियां हो चुकी हैं, इसलिए इसे रद्द करना सरकार के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। सरकार ने इस मामले की जांच किसी सेवानिवृत्त जज की निगरानी में कराने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन छात्र इस पर भी तैयार नहीं हुए। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि वह परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाएगी। इसमें छात्रों सहित सभी स्टेकहोल्डर्स के सुझाव शामिल किए जाएंगे। इसके लिए सरकार ने पोर्टल लॉन्च किया है। और, इसके लिए एक नया पोर्टल भी लॉन्च होगा। सुदिव्य कुमार ने कहा कि दोषियों को सजा जरूर मिलेगी, लेकिन जब सरकार सारी जायज मांगें मान रही है, तब विधानसभा घेराव जैसे आंदोलन का रास्ता चुनना गलत है।

प्रशासनिक कार्रवाई पर...

उनका कहना था कि पुलिस समय रहते कार्रवाई करती तो आरोपी को गिरफ्तार किया जा सकता था।

उन्होंने आरोपी मोहम्मद इमरोज की भीड़ की पिटाई से हुई मौत के बाद पुलिस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताया। मरांडी ने कहा कि नाबालिग पीड़िता को बाल सुधार गृह और उसके माता-पिता को जेल भेज दिया गया, जबकि अपहरण और दुष्कर्म में कथित रूप से सहयोग करने वालों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी की मौत के मामले में उसके परिजनों की ओर से 54 नामजद और 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मरांडी ने आरोप लगाया कि पुलिस निर्दोष लोगों को परेशान कर रही है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर मृतक की कथित रूप से चाकू और पिस्तौल के साथ तस्वीरें प्रसारित होने का उल्लेख करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। साथ ही आरोपी को संरक्षण देने वालों की भूमिका की जांच की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि भाजपा पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और हरसंभव सहयोग करेगी। मौके पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, विधायक जनार्दन पासवान, कुमार उज्ज्वल दास समेत कई नेता और ग्रामीण मौजूद थे।

अंतरराज्यीय 'कोरई गैंग...

गिरोह झारखंड समेत विभिन्न राज्यों में चोरी, छिनतई और लूट की घटनाओं को अंजाम देता रहा है। बरामद मास्टर की का इस्तेमाल वाहनों की डिक्की और अन्य ताले खोलने में किया जाता था।

एसपी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गिरोह के नेटवर्क और पूर्व की वारदातों की जानकारी जुटाई जा रही है। अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी और शेष सामान की बरामदगी के लिए विभिन्न राज्यों में छापेमारी जारी है। कार्रवाई में एसडीपीओ श्रुति, एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, एसडीपीओ शिवशंकर मरांडी, पुलिस अंचल निरीक्षक विनय कुमार, गुलशन भेंगरा, पालकोट थाना प्रभारी अंकित राज, घाघरा थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह समेत एसआईटी और तकनीकी शाखा के पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

सरकार ने खोला ....

मुख्यमंत्री के अनुसार, छात्रों से मिले सुझावों का अध्ययन किया जाएगा और विशेषज्ञों के जरिए उनका परीक्षण कराया जाएगा। नियमों और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप जिन सुझावों को लागू करना संभव होगा, उन्हें तय समय सीमा के भीतर लागू करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा सुधार केवल एक प्रशासनिक विषय नहीं है, बल्कि यह युवाओं के विश्वास, लाखों परिवारों की उम्मीदों और राज्य के भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों से परीक्षा प्रणाली की कमियों, उनके सामने आई समस्याओं और बेहतर व्यवस्था के सुझाव साझा करने को कहा है। इसके लिए संवाद डॉट झारखंड डॉट जीओवी डॉट इन पोर्टल पर सुझाव दर्ज कराने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना चाहती है और इसमें युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी।

भारत ने रोमांचक अंदाज में जीता वार्म-अप मैच

एजेंसी। कोलंबो

9वें नंबर पर उतरे मोहम्मद सिराज ने अंतिम ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए भारत को श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच में 6 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई।

नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने अपनी पहली पारी 363/8 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में निशान मदुष्का ने रविंदु रसनथा के साथ पहले विकेट के लिए 110 रन जोड़े। मदुष्का 12 बाउंड्री के साथ 66 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रसनथा ने पसिंदु सूरियाबंदारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 61 रन जोड़े।

इस पारी में सूरियाबंदारा ने 71 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सोनल दिनुशा ने 52 रन जुटाए। भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। एक विकेट गुरनूर बरार के हाथ लगा।

इसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी की। पड्डिकल 18 चौकों के साथ 142 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि केएल राहुल ने 40 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। मानव सुथार ने 41 रन बनाए। विपक्षी खेमे से रमेश मेंडिस और असंका मनोज ने 2-2 विकेट निकाले।

श्रीलंकाई टीम ने दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। टीम ने 51 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद निशान मदुष्का ने पवन रत्नायके के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़कर टीम को संभाला। इस पारी में निशान मदुष्का 63 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए, जबकि निपुण धनंजय ने 46 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। अंजला बंडारा ने 35 रन बनाए। भारत के लिए गुरनूर बरार और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट हासिल किए।

भारत को जीत के लिए 207 रन की दरकार थी। दूसरी पारी में भारत ने तेज शुरुआत की। शुभमन गिल ने यशस्वी जायसवाल के साथ 20.1 ओवरों में 105 रन जुटाए। गिल 7 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जायसवाल 46 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 61 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए।

भारत जीत की ओर बढ़ता नजर आ रहा था, लेकिन बाद में रनों की रफ्तार काफी धीमी हो गई। इस दौरान पंत ने 28 रन, जबकि रवींद्र जडेजा ने 22 रन (रिटायर्ड हर्ट) बनाए।

अंतिम ओवर में सिराज ने लगाई 'छक्कों की हैट्रिक'

शाहनवाज ने लंबी कूद स्पर्धा में जीता कांस्य, रचा इतिहास

एजेंसी। यूजीन

भारत के शाहनवाज खान ने विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले आशीष यादव ने भाला फेंक में और बसंत कुमार मेघवाल ने ऊंची कूद में रजत पदक जीता था। शाहनवाज ने फाइनल में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले शाइली सिंह ने 2021 में महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता था।

हालांकि, शाहनवाज के लिए यह पदक कुछ मायनों में निराशाजनक भी रहा होगा, क्योंकि उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.30 मीटर से काफी कम रही।

दूसरे भारतीय फाइनलिस्ट आर.सी. जितिन अर्जुनन भी अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 8.12 मीटर के करीब नहीं पहुंच सके। उन्होंने 7.59 मीटर की छलांग के साथ आठवां स्थान हासिल किया।

इटली के डेनियल लियोनार्डो इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

ओपनर एमिलियो के फिट होने की उम्मीद

लंदन। पाकिस्तान के खिलाफ 19 अगस्त से शुरू होने जा रही टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड के लिए अच्छी खबर है। ओपनर एमिलियो गे इस मैच से पहले अपनी फिटनेस वापस हासिल कर सकते हैं। एमिलियो शुक्रवार को मिडलसेक्स के खिलाफ डरहम के लिए खेलते हुए अपना कंधा चोटिल करवा बैठे थे। एमिलियो ने इसी साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने टेस्ट करियर की 6 पारियों में 23.16 की औसत के साथ 139 रन बनाए, जिसमें 2 अर्धशतक भी शामिल हैं। बेन डकेट के साथ उनकी साझेदारी ने टीम मैनेजमेंट को प्रभावित किया है। जैक क्रॉली खराब प्रदर्शन के कारण टीम से हटाए गए हैं, जिसके बाद मैनेजमेंट एमिलियो को मौके देने का इच्छुक है। 'डेली मेल स्पोर्ट' के अनुसार, शनिवार को हुए एमिलियो के स्कैन में कोई गंभीर चोट नहीं पाई गई, जिससे गे बेन डकेट के साथ अपनी ओपनिंग साझेदारी जारी रख सकेंगे। इंग्लिश टीम पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच के साथ एक नए दौर की शुरुआत करने जा रही है।

भारत का श्रीलंका दौरा : शुभमन गिल ने नेट्स पर की वापसी

एजेंसी। कोलंबो

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच से बाहर रहने के बाद नेट्स पर वापसी की। कोलंबो के एनसीसी मैदान पर खेले जा रहे अभ्यास मैच के तीसरे और अंतिम दिन गिल को साइड नेट्स में बल्लेबाजी करते देखा गया। गिल अभ्यास मैच से पहले दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर हो गए थे। अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली पर गेंद लगी थी। टॉस के समय केएल राहुल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड

(बीसीसीआई) ने बताया था कि गिल अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।

बीसीसीआई ने बयान में कहा था, "कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार को भारत के अभ्यास सत्र के दौरान दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी। एहतियाती कदम के तौर पर वह श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।"हालांकि, मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान भी गिल बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उनकी नियमित बल्लेबाजी क्रम की चौथी पारी पर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी करने आए।

गिल का नेट्स पर लौटना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में खेला जाएगा।

'अगर कॉल आती है तो क्यों मना करूंगा': भुवनेश्वर कुमार

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने बड़ा बयान दिया है। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें 2027 वनडे वर्ल्ड कप की टीम में शामिल करने की पैरवी की है। अब भुवनेश्वर ने खुद इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बातचीत में भुवनेश्वर ने साफ किया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान क्रिकेट खेलने और अपनी टीम के लिए योगदान देने पर है। उन्होंने कहा कि वह किसी चयन की उम्मीद में नहीं खेल रहे हैं, बल्कि इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि उन्हें क्रिकेट से प्यार है।

भुवनेश्वर कुमार ने भारत में वापसी की चर्चाओं और पूर्व क्रिकेटरों के बयानों पर कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं इस बात का जवाब नहीं दे सकता कि मैं कितना तैयार हूं। मेरा काम क्रिकेट खेलना है। मैं यूपी T20 खेलने इसलिए आया हूं क्योंकि मुझे क्रिकेट खेलना पसंद है, न कि इसलिए कि मुझे किसी और स्तर तक पहुंचना है या कहीं और जाना है।'

हॉकी झारखंड सब जूनियर और जूनियर पुरुष हॉकी टीम टाटा रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 10 से 14 अगस्त 2026 तक जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम में आयोजित नवल टाटा हॉकी झारखंड सब जूनियर एवं गुरु जूनियर पुरुष राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 2026 में भाग लेने के लिए आज 20 सदस्य हॉकी सिमडेगा सब जूनियर पुरुष टीम टाटा रवाना हुई। जिला खेल पदाधिकारी श्री मनोज कुमार, हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष सुनील तिर्की,पैंक्रासियुस टोप्पो, कमलेश्वर मांझी एलशन कीड़ों, सहित हॉकी सिमडेगा के समस्त पदाधिकारी ने टीम को जीत की शुभकामनाएं दिया। यह है कि 5 अगस्त को सेंट्रल के माध्यम से 25-25 खिलाड़ियों का चयन किया गया था उनका कल तक लगातार विशेष प्रशिक्षण आयोजन करने के उपरांत 18 सदस्य जिला टीम का गठन कर जमशेदपुर भेजा गया है। जूनियर वर्ग की टीम 11 अगस्त को जमशेदपुर के लिए रवाना होगी

सब जूनियर टीम

दीपक लाकरा, तेनी अतुल टोप्पो, सेमुएल मिन्ज, डेनियल डोडराय, नाजटिल शानी लाकरा, प्रदीप बागे, अनुराग सुरिन, सुमित उरांव, गुलशन होरो, सुमित किंडो, अनुपम हेमरोम, अर्पण बारा, निशांत सुरिन, अमुज तिग्गा, बिपुल लाकरा, अल्बर्ट सोरेंग, सुमन सोरेंग, सिकंदर मिन्ज, कोच रोहित बेसरा ,मैनेजर- फ्लेबियस तिर्की।

महिला वर्ग ने खेला मैत्री हॉकी मैच

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम मोराबादी में हॉकी झारखंड के द्वारा महिला वर्ग मैत्री हॉकी मैच का आयोजन मोराबादी एकादश और बरियातू एकादश के बीच खेला गया । जो काफी रोमांचक और संघर्षपूर्ण रहा ,मैदानी खेल में दोनों ही टीम 03-03 गोल की बराबरी पर रहे, तत्पश्चात निर्णय ट्राइब्रेकर मैं गया जिसमे मोराबादी एकादश की टीम 3-2 से विजयी रही। उपस्थित सभी खिलाडीयों को मिठाई देकर बधाई दिया गया। आज के मैत्री मैच में मुख्यरूप से हॉकी झारखंड के महानिदेशक विजय शंकर सिंह,महासचिव मनोज कोनबेगी, हॉकी कोच करुणा पूर्ति, राष्ट्रीय अंपायर मनोज प्रधान, हॉकी रांची के कोषाध्यक्ष प्रमोद केरकेट्टा, हॉकी कोच विकास पंत, दिव्या डुंगडुंग, राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी जोसेफ टोपनो सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस

मोराबादी एकादश की टीम 3-2 से विजयी रही

रांची जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया अपना दमखम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में हटवार स्थित रांची प्रैक्टिस ग्राउंड में एकदिवसीय जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के सैकड़ों खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 1500 मीटर, लॉन्ग जंप और जेवलिन थ्रो सहित विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

यू-18 बालक 100 मीटर में प्रिंस कुमार 11.48 सेकंड के समय के साथ प्रथम, रिशिल राज 11.72 सेकंड के साथ द्वितीय और मयंक कुमार 12.46 सेकंड के साथ तृतीय रहे। यू-20 बालक 100 मीटर में के.आर. पल्लव ने 11.38 सेकंड में पहला स्थान हासिल किया। उवराज राजक 11.64 सेकंड के साथ दूसरे और अमन लकड़ा 11.99 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

यू-18 बालक 400 मीटर में शैलेश कच्छप ने 56.53 सेकंड में स्वर्ण स्थान हासिल किया। बसंत महतो दूसरे और अंकित जायसवाल तीसरे स्थान पर रहे। यू-18 बालक 1500 मीटर में चिरंजीत 4:46.74 मिनट के साथ प्रथम, अंकित जायसवाल 5:09.44 मिनट के साथ द्वितीय और हर्षित कुमार महतो 5:46.78 मिनट के साथ तृतीय रहे।

यू-20 बालक 1500 मीटर में अमित कुमार महतो ने 4:36.79 मिनट के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। विकास कुमार यादव दूसरे और रोहित प्रसाद तीसरे स्थान पर रहे। वहीं यू-20 बालक 200 मीटर में साहिल मिश्रा 23.28 सेकंड के साथ प्रथम, अंकित जायसवाल 23.42 सेकंड के साथ द्वितीय और निशांत एक्का 25.46 सेकंड के साथ तृतीय रहे।

झारखंड पेंचक सिलाट एसोसिएशन का एजीएम एवं नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड पेंचक सिलाट एसोसिएशन का वार्षिक आमसभा एवं नई कार्यकारिणी का गठन आज होटल मंत्री रेसिडेंसी, रातू में किया गया। बैठक में झारखण्ड के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन किया।

बैठक में संगठन के सुचारू संचालन, पेंचक सिलाट खेल के विकास तथा राज्य के सभी जिलों में खेल को बढ़ावा देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित

सभी जिला प्रतिनिधियों की सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया

अध्यक्ष: श्री किशोर मंत्री
कार्यकारी अध्यक्ष: श्री गुलाम अब्दुल कादिर
महासचिव: डौली कुमारी सिंह
कोषाध्यक्ष: श्री दीपक वेसेंट कच्छप
उपाध्यक्ष: श्रीमती किरण देवी
सह सचिव: शबनम मिंज

नई कार्यकारिणी ने पेंचक सिलाट को झारखण्ड के प्रत्येक जिले में और अधिक मजबूत एवं लोकप्रिय बनाने, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में उपस्थित जिला प्रतिनिधियों ने नवगठित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि नई टीम के नेतृत्व में झारखण्ड में पेंचक सिलाट खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा। झारखंड पेंचक सिलाट एसोसिएशन ने सभी जिला प्रतिनिधियों, खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों का आभार व्यक्त किया और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सभी से सहयोग की अपील की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारतीय कार इंडस्ट्री का आकार वित्त वर्ष 2031 तक 63 लाख यूनिट्स तक पहुंचने की उम्मीद : आरसी भार्गव

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय कार इंडस्ट्री का आकार वित्त वर्ष 2030-31 तक बढ़कर 61 से 63 लाख यूनिट्स तक पहुंच सकता है। इस दौरान छोटी गाड़ियों की बाजार हिस्सेदारी बीते पांच वर्षों में हुई वृद्धि के मुकाबले तेजी से बढ़ेगी। यह बयान मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन आरसी भार्गव ने रविवार को दिया।

भार्गव ने कहा कि जीएसटी सुधारों ने न सिर्फ ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को, बल्कि अर्थव्यवस्था के कई सेक्टर को भी नई रफ्तार दी है और "हम अगले पांच सालों में कार मार्केट की संभावित ग्रोथ का जितना हो सके, उतना सटीक अनुमान लगाने की प्रक्रिया में हैं।" मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी 'एनुअल इंटीग्रेटेड रिपोर्ट 2025-26' जारी की है। इसमें बताया गया है कि कैसे छोटी कारों के सेगमेंट में वापसी, कंपनी के एसयूवी पोर्टफोलियो का मजबूत होना, मल्टी-पावरट्रेन स्ट्रैटेजी, क्षमता बढ़ाने पर फोकस और जबरदस्त निर्यात प्रदर्शन ने ग्रोथ के लिए नई रफ्तार पैदा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 24.22 लाख गाड़ियों की अब तक की सबसे ज्यादा सालाना बिक्री और 4.47 लाख गाड़ियों के निर्यात का रिकॉर्ड बनाया। भार्गव के बयान के अनुसार, लगातार तीसरे साल 20 लाख गाड़ियों की बिक्री का आंकड़ा छूने के बाद, उम्मीद से पहले ही गाड़ियों की बिक्री का अगला दस लाख का माइलस्टोन हासिल करने को लेकर आशावादी है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, हिसाशी ताकेउची ने कहा, "हमने अपनी क्षमता बढ़ाने की योजनाओं में तेजी लाई। वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान, हमने 5,00,000 यूनिट की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता जोड़ी।"

एयर इंडिया फुकेत-दिल्ली टर्बुलेंस मामले में क्रू मेंबर्स को रोस्टर से हटाया : केंद्र

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि अचानक ऊंचाई में गिरावट का शिकार हुई एयर इंडिया फुकेत-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट की ड्रग टेस्ट की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

साथ ही, जांच पूरी होने तक दोनों क्रू (मुख्य पायलट और फर्स्ट ऑफिसर) को रोस्टर से हटा दिया गया है। 4 अगस्त को फुकेत से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई2379 (ए320 विमान वीटी-ईएक्सओ) ने क्रूज चरण के दौरान लगभग 300 फीट की अचानक ऊंचाई खो दी थी। बाद में विमान स्थिर हो गया और सुरक्षित रूप से दिल्ली में उतरा।

इस घटना में कुछ यात्रियों और केबिन क्रू सदस्यों को चोटें आईं। विमान में 137 यात्री और आठ क्रू सदस्य (जिनमें दो पायलट और छह केबिन क्रू सदस्य शामिल थे) सवार थे। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी घटना के बाद अपनाई जाने वाली स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत, दोनों फ्लाइट क्रू सदस्यों का तय साइकोएक्टिव सब्सटेंस स्क्रीनिंग टेस्ट किया गया।

4 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.43 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल छह कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आ गई, जबकि चार कंपनियों के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हो गई। देश में मार्केट कैप के मामले में शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों में से चार के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 1.43 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को हुआ।